नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

पश्चिम बंगाल में रिकॉर्ड 91.78 और तमिलनाडु में 84.41 फीसदी मत पड़े

• बोकारो, शुक्रवार, 24 मार्च 2026 • वर्ष : 09 • अंक : 334 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

राज्य में पेट्रोल-डीजल व एलपीजी की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य

घबराहट में खरीदारी से बचने की अपील

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। पत्र सूचना कार्यालय रांची और ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसीज़) ने संयुक्त प्रेस वार्ता कर स्पष्ट किया कि झारखंड में पेट्रोलियम उत्पादों और एलपीजी की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य और नियंत्रण में है। यह प्रेस वार्ता इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के नामकुम स्थित डिविजनल कार्यालय में आयोजित की गई। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए झारखंड स्तर के कोऑर्डिनेटर डॉ. प्रदीप पॉल और राजेश सिन्हा ने बताया कि राज्य में मजबूत बुनियादी ढांचे, सतत निगरानी और समन्वय तंत्र के जरिए ईंधन की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, राज्य में कुल 2084 रिटेल आउटलेट संचालित हैं, जिनमें 1981 ओएमसी और 103 निजी हैं। प्रतिदिन औसतन 1750 किलोलीटर पेट्रोल और 3450 किलोलीटर डीजल की आपूर्ति हो रही है। वर्तमान में पेट्रोल और डीजल दोनों का लगभग 12 दिनों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और सभी पेट्रोल पंप सामान्य रूप से कार्यरत हैं। एलपीजी आपूर्ति पर जानकारी देते हुए बताया गया कि राज्य में 591 वितरकों और 5 बॉटलिंग प्लांट के माध्यम से करीब 67.5 लाख उपभोक्ताओं को सेवा दी जा रही है। प्रतिदिन औसतन 80 हजार सिलेंडर की डिलीवरी हो रही है और बुकिंग का बैकलॉग लगभग 5 दिनों में पूरा किया जा रहा है। व्यावसायिक एलपीजी का 70 प्रतिशत आवंटन बनाए रखा गया है, जिसमें अस्पताल, शैक्षणिक संस्थान, रेलवे, रक्षा और औद्योगिक इकाइयों को प्राथमिकता दी जा रही है। एलपीजी सेवाओं में डिजिटलीकरण को भी बढ़ावा मिला है। वर्तमान में 95 प्रतिशत बुकिंग डिजिटल माध्यम से हो रही है, जबकि दो माह पहले यह आंकड़ा 70 प्रतिशत था। वहीं, 90 प्रतिशत मामलों में डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड का अनुपालन सुनिश्चित किया गया है। पीएनजी नेटवर्क में भी विस्तार हुआ है। राज्य में लगभग 41 हजार पीएनजी कनेक्शन उपलब्ध हैं और पिछले एक माह में करीब 4 हजार नए कनेक्शन जोड़े गए हैं, जिससे शहरी क्षेत्रों में एलपीजी पर निर्भरता कम होने की उम्मीद है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जिला प्रशासन और तेल कंपनियों के बीच नियमित समन्वय बैठकें हो रही हैं तथा आपूर्ति व्यवस्था की दैनिक निगरानी की जा रही है। किसी भी प्रकार की लंबी कतार या समस्या की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जा रही है। प्रेस वार्ता के अंत में नागरिकों से अपील की गई कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें, घबराहट में खरीदारी से बचें और भ्रामक खबरों का प्रसार न करें। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि राज्य में पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति पूरी तरह स्थिर और सुचारु बनी हुई है।

गर्मी का कहर शुरू, छह जिलों में पारा 40 डिग्री के पार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में गर्मी ने अब तेज तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। बुधवार को राज्य के कई जिलों में तापमान में लगातार वृद्धि दर्ज की गई, जिससे जनजीवन प्रभावित होने लगा है। हालात ऐसे रहे कि छह जिलों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया, जिससे लोगों को कड़ी धूप और लू जैसी स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, पूर्वी सिंहभूम और सरायकेला-खरसांवा में अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो राज्य में सबसे अधिक रहा। इसके अलावा पलामू में 42.8 डिग्री, पश्चिमी सिंहभूम में 42.2 डिग्री, जबकि गोड्डा और बोकारो में 41.7 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। सुबह के समय से ही गर्मी का असर साफ दिखने लगा है। सुबह 10 बजे के बाद तापमान तेजी से चढ़ने लगता है और कई जिलों में इसी समय के आसपास तापमान 40 डिग्री के करीब पहुंच जाता है। राजधानी रांची में अधिकतम तापमान 38.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि पाकुड़ में यह 40.6 डिग्री सेल्सियस रहा। अन्य जिलों में भी तापमान 33 से 39 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है, जिससे लोगों को दिनभर उमस और तपिश का सामना करना पड़ रहा है।

बंगाल चुनाव के पहले चरण में हिंसा की छाया, कई स्थानों पर झड़प और पथराव

बीजेपी कैंडिडेट सुवेंदु को दौड़ाकर पीटा, हुमायूं कबीर पर बरसे पत्थर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के दौरान गुरुवार को कई जिलों में हिंसा और तनाव की घटनाएं सामने आईं। चुनाव आयोग की सख्ती और केंद्रीय सुरक्षा बलों की भारी तैनाती के बावजूद कुछ स्थानों पर हालात बिगड़ते नजर आए। कहीं नारेबाजी हुई तो कहीं विवाद मारपीट और पथराव में बदल गया।

मुर्शिदाबाद जिले के नाओदा क्षेत्र में आम जनता उन्नयन पार्टी के नेता हुमायूं कबीर के समर्थकों और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) कार्यकर्ताओं के बीच जमकर झड़प हुई। स्थिति उस समय और तनावपूर्ण हो गई जब हुमायूं कबीर शिबनगर गांव के एक बूथ पर पहुंचे। आरोप है कि टीएमसी समर्थकों ने उन्हें घेर लिया और भाजपा का एजेंट बताकर उनके काफिले पर पथराव किया। दोनों पक्षों के बीच हुई इस हिंसा में कई वाहनों को नुकसान पहुंचा। हालांकि, केंद्रीय बलों के तत्काल हस्तक्षेप से स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया। हुमायूं कबीर ने आरोप लगाया कि टीएमसी कार्यकर्ता मतदाताओं को धमका रहे हैं और उन्हें जबरन अपने पक्ष में मतदान करने का दबाव बना रहे हैं। उन्होंने चुनाव आयोग से मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं, टीएमसी ने इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है। पार्टी की उम्मीदवार शाहिना मुमताज खान ने कहा कि हिंसा की घटनाएं दुर्भाग्यपूर्ण हैं, लेकिन उनके समर्थक इसमें शामिल नहीं हैं। इधर, बीरभूम जिले की लाभपुर सीट पर भी तनाव देखने को मिला। यहां भाजपा के पोलिंग एजेंट देबाशीष ओझा के साथ मारपीट की घटना हुई, जिसमें उन्हें सिर में चोटें आईं। हालांकि, टीएमसी समर्थकों ने इस घटना में अपनी संलिप्तता से इनकार किया है। चुनाव के दौरान सामने आई इन घटनाओं ने शांतिपूर्ण मतदान प्रक्रिया पर सवाल खड़े कर दिए हैं, जबकि प्रशासन हालात को नियंत्रण में रखने का दावा कर रहा है।

बच्चियों की गुमशुदगी पर राज्यपाल चिंतित

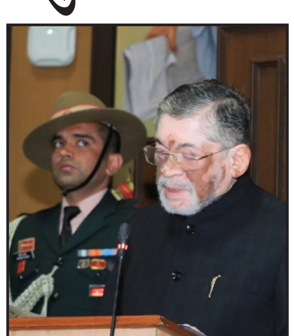

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में नाबालिग लड़कियों के लगातार लापता होने की घटनाओं को लेकर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने पुलिस प्रशासन को सख्त निर्देश देते हुए कहा है कि ऐसे सभी मामलों की हर जिले में प्राथमिकता के आधार पर जांच की जाए और उसे जल्द से जल्द पूरा किया जाए। लोक भवन की ओर से बुधवार को जारी बयान के अनुसार, राज्यपाल के निर्देश पर उनके अतिरिक्त मुख्य सचिव नितिन कुलकर्णी ने पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को पत्र भेजकर इन मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि हाल के दिनों में राज्य में नाबालिग लड़कियों के लापता होने के मामलों में वृद्धि हुई है, जबकि पुलिस की ओर से समय पर प्रभावी कदम नहीं उठाए जाने से स्थिति गंभीर होती जा रही है।

राज्यपाल ने इन घटनाओं पर चिंता जताते हुए पुलिस की कार्यप्रणाली पर असंतोष भी व्यक्त किया है। उन्होंने निर्देश दिया है कि सभी जिलों में गुमशुदगी के लंबित मामलों की जिला-वार ताजा सूची तैयार कर लोक भवन को उपलब्ध कराई जाए। साथ ही प्रत्येक मामले की अद्यतन स्थिति की जानकारी भी भेजने को कहा गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों की जांच में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और अपराधियों के मन में कानून का भय स्थापित किया जाना आवश्यक है। राज्यपाल ने कहा कि झारखंड की हर बेटी की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि सभी लड़कियां सुरक्षित वातावरण में जीवन यापन कर सकें।

चार मई तृणमूल की समाप्ति तिथि : मोदी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मथुरापुर (पश्चिम बंगाल)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि चार मई को मतगणना वाला दिन बंगाल में ''टीएमसी की 15 साल पुरानी सिंडिकेट प्रणाली और महाजंगल राज'' की ''समाप्ति'' का दिन होगा। मोदी ने दक्षिण 24 परगना जिले के मथुरापुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले काकद्वीप स्टेडियम में एक सभा को संबोधित करते हुए दावा किया कि राज्य में भारी मतदान से संकेत मिलता है कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 'भय' का शासन भाजपा द्वारा किए गए 'भरोसे' के वादे से ''निश्चित रूप से पराजित हो रहा है''। मोदी ने कहा, "बंगाल में एक भी ऐसा क्षेत्र नहीं है जहां रिश्वत के बिना काम होता हो, जहां टीएमसी के सिंडिकेट और उनके बिचौलिए कमीशन न लेते हों। 15 साल पुरानी सिंडिकेट प्रणाली और टीएमसी का 'महाजंगल राज' चार मई को समाप्त हो रहा है।'' ममता बनर्जी सरकार को ''झूठे वादे करने और लोगों को धोखा देने'' के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए प्रधानमंत्री ने राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी द्वारा किए गए ''टूटे वादों'' की एक सूची गिनाई।

झारखंड बोर्ड 10वीं का रिजल्ट जारी

पिछले साल से बेहतर प्रदर्शन

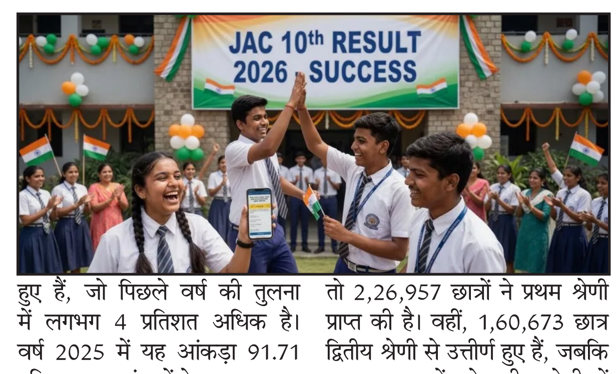

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड एकेडमिक काउंसिल ने कक्षा 10वीं (मैट्रिक) का परीक्षा परिणाम गुरुवार को जारी कर दिया। काउंसिल ने 23 अप्रैल 2026 को दोपहर करीब 2:30 बजे रिजल्ट की आधिकारिक घोषणा की। परीक्षा में शामिल छात्र अपना परिणाम jacresults.com और jacexamportal.in पर जाकर रोल नंबर और रोल कोड की मदद से देख सकते हैं। इस वर्ष मैट्रिक परीक्षा में छात्रों का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा है। कुल 95.27 प्रतिशत छात्र सफल हुए हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 4 प्रतिशत अधिक है। वर्ष 2025 में यह आंकड़ा 91.71 प्रतिशत था। आंकड़ों के अनुसार, इस बार परीक्षा के लिए कुल 4,24,001 छात्रों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें से 4,22,109 छात्र परीक्षा में शामिल हुए। इनमें से 4,02,178 छात्रों ने सफलता हासिल की है। डिवीजन के आधार पर परिणाम की बात करें तो 2,26,957 छात्रों ने प्रथम श्रेणी प्राप्त की है। वहीं, 1,60,673 छात्र द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण हुए हैं, जबकि 14,548 छात्रों को तृतीय श्रेणी में सफलता मिली है। परिणाम में सुधार को शिक्षा क्षेत्र के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, बेहतर तैयारी, मूल्यांकन प्रणाली में सुधार और छात्रों की बढ़ती जागरूकता इसके प्रमुख कारण हैं।

एनजीटी ने मांगा नदियों के किनारे बसे शहरों के सीवेज ढांचे का पूरा ब्योरा

बिहार सरकार को दिया गया चार सप्ताह का समय

बिहार की नदियों में बढ़ते प्रदूषण को लेकर महत्वपूर्ण सुनवाई

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली/पटना। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की प्रधान पीठ, नई दिल्ली में बिहार की नदियों में बढ़ते प्रदूषण को लेकर महत्वपूर्ण सुनवाई हुई। यह मामला मूल आवेदन संख्या 491/2024 से संबंधित है, जिसकी सुनवाई न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव (अध्यक्ष), डॉ. ए. सेंथिल वेल तथा डॉ. अफरोज अहमद की पीठ ने की। मामले की पृष्ठभूमि एक समाचार रिपोर्ट है, जिसमें बिहार में गंगा नदी के जल की गुणवत्ता और स्नान के लिए अनुपयुक्त स्थिति पर चिंता जताई गई थी। साथ ही सोन नदी, कोसी नदी और बागमती नदी में बढ़ते प्रदूषण का भी उल्लेख किया गया था। ट्रिब्यूनल इस मामले में राज्य में सीवेज उत्पादन, उसकी उपचार क्षमता और बिना उपचार के सीवेज के नदियों में प्रवाह की स्थिति की समीक्षा कर रहा है। सुनवाई के दौरान बिहार सरकार द्वारा दाखिल पूरक शपथपत्र में गंगा टाउन और गैर-गंगा टाउन में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की स्थिति का विवरण प्रस्तुत किया गया। इसमें बताया गया कि कुछ संयंत्र चालू हैं, कुछ परीक्षण चरण में हैं, जबकि कुछ निर्माण और योजना के स्तर पर हैं। हालांकि ट्रिब्यूनल ने पाया कि गैर-गंगा टाउन से जुड़े सीवेज ट्रीटमेंट संयंत्रों, नालों, उनकी क्षमता और अन्य तकनीकी पहलुओं की पूरी जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई है। इस पर नाराजगी जताते हुए ट्रिब्यूनल ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह गैर-गंगा टाउन के सीवेज प्रबंधन ढांचे का विस्तृत और पूर्ण ब्योरा प्रस्तुत करे। इसके लिए चार सप्ताह का समय दिया गया है। ट्रिब्यूनल ने स्पष्ट किया कि नदी प्रदूषण नियंत्रण और सीवेज प्रबंधन व्यवस्था को मजबूत बनाना बेहद जरूरी है, ताकि बिहार की प्रमुख नदियों की जल गुणवत्ता को सुरक्षित रखा जा सके।

बंगाल में 91.40% और तमिलनाडु में 84.35% मतदान

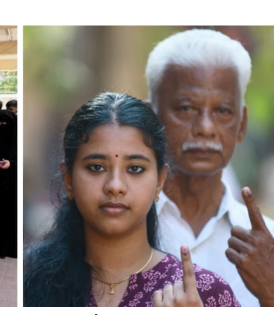

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

कोलकाता/चेन्नई। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव के लिए गुरुवार को मतदान प्रक्रिया संपन्न हो गई। दोनों राज्यों में मतदाताओं ने लोकतंत्र के इस पर्व में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। पश्चिम बंगाल में पहले चरण के तहत 152 सीटों पर 91.40% मतदान दर्ज किया गया, जबकि तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर 84.35% वोटिंग हुई। पश्चिम बंगाल में इस चरण में 1478 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला मतपेटियों में बंद हो गया। राज्य में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिल रहा है। वहीं, तमिलनाडु में डीएमके के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन और एआईएडीएमके-बीजेपी गठबंधन (एनडीए) के बीच सीधी टक्कर है। सुबह से ही दोनों राज्यों के मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की लंबी कतारें देखी गईं। खासकर महिलाओं में मतदान को लेकर विशेष उत्साह नजर आया, जिसने मतदान प्रतिशत को नई ऊंचाई तक पहुंचाया। हालांकि, पश्चिम बंगाल में मतदान के दौरान कई स्थानों से हिंसा और तनाव की खबरें भी सामने आईं। मुर्शिदाबाद में टीएमसी कार्यकर्ताओं और आम जनता उन्नयन पार्टी के संस्थापक हुमायूं कबीर के समर्थकों के बीच झड़प हुई। इसके अलावा सिलीगुड़ी में टीएमसी और बीजेपी कार्यकर्ताओं के बीच भी टकराव की घटनाएं सामने आईं। कुमारगंज में बीजेपी उम्मीदवार शुभेंदु सरकार ने आरोप लगाया कि उनके पोलिंग एजेंटों को कई बूथों से बाहर निकाल दिया गया और उन पर हमला भी किया गया। इन घटनाओं ने चुनावी प्रक्रिया पर सवाल खड़े किए हैं, हालांकि प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रित करने का दावा किया है। वहीं, तमिलनाडु में मतदान पूरी तरह शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हुआ। राज्य में कई प्रमुख राजनीतिक हस्तियों और मशहूर चेहरों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। कुल मिलाकर 'सुपर गुरुवार' के रूप में देखे जा रहे इस मतदान दिवस में जहां एक ओर रिकॉर्ड मतदान ने लोकतंत्र की मजबूती का संकेत दिया, वहीं कुछ जगहों पर हुई हिंसक घटनाओं ने चिंता भी बढ़ाई है।

एक नजर

प्रधानाध्यापक ने की आत्महत्या, सुसाइड नोट में पत्नी-बेटे का जिक्र

गया। बिहार के गया जिले के शेरघाटी थाना क्षेत्र में एक सरकारी विद्यालय के प्रधानाध्यापक द्वारा आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान बृजेश प्रथम के रूप में हुई है, जो अनुसूचित जाति-जनजाति प्राथमिक विद्यालय, गोपालपुर में प्रधानाध्यापक के पद पर कार्यरत थे। वे शेरघाटी में किराए के मकान में रहते थे। घटना स्थल से बरामद सुसाइड नोट में मृतक ने पारिवारिक कलह का जिक्र किया है। नोट के अनुसार, वे अपनी पत्नी और बेटे से मानसिक रूप से परेशान थे। पुलिस के प्रारंभिक जांच में भी यह बात सामने आई है कि वे लंबे समय से घरेलू तनाव से जूझ रहे थे, जिसके कारण उन्होंने यह कठोर कदम उठाया। बताया जाता है कि बृजेश प्रथम मूल रूप से रोहतास जिले के डालमियानगर क्षेत्र के निवासी थे। घटना के बाद परिवार में शोक का माहौल है।

शिक्षक की गोली मारकर हत्या

भोजपुर। बिहार के भोजपुर जिले में अपराधियों के बढ़ते हौसले के बीच एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। सिन्हा थाना क्षेत्र के तुलसी छपरा गांव में गुरुवार सुबह हथियारबंद बदमाशों ने एक सरकारी शिक्षक की गोली मारकर हत्या कर दी, जिससे पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। मृतक की पहचान नीरज कुमार पाल (35) के रूप में हुई है, जो कन्या विद्यालय फरहदा में शिक्षक के पद पर कार्यरत थे और तुलसी छपरा गांव के निवासी थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गुरुवार सुबह नीरज कुमार पाल घर से शौच के लिए खेत की ओर गए थे। इसी दौरान पहले से घात लगाए अपराधियों ने उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। उनके सिर और गर्दन में गोलियां मारी गईं, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही सदर एसडीपीओ-2 रंजीत कुमार सिंह और थानाध्यक्ष सुजीत कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाने के लिए एफएसएल टीम को भी बुलाया गया है, जो घटनास्थल से सबूत एकत्र कर रही है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सदर एसडीपीओ-2 रंजीत कुमार सिंह ने बताया, "शिक्षक घर से कुछ दूरी पर गए थे, तभी उन्हें 2 से 3 गोलियां मारी गईं। परिजनों द्वारा गांव के ही कुछ लोगों पर हत्या का आरोप लगाया गया है। सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है।"

दिनदहाड़े घर में घुसकर छात्रा की हत्या

बक्सर। बिहार के बक्सर जिले में कृष्णा ब्रह्म थाना क्षेत्र के अरियांव गांव में एक अज्ञात युवक ने घर में घुसकर इंटर की छात्रा की गोली मारकर हत्या कर दी। इस वारदात से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है और परिवार में मातम पसरा हुआ है। मृतका की पहचान श्वेता कुमारी (16) के रूप में हुई है, जो बबलू उपाध्याय की पुत्री थी। वह इंटरमीडिएट की पढ़ाई पूरी कर आगे की पढ़ाई के लिए नामांकन की तैयारी कर रही थी। एक होनहार छात्रा की इस तरह हत्या से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। जानकारी के अनुसार, बुधवार दोपहर घर के सभी सदस्य आराम कर रहे थे, जबकि श्वेता कुमारी घर के अंदर कपड़े धो रही थी। इसी दौरान किसी ने दरवाजा खटखटाया। श्वेता के पूछने पर बाहर से कोई जवाब नहीं मिला। जैसे ही उसने दरवाजा खोला, बाहर खड़े युवक ने अचानक उस पर फायरिंग कर दी। गोली लगते ही वह जान बचाने के लिए अंदर की ओर भागी, लेकिन हमलावर ने पीछा करते हुए उसकी पीठ में भी गोली मार दी। गंभीर रूप से घायल श्वेता कुछ ही कदम चलकर गिर पड़ी और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

देर से आने वाले कर्मियों पर कार्रवाई के निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार में सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार प्रशासनिक व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए सक्रिय नजर आ रही है। सरकारी कार्यालयों में समयपालन सुनिश्चित करने को लेकर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने सभी विभागों और जिलाधिकारियों को सख्त निर्देश जारी किए हैं।

जारी पत्र में स्पष्ट कहा गया है कि सभी सरकारी कर्मचारी और अधिकारी निर्धारित समय पर कार्यालय पहुंचें, कार्य अवधि के दौरान पूरी निष्ठा से अपने दायित्वों का निर्वहन करें और कार्यालय समय समाप्त होने के बाद ही दफ्तर छोड़ें। निर्देशों के उल्लंघन पर नियमानुसार कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। मुख्य सचिव ने पत्र में उल्लेख किया है कि सरकार समय-समय पर कार्यशैली में सुधार के लिए दिशा-निर्देश जारी करती रही है, बावजूद इसके कई मामलों में कर्मचारी देर से आने या समय से पहले कार्यालय छोड़ने की प्रवृत्ति जारी है। इतना ही नहीं, कुछ कर्मचारी कार्यालय में उपस्थित रहने के बावजूद कार्य में लापरवाही बरतते पाए गए हैं, जिसे सरकार ने गंभीर चिंता का विषय माना है।

क्या है कार्यालय समय?

सचिवालय और उससे संबद्ध कार्यालयों में पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू है, जहां कार्यालय समय सुबह 9:30 बजे से शाम 6:00 बजे तक निर्धारित है। दोपहर 1:00 से 2:00 बजे तक लंच ब्रेक रहता है। महिला कर्मियों के लिए कार्य समय सुबह 9:30 बजे से शाम 5:00 बजे तक तय है।

वहीं, क्षेत्रीय कार्यालयों में छह दिवसीय कार्य सप्ताह के तहत सुबह 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक कार्य होता है। इसमें दोपहर 1:30 से 2:00 बजे तक लंच ब्रेक निर्धारित है। सर्दियों (नवंबर से फरवरी) में कार्यालय समय सुबह 10:30 बजे से शाम 5:00 बजे तक रहता है।

बायोमेट्रिक उपस्थिति अनिवार्य

राज्य के सभी सरकारी कार्यालयों में बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली लागू है, जिसका सख्ती से पालन सुनिश्चित करने को कहा गया है। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

देरी पर वेतन कटौती का प्रावधान

सितंबर 2022 में जारी सामान्य प्रशासन विभाग की नियमावली के अनुसार, यदि कोई कर्मचारी देर से कार्यालय पहुंचता है तो उसकी छुट्टी काटी जा सकती है। अवकाश शेष नहीं रहने की स्थिति में वेतन कटौती का भी प्रावधान है। हालांकि, विशेष परिस्थितियों में संबंधित अधिकारी को छूट दी जा सकती है। सरकार के इस कड़े रुख को प्रशासनिक अनुशासन और कार्यकुशलता बढ़ाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

ट्रैफिक अव्यवस्था पर सख्ती, जाम की समस्या दूर करने की तैयारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राजधानी रांची में बढ़ते ट्रैफिक जाम, अवैध पार्किंग, अतिक्रमण और सड़क पर फैली अव्यवस्था को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपना लिया है। शहर को जाम से राहत दिलाने और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए नगर निगम, ट्रैफिक पुलिस और जिला प्रशासन ने संयुक्त रूप से दीर्घकालिक कार्ययोजना तैयार करने का निर्णय लिया है। बुधवार को नगर आयुक्त सुशांत गौरव की अध्यक्षता में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में स्पष्ट किया गया कि अब नियमों की अनदेखी करने, अवैध कब्जा जमाने और सड़क बाधित करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि समस्या के स्थायी समाधान के लिए समन्वित और प्रभावी रणनीति लागू की जाए। इसी क्रम में गुरुवार सुबह 9 बजे कचहरी चौक से किशोरी यादव चौक होते हुए रातू रोड और न्यू मार्केट क्षेत्र का संयुक्त निरीक्षण किया जाएगा। इस दौरान जाम के प्रमुख कारणों, अवैध ऑटो स्टैंड, अतिक्रमण और अन्य यातायात बाधाओं की पहचान कर मौके पर ही कार्रवाई की जाएगी।

महिला आरक्षण को लेकर गिरिडीह में उबाल, विरोध प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । महिला आरक्षण के मुद्दे पर गिरिडीह में गुरुवार को महिलाओं का गुस्सा सड़कों पर फूट पड़ा। भाजपा युवा मोर्चा और महिला मोर्चा के संयुक्त तत्वावधान में ह्वजन आक्रोश महिला पदयात्राह्व निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लेकर विरोध प्रदर्शन किया। पदयात्रा के दौरान प्रदर्शनकारियों ने कांग्रेस पर संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम को पारित नहीं होने देने का आरोप लगाया।

महिलाओं ने इसे उनके अधिकारों पर सीधा हमला बताते हुए नारेबाजी की और कांग्रेस नेता राहुल गांधी का पुतला दहन कर विरोध जताया कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष प्रो. विनीता ने कहा कि महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण नहीं मिलना देश की आधी आबादी के साथ अन्याय है। उन्होंने कहा कि इस विधेयक के लागू होने से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी और नीति-निर्धारण में उनकी भूमिका मजबूत होगी।उन्होंने कांग्रेस पर महिला विरोधी होने का आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी महिलाओं को उनके अधिकारों से वंचित रखने की राजनीति कर रही है, जबकि केंद्र सरकार महिला सशक्तिकरण की दिशा में लगातार काम कर रही है इस मौके पर प्रभारी जिला उपाध्यक्ष संगीता सेठ, संजू देवी, वार्ड पार्षद पूजा देवी, सरिता शर्मा, बबली साव, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष मिथुन चंद्रवंशी, वार्ड पार्षद समीर दीप, देवराज, सुरेश मंडल समेत बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं कार्यक्रम के दौरान 25 अप्रैल को रांची के मोराबादी मैदान में प्रदेश स्तरीय महिला प्रदर्शन आयोजित करने की घोषणा भी की गई, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं के शामिल होने की संभावना जताई गई।

हजारीबाग की बेटी प्रियांशु कुमारी ने 498 अंक लाकर किया नाम रोशन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो। इंदिरा गांधी बालिका विद्यालय, हजारीबाग की छात्रा प्रियांशु कुमारी ने 498 अंक प्राप्त कर टॉप सूची में अपना स्थान बनाकर जिले का नाम रोशन किया है। उनकी इस शानदार

उपलब्धि से परिवार, स्कूल एवं क्षेत्र में खुशी का माहौल है। प्रियांशु कुमारी के पिता एक व्यवसायी हैं, जिन्होंने अपनी बेटी की सफलता पर गर्व जताया है। स्कूल प्रबंधन एवं शिक्षकों ने भी उनकी मेहनत, अनुशासन और लगन की सराहना की है। प्रियांशु की इस सफलता ने यह साबित कर दिया है कि कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

पारसनाथ पहाड़ी क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन 64 बंडल कोडेक्स वायर बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिले के पारसनाथ पहाड़ी क्षेत्र में पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए विस्फोटक सामग्री से जुड़ी अहम बरामदगी की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिनांक 21 अप्रैल 2026 की रात्रि में पुलिस अधीक्षक, गिरिडीह डॉ. बिमल कुमार तथा सीआरपीएफ 154 बटालियन के कमांडेंट सुनील दत्त त्रिपाठी को गुप्त सूचना मिली थी कि पारसनाथ के कानीडीह, चतरो स्थित जोकाई नाला के पास उग्रवादियों द्वारा विस्फोटक सामग्री एवं हथियार छुपाकर रखे गए हैं।

यह भी जानकारी मिली थी कि हाल ही में हजारीबाग जिले में हुई मुठभेड़ में मारे गए उग्रवादियों के सहयोगी किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की तैयारी में हैं सूचना के सत्यापन और कार्रवाई के लिए पुलिस अधीक्षक और सीआरपीएफ कमांडेंट के नेतृत्व में एक संयुक्त टीम का गठन किया गया। इस टीम में अपर पुलिस अधीक्षक (अभियान) सुरजीत कुमार, डिप्टी कमांडेंट सीआरपीएफ अमित कुमार झा, खुखरा थाना प्रभारी रविन्द्र कुमार सिंह, सीआरपीएफ इंस्पेक्टर ओम प्रकाश वर्मा

सहित क्यूएटी और जिला पुलिस बल के जवान शामिल थे गठित टीम द्वारा पारसनाथ के कानीडीह-चतरो क्षेत्र के जोकाई नाला के पास सघन सर्च ऑपरेशन चलाया गया। इस दौरान मौके से 64 बंडल कोडेक्स वायर बरामद किए गए, जो संभावित रूप से विस्फोटक गतिविधियों में उपयोग किए जा सकते थे।पुलिस ने बरामद सामग्री को जब्त कर लिया है और मामले की आगे जांच जारी है। इस कार्रवाई को सुरक्षा बलों की बड़ी सफलता माना जा रहा है, जिससे संभावित विध्वंसक घटना को टाला जा सका।

संक्षिप्त समाचार

नये ड्राइविंग लाइसेंस अभ्यर्थियों को सड़क सुरक्षा का दिया संदेश, ड्राइविंग टेस्ट आयोजित

गिरिडीह (नबिटासं)। जिले में लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं को ध्यान में रखते हुए परिवहन विभाग द्वारा जागरूकता अभियान तेज कर दिया गया है। इसी कड़ी में गुरुवार को बरवाडी ग्राउंड में नये ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने आए अभ्यर्थियों के लिए ड्राइविंग टेस्ट का आयोजन किया गया जिला परिवहन पदाधिकारी संतोष कुमार के निर्देश पर मोटरयान निरीक्षक गौरी शंकर कुमार रवि के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में अभ्यर्थियों की ड्राइविंग क्षमता का परीक्षण किया गया। साथ ही उन्हें सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के पालन के प्रति जागरूक भी किया गया कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने अभ्यर्थियों को हिट एंड रन मामलों, राहवीर स्कीम एवं गुड सेमेरिटन गुड समेरिटन योजना की विस्तृत जानकारी दी। उन्हें बताया गया कि सड़क पर वाहन चलाते समय नियमों का पालन करना न केवल स्वयं की सुरक्षा के लिए जरूरी है, बल्कि अन्य लोगों की जान बचाने के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।अधिकारियों ने सभी अभ्यर्थियों से अपील की कि वे जिम्मेदार नागरिक बनते हुए ट्रैफिक नियमों का सख्ती से पालन करें और सुरक्षित ड्राइविंग को अपनी आदत में शामिल करें।

भाकपा-माले का 57वां स्थापना दिवस गिरिडीह में उत्साहपूर्वक मनाया गया

गिरिडीह (नबिटासं)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी-लेनिनवादी लिबरेशन भाकपा माले का 57वां स्थापना दिवस गिरिडीह नगर सहित मुफ्फसिल महुआटांड़ और मधुबन के हटिया मैदान में गुरुवार को जोरदार तरीके से मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन शहर के पापरवाटांड़ स्थित पार्टी कार्यालय समेत विभिन्न स्थानों पर उत्साहपूर्वक किया गया इस अवसर पर वरिष्ठ नेता पूरन महतो ने झंडोत्तोलन किया। कार्यक्रम में केंद्रीय कमेटी द्वारा जारी 22 अप्रैल 2026 के आह्वान पत्र का सामूहिक पाठ किया

गया और उसके प्रमुख बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। वर्तमान राजनीतिक और सामाजिक परिस्थितियों में पार्टी की भूमिका को लेकर भी विचार-विमर्श हुआ।कार्यक्रम की अगुवाई जिला कमिटी सदस्य राजेश सिन्हा, कन्हाई पांडेय, मसूदन कोल और अध्यक्ष किशोर राय ने की। इस दौरान सभी शहीदों की स्मृति में एक मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई वक्ताओं ने अपने संबोधन में पार्टी के संघर्षशील इतिहास, उसके सिद्धांतों और जन आंदोलनों में निभाई गई भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि स्थापना दिवस मौजूदा चुनौतियों के बीच संगठन को मजबूत करने और आम जनता के मुद्दों को लेकर संघर्ष को तेज करने का अवसर है अंत में कार्यकताओं ने संकल्प लिया कि वे पार्टी की विचारधारा और कार्यक्रमों को जन जन तक पहुंचाने के साथ-साथ सामाजिक न्याय, लोकतंत्र और समानता के लिए निरंतर संघर्ष करते रहेंगे कार्यक्रम में नौशाद, दीपक सिन्हा, तबारक, अखिलेश राज, नासिर, वारिश जनाबे अली, सलीम मजहर डीलचंद कोल, भीम कोल लखन कोल, मदन कोल, मनोज कोल, टैटू कोल, भीखारी राम, दीपक गोस्वामी सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

आह्वान साधना के साथ आरंभ हुआ महात्मा सुशील का दो दिवसीय महानिर्वाण महोत्सव

पटना (नबिटासं)। सूक्ष्म आध्यात्मिक साधना पद्धति 'इस्सयोग' के प्रवर्त्तक एवं 'अंतर्राष्ट्रीय इस्सयोग समाज के संस्थापक ब्रह्मलीन सदगुरुदेव महात्मा सुशील कुमार का दो दिवसीय 24 वाँ महानिर्वाण महोत्सव गुरुवार को पूर्वाह्न 9 बजे, कंकड़बाग स्थित 'गुरुधाम' में आह्वान की साधना के साथ आरंभ हुआ। संस्था की अध्यक्ष और ब्रह्मनिष्ठ सदुरुमाता माँ विजया जी की दिव्य उपस्थिति में संस्था के उपाध्यक्ष (मुख्यालय) बड़े भैया श्रीश्री संजय कुमार ने दीप प्रज्वलन कर महोत्सव का उद्घाटन किया। सदगुरु-गुरुमाँ की मूर्तियों पर माल्यार्पण संस्था के सचिव कुमार सहाय वर्मा तथा

छोटे भैया संदीप कुमार गुप्ता ने एवं चादर-अर्पण लक्ष्मी प्रसाद साहू और माया साहू ने किया। 10 बजे से 24 घंटे की सामूहिक अखण्ड साधना आरंभ हुई, जो शुक्रवार को संपन्न होगी। यह जानकारी देते हुए संस्था के संयुक्त सचिव डा अनिल सुलभ ने बताया कि अखण्ड साधना आरंभ होने से पूर्व संस्था की त्रैमासिक पत्रिका 'इस्सयोग संदेश' के महानिर्वाण विशेषांक का लोकार्पण संस्था के संयुक्त सचिव ई उमेश कुमार द्वारा किया गया। इसके पूर्व सदगुरुदेव और गुरुमाँ के चित्रों पर क्रमशः श्री प्रणव और सुश्री संजना ने माल्यार्पण किया। संध्या में जगत-कल्याण के लिए 'ब्रह्माण्ड-साधना की गयी। डा सुलभ ने बताया कि अगले दिन 24 अप्रैल को पूर्वाहन 10 बजे अखण्ड-साधना और संकीर्तन का समापन होगा, जिसके उपरांत हवन-यज्ञ और क्रमशः छोटे भैया श्री संदीप और बड़े भैया श्रीश्री संजय कुमार के उदबोधन होंगे। सदगुरुमाता माँ विजया जी के आशीर्वचन के पूर्व प्रतिभाशाली और निष्ठावान साधक-साधिकाओं को 'महात्मा सुशील कुमार माँ विजया प्रोत्साहन पुरस्कार' दिए जाएंगे।

जागरूकता के बावजूद नहीं थम रहीं घटनाएं, कानून को और सख्त बनाने की मांग : सुरेश शक्ति

बाल विवाह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई : 4 नाबालिग बच्चियों को सुरक्षित बचाया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिले में बाल विवाह रोकथाम को लेकर एक सराहनीय और प्रभावी पहल सामने आई है। प्रशासन और सामाजिक संगठनों की तत्परता से जमुआ थाना क्षेत्र से 2 तथा पीरटांड़ थाना क्षेत्र से 2 नाबालिग बच्चियों को बाल विवाह के प्रयास से सफलतापूर्वक बचाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बाल विवाह की सूचना जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन के सहयोगी संगठन बनवासी विकास आश्रम के कार्यक्रम समन्वयक उत्तम कुमार को मिली।

सूचना मिलते ही तत्काल एक रेस्क्यू टीम का गठन किया गया, जिसमें उज्जवल मिश्रा, उत्तम कुमार सिंह, रूपा कुमारी सहित अन्य सामुदायिक कार्यकर्ता शामिल थे संगठन ने तुरंत चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 के साथ-साथ जमुआ एवं पीरटांड़ के बाल विवाह निषेध पदाधिकारियों और संबंधित थाना प्रभारियों को लिखित सूचना दी। इसके बाद पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके पर पहुंचकर चारों बच्चियों को सुरक्षित रेस्क्यू किया रेस्क्यू की गई सभी बच्चियों को आगे की कानूनी प्रक्रिया के लिए बाल कल्याण समिति, गिरिडीह के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी यह पूरी कार्रवाई जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन, बनवासी विकास आश्रम, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 तथा स्थानीय पुलिस के संयुक्त प्रयास से संभव हो सकी। सभी संस्थाओं ने समन्वय और संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए एक गंभीर सामाजिक अपराध को समय रहते रोकने में सफलता हासिल की बनवासी विकास आश्रम के कार्यक्रम समन्वयक उत्तम कुमार ने बताया कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम पीसीएमए, 2006 के तहत नाबालिगों की शादी कराना दंडनीय अपराध है। इस कानून के तहत न केवल परिवार, बल्कि शादी में शामिल सभी लोग जैसे बाराती, पंडित मौलवी, कैटरर, डेकोरेटर और विवाह स्थल संचालन भी कार्रवाई के दायरे में आते हैं। दोषी पाए जाने पर दो वर्ष तक की सजा और जुमार्ना या दोनों का प्रावधान है उन्होंने यह भी कहा कि पहले लोगों में कानून को लेकर जागरूकता की कमी थी, लेकिन अब लगातार अभियानों के कारण स्थिति बदल रही है। आम नागरिक भी अब बाल विवाह की सूचना प्रशासन को देने लगे हैं, जिससे समय रहते कार्रवाई संभव हो पा रही है।बनवासी विकास आश्रम जिला प्रशासन, पंचायतों, स्कूलों और धार्मिक नेताओं के साथ मिलकर जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने की दिशा में लगातार प्रयास कर रहा है। संगठन देशभर में बाल अधिकारों के लिए कार्यरत 250 से अधिक संगठनों के नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन के साथ मिलकर अभियान चला रहा है।

गिरिडीह में सिलेंडर लीकेज से रसोई में लगी आग, टला हादसा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। शहरी क्षेत्र के राजपूत मोहल्ला स्थित एक आवास में गुरुवार को रसोई गैस सिलेंडर में तकनीकी खराबी के कारण अचानक आग लग गई। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया, लेकिन स्थानीय लोगों की सूझबूझ और त्वरित कार्रवाई से बड़ा हादसा टल गया मिली जानकारी के अनुसार, राजपूत मोहल्ला निवासी अभिजीत कुमार सिंह उर्फ लल्लू के मकान में रह रहे किराएदार निर्मल कुमार लाभ के रसोई घर में यह घटना हुई। बताया जाता है कि नया सिलेंडर लगाने के दौरान किसी तकनीकी कारण संभवत वॉशर में खराबी की वजह से गैस रिसाव हुआ और अचानक आग भड़क उठी आग लगते ही किराएदार द्वारा शोर मचाने पर मकान मालिक और आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और अपने स्तर से आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया। इसी बीच अग्निशमन विभाग को भी तत्काल सूचना दी गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम महज 10 मिनट के भीतर घटनास्थल पर पहुंच गई और आग पर काबू पा लिया घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, हालांकि रसोई में रखे बर्तन, मिक्सर ग्राइंडर, स्टोव समेत अन्य घरेलू सामान जलकर क्षतिग्रस्त हो गए। आग बुझाने के दौरान किराएदार के हाथ में हल्की चोट भी आई है स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बिजली विभाग ने भी एहतियातन इलाके की विद्युत आपूर्ति तुरंत बंद कर दी।

बाघाडीह पुल के अधूरे एप्रोच निर्माण को लेकर फॉरवर्ड ब्लॉक का ज्ञापन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गांडेय। गिरिडीह जामताड़ा जिले की सीमा पर स्थित गांडेय प्रखंड के अंतिम छोर पर बाघाडीह-दिघारी पुल के अधूरे एप्रोच निर्माण को लेकर स्थानीय स्तर पर नाराजगी बढ़ती जा रही है। इसी कड़ी में ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक ने संबंधित विभाग और जिला प्रशासन से निर्माण कार्य को तत्काल पूरा कराने तथा उसमें बरती गई अनियमितताओं की जांच कराने की मांग की है।

इस संबंध में गुरुवार को पूर्व जिला परिषद सदस्य एवं ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक के जिला संयोजक राजेश यादव के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने विशेष कार्य प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता संतोष कुमार मरांडी से मुलाकात कर उन्हें लिखित ज्ञापन सौंपा। साथ ही उपायुक्त के नाम भी ज्ञापन की प्रति सौंपी गई ज्ञापन में राजेश यादव ने कहा कि पुल का एप्रोच अधूरा रहने से स्थानीय ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य में अनियमितताएं भी सामने आई हैं, जिसकी निष्पक्ष जांच आवश्यक है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो स्थानीय लोगों के साथ आंदोलन किया जाएगा।मामले की गंभीरता को देखते हुए कार्यपालक अभियंता ने अधीनस्थ एसडीओ की टीम को निर्माण स्थल का निरीक्षण कर रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है। इस पहल पर राजेश यादव ने आभार जताया प्रतिनिधिमंडल में स्थानीय नेता मुर्तजा अंसारी, मनोज यादव और कन्हैया सिंह समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

पीएम सूर्यघर योजना के क्रियान्वयन पर जोर, सरकारी भवनों में लगेंगे सोलर पैनल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर उप विकास आयुक्त स्मृता कुमारी ने शुक्रवार को अपने कार्यालय में जिले के सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों बीडीओ एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की बैठक में उप विकास आयुक्त ने निर्देश दिया कि जिले के सभी सरकारी भवनों को प्राथमिकता के आधार पर योजना से जोड़ा जाए, ताकि सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा मिल सके और सरकारी खर्च में भी कमी लाई जा सके।

उन्होंने कहा कि यह पहल आम जनता के लिए प्रेरणादायक साबित होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजना की सभी प्रक्रियाएं सरल और पारदर्शी बनाई जाएं, जिससे आम लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। साथ ही पंचायत स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुए अधिक से अधिक लाभुकों को योजना से जोड़ने पर जोर दिया उप विकास आयुक्त ने बताया कि जिन पंचायतों में योजना का बेहतर क्रियान्वयन होगा, उन्हें सरकार की ओर से एक करोड़ रुपये तक की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। यह राशि पंचायतों के विकास और आधारभूत संरचना को मजबूत करने में सहायक होगी उन्होंने यह भी जानकारी दी कि ग्रामीण स्वयं ऑनलाइन पोर्टल वववव.पीएमसूर्यघर.गोव.इन के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के दौरान बैंक खाता विवरण देना अनिवार्य होगा, जिससे सब्सिडी सीधे लाभुकों के खाते में भेजी जा सके और पारदर्शिता सुनिश्चित हो।बैठक के अंत में उप विकास आयुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे समयबद्ध और जिम्मेदारी के साथ कार्य करते हुए योजना को सफल बनाएं, ताकि अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ मिल सके।

मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू की शादी की 26वीं सालगिरह पर बधाइयों का तांता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। झारखंड सरकार मंत्री सह गिरिडीह विधायक सुदिव्य कुमार सोनू और उनकी धर्मपत्नी ने अपनी वैवाहिक जीवन की 26वीं वर्षगांठ मनाई।

इस अवसर पर शहर में खुशी और उत्साह का माहौल देखने को मिला। समर्थकों, कार्यकताओं और शुभचिंतकों ने दंपति को शुभकामनाएं देते हुए उनके सुखद दांपत्य जीवन की सराहना की वर्षगांठ के मौके पर जारी बधाई संदेशों में उनके वैवाहिक जीवन के 26 वर्षों को प्रेम, विश्वास और आपसी सम्मान का प्रतीक बताया गया। लोगों ने कामना की कि उनका जीवन आगे भी इसी तरह खुशियों, समृद्धि और स्वास्थ्य से भरपूर बना रहे।इस खास अवसर पर विभिन्न सामाजिक एवं राजनीतिक संगठनों के लोगों ने भी बधाई दी और उनके लंबे, सफल वैवाहिक जीवन के लिए ईश्वर से प्रार्थना की संदेश में यह भी कहा गया कि दंपति का साथ और समझदारी समाज के लिए एक प्रेरणा है, जो पारिवारिक मूल्यों को मजबूत करने का संदेश देता है आप दोनों को शादी की 26वीं सालगिरह पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं!

माहवारी स्वच्छता पर मास्टर ट्रेनरों का प्रशिक्षण, जागरूकता बढ़ाने पर जोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग तथा यूनिसेफ की सहयोगी संस्था लीड्स के संयुक्त तत्वावधान में मिशन शक्ति के तहत ह्वबेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओह्व योजना के अंतर्गत डीआरडीए सभागार में जिला स्तरीय माहवारी स्वच्छता प्रबंधन विषय पर एक दिवसीय मास्टर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उप विकास आयुक्त स्मृता कुमारी एवं जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनीता कुजूर ने दीप प्रज्वलित कर किया इस अवसर पर उप विकास आयुक्त स्मृता कुमारी ने कहा कि माहवारी स्वच्छता को लेकर महिलाओं और किशोरियों में

जागरूकता बढ़ाना बेहद जरूरी है। समाज में फैली मिथक और भ्रांतियों को सही जानकारी और संवाद के माध्यम से दूर किया जा सकता है। उन्होंने विद्यालयों में माहवारी स्वच्छता से जुड़ी गतिविधियों को और प्रभावी बनाने तथा स्वच्छता कक्षों के नियमित उपयोग पर विशेष बल दिया। साथ ही उन्होंने प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स की भूमिका को अहम बताते हुए कहा कि वे जमीनी स्तर पर जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण कड़ी साबित होंगे जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनीता कुजूर ने अपने संबोधन में कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने माहवारी स्वच्छता प्रबंधन को संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और गरिमा के अधिकार का हिस्सा माना है।

उन्होंने बताया कि आंगनबाड़ी केंद्रों में भी ह्वमाहवारी कॉर्नरह्व के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाने की योजना है प्रशिक्षण के दौरान स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के राज्य परामर्शी द्वारा तकनीकी सत्र आयोजित किया गया, जिसमें माहवारी स्वच्छता प्रबंधन के चार प्रमुख स्तंभ जागरूकता, सेवा सुविधा, उत्पादों की उपलब्धता और सुरक्षित निपटान पर विस्तार से चर्चा हुई। समूह कार्य और प्रतिभागियों के अनुभव साझा करने से प्रशिक्षण को व्यावहारिक रूप मिला सदर अस्पताल गिरिडीह की डॉ. सर्जना शर्मा ने किशोरियों को प्रारंभिक अवस्था से ही माहवारी के प्रति जागरूक करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने संतुलित आहार, स्वच्छता और सेनेटरी नैपकिन के सुरक्षित निपटान के महत्व को रेखांकित किया तथा बताया कि स्वच्छता की अनदेखी से सर्वाइकल कैंसर सहित अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है कार्यक्रम में जिले के सभी प्रखंडों से सीडीपीओ, महिला पर्यवेक्षिकाएं एवं लीड्स संस्था के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षकों को सक्षम बनाना है, ताकि वे अपने-अपने क्षेत्रों में प्रभावी जागरूकता अभियान चलाकर समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकें।

भितिहरवा पहुंचे फिल्म अभिनेता मनोज वाजपेयी

चलाया चरखा, गांव के बच्चियों को दी नसीहत

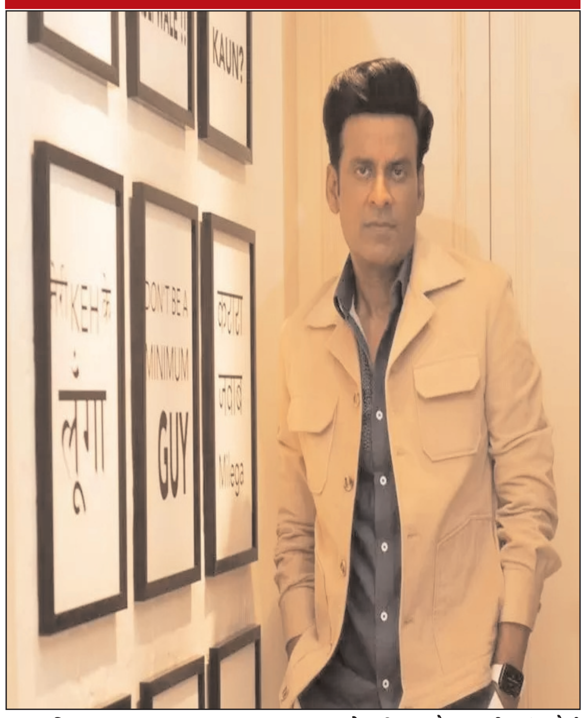

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गौनाहा (पश्चिम चंपारण) ।फिल्म अभिनेता पद्मश्री मनोज बाजपेयी इन दिनों बिहार दौरे पर हैं। वे भितिहरवा स्थित जीवन कौशल ट्रस्ट के आश्रम पहुंचे। वहां विभिन्न गांव की बच्चियों को कौशल विकास के लिए दिए जा रहे प्रशिक्षण के संबंध में जानकारी ली। आश्रम में संचालित अन्य गतिविधियों का जायजा लेने के बाद ट्रस्ट के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह ग्रामीण विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

बालिकाओं की कौशल आधारित शिक्षा से ही ग्रामीण समाज का समग्र विकास संभव है। यह प्रयास समाज के पिछड़े वर्गों के लिए सराहनीय है। इस दौरान उन्होंने चरखा चलाया।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी चरखे को आत्मनिर्भर, अहिंसा और शांति के प्रतीक मानते थे। चरखा चलाना मानसिक शांति, धैर्य और संयम विकसित करने का प्रभावी माध्यम है। आश्रम परिसर में दो वर्ष पूर्व उनके द्वारा लगाए रुद्राक्ष पौधे का विकास देखकर काफी प्रसन्न हुए। उन्होंने कहा कि सिर्फ पौधे लगाने की नहीं, उनके संरक्षण की भी आवश्यकता है। बेहतर संरक्षण का ही परिणाम है कि दो वर्ष में रुद्राक्ष का पौधा इतना बड़ा हो गया है। इससे पूर्व अभिनेता ने डीएम तरनजोत सिंह और एसपी डॉ. शौर्य सुमन से मुलाकात कर चंपारण की सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण और नई पीढ़ी को उससे जोड़ने के मुद्दे पर विशेष चर्चा की।

साथ ही ट्रस्ट की गतिविधियों और उनके प्रभाव पर भी बातचीत की।उनके साथ ट्रस्ट के अध्यक्ष शैलेंद्र प्रताप सिंह, सचिव प्रो. ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष राकेश राव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

यात्रा क्रम में वे कस्तूरबा कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय भितिहरवा भी पहुंचे, जहां उनके माता-पिता की स्मृति में स्थापित गीता-राधाकांत बाजपेयी स्मृति पुस्तकालय का निरीक्षण किया।

यहां छात्राओं के लिए उपलब्ध कराई गई पुस्तकों व संसाधनों की जानकारी ली।छात्राओं से भी बातचीत की। उनकी शिक्षा को लेकर स्कूल में संचालित व्यवस्था के बारे में जाना।

विद्यालय के प्राचार्य सुधीष्ट कुमार ने उन्हें विद्यालय की गतिविधियों से अवगत कराया। अभिनेता ने कहा कि गांवों में इस तरह के प्रयास बदलाव की दिशा में अहम भूमिका निभा रहे हैं और महात्मा गांधी व कस्तूरबा गांधी के विचारों को गांव स्तर पर आगे बढ़ाना बेहद जरूरी है।

मवेशियों से लदे पिकअप ने दो युवकों को रौंदा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गढ़वा। एनएच-39 गढ़वा-मुड़ीसेमर मार्ग पर गढ़वा थाना क्षेत्र के खजुरी गांव के पास बुधवार की रात करीब दो बजे हुए भीषण सड़क हादसे में बुलेट मोटरसाइकिल पर सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई।

दुर्घटना मवेशियों से लदे एक पिकअप वाहन और बुलेट मोटरसाइकिल की आमने-सामने टक्कर में हुई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों युवक मोटरसाइकिल से उछलकर दूर जा गिरे और मोटरसाइकिल पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

मृतकों की पहचान रमना थाना क्षेत्र के हरादाग गांव निवासी शुकुल राम के पुत्र विशाल कुमार (18 वर्ष) तथा मेराल थाना क्षेत्र के छवनवां टोला निवासी उदय कांत राम के पुत्र मनीष कुमार (25 वर्ष) के रूप में की गई है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि दोनों युवक मेराल में अपने रिश्तेदार के तिलक समारोह में शामिल होने आए थे। तिलक समारोह समाप्त होने के बाद

दोनों एक रिश्तेदार को गढ़वा रेलवे स्टेशन छोड़कर मोटरसाइकिल से वापस मेराल लौट रहे थे।

इसी दौरान खजुरी गांव के पास मवेशियों से लदे पिकअप वाहन से उनकी मोटरसाइकिल की जोरदार टक्कर हो गई, जिससे दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना

पुलिस कर रही छानबीन

मिलते ही गढ़वा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।

इस दर्दनाक हादसे से दोनों परिवारों में मातम पसरा हुआ है। बताया जाता है कि मनीष कुमार की शादी अगले महीने 19 मई को तय थी और घर में शादी की तैयारियां चल रही थीं। लेकिन अचानक हुए हादसे ने खुशियों को मातम में बदल दिया। वहीं विशाल कुमार अपने परिवार का इकलौता बेटा था, जिससे स्वजन का रो-रोकर बुरा हाल है।

स्थानीय लोगों में गुस्सा देखा गया, उनका कहना था कि आए दिन हादसे के बाद भी स्पीड पर कोई रोक नहीं है। कुछ ग्रामीण खुलेआम मवेशी तस्करी का आरोप भी लगा रहे थे। आज के हादसे की वजह भी इसको ही बता रहे थे।

ऋण वसूली के लिए गये कर्मियों पर हथियार से हमला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

साहिबगंज। रांगा थाना क्षेत्र के केंदुआ (बिशनपुर) में बुधवार को ऋण वसूली के लिए पहुंचे माइक्रो फाइनेंस कर्मियों पर हमला हो गया।

घटना में सेव माइक्रो फाइनेंस के शाखा प्रबंधक मो. गुलफराज गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए बरहड़वा सीएचसी में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, कर्मी कर्जदार वीणा देवी के घर बकाया राशि की वसूली के लिए पहुंचे थे। उनके साथ एरिया मैनेजर समरेश सिंह और ऑडिटर विश्वजीत भी मौजूद थे। इस दौरान वीणा देवी के बेटे श्रीनाथ रजक ने कर्मियों के साथ अभद्र व्यवहार किया।

बताया जाता है कि कर्मियों द्वारा बार-बार घर पर आने और परेशान करने से वीणा देवी का पुत्र नाराज था। वह गुस्से में घर के अंदर गया

कर्मियों ने भाग कर बचायी अपनी जान

और धारदार हथियार लेकर बाहर आ गया। इसके बाद उसने हमला कर दिया, जिससे गुलफराज घायल हो गए। अन्य कर्मी किसी तरह वहां से भागकर अपनी जान बचाने में सफल रहे।

घायल गुलफराज ने बताया कि वीणा देवी ने कंपनी से 50 हजार रुपये का ऋण लिया था, जिसमें से 24 हजार रुपये अभी बकाया हैं। काफी समय से किस्त जमा नहीं की जा रही थी।

घटना की सूचना रांगा थाना पुलिस को दे दी गई है। थाना प्रभारी अखिलेश कुमार यादव ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। घटना के बाद क्षेत्र में फाइनेंस कर्मियों में दहशत का माहौल है।

शिक्षक की गोली मारकर हत्या

आरा। भोजपुर जिले के सिन्हा थाना क्षेत्र के तुलसी छपरा गांव में गुरुवार की अहले सुबह हथियारबंद बदमाशों ने एक सरकारी स्कूल के शिक्षक की गोली मारकर हत्या कर दी और फरार हो गए।

मृतक की पहचान तुलसी छपरा गांव निवासी विश्वनाथ पाल के 35 वर्षीय पुत्र नीरज कुमार पाल के रूप में हुई है। वे कन्या विद्यालय फरहदा में कार्यरत थे।

मृतक के गर्दन से लेकर सिर तक दो जगहों पर गोली लगने के निशान पाए गए हैं। घटना सुबह करीब चार बजे की बताई जा रही है।

वारदात के बाद एसडीपीओ-2 रंजीत सिंह और थानाध्यक्ष सुजीत कुमार घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गए हैं।

वैज्ञानिक जांच के लिए एफएसएल टीम भी मौके पर पहुंची है। हत्या के कारणों और इसमें शामिल अपराधियों का पता लगाया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, शिक्षक नीरज पाल गुरुवार की सुबह घर से शौच के लिए खेत की ओर गए थे। इसी दौरान घात लगाए बदमाशों ने उन्हें गोली मार दी और फरार हो गए।

चक्रधरपुर रेलवे अस्पताल में पहली बार हुई एंडोस्कोपी टिम्पेनोप्लास्टी सर्जरी, लोगों में हर्ष

मरीज को मिला नया जीवन, जताया आभार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चक्रधरपुर। दक्षिण पूर्व रेलवे के अंतर्गत चक्रधरपुर रेलवे अस्पताल ने चिकित्सा के क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। अस्पताल के अत्याधुनिक मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर में पहली बार एंडोस्कोपी टिम्पेनोप्लास्टी सर्जरी सफलतापूर्वक संपन्न की गई।

यह ऑपरेशन बंडामुंडा निवासी एक महिला मरीज के कान के परदे के छेद को ठीक करने के लिए किया गया। मिली जानकारी के अनुसार, बंडामुंडा की रहने वाली महिला मरीज लंबे समय से कान की गंभीर समस्याओं से जूझ रही थी।

उनके कान के परदे में छेद होने के कारण उन्हें लगातार चक्कर आना, कान से पानी बहना और सुनाई कम देने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। ईएनटी स्पेशलिस्ट डॉ. रीति ईशा ने मरीज की जांच के बाद सर्जरी का निर्णय लिया।

इस विशेष ऑपरेशन के लिए सेंट्रल अस्पताल, गार्डेनरीच (कोलकाता) के ईएनटी चीफ डॉ. केपी वर्मा विशेष रूप से चक्रधरपुर पहुंचे। डॉ. वर्मा और डॉ. रीति ईशा की संयुक्त टीम ने सफलतापूर्वक इस एंडोस्कोपी टिम्पेनोप्लास्टी को अंजाम दिया।

अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एसके मिश्रा ने बताया कि इस प्रकार की आधुनिक सर्जरी की सुविधा स्थानीय स्तर पर मिलना अत्यंत कठिन है। निजी अस्पतालों में इसका खर्च बहुत अधिक होता है, लेकिन चक्रधरपुर रेलवे

अस्पताल में अब यह सुविधा उपलब्ध है।

डॉ. मिश्रा ने घोषणा की कि आयुष्मान भारत योजना के तहत आने वाले आम नागरिक भी अब इस अस्पताल में ईएनटी से संबंधित बीमारियों का मुफ्त या किफायती इलाज करा सकेंगे।

उटर डॉ. एसके मिश्रा ने सफल ऑपरेशन पर पूरी मेडिकल टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल रेल कर्मचारियों तक सीमित नहीं है, बल्कि हम पश्चिम सिंहभूम के हर नागरिक को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

आयुष्मान योजना के माध्यम से हजारों गरीबों का मुफ्त इलाज कर यह अस्पताल पहले ही देश में अग्रणी स्थान बना चुका है। उन्होंने यह भी साझा किया कि अस्पताल की सेवाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। आगामी दिनों में यहां एक ब्लड बैंक की शुरूआत भी की जाएगी, जिससे गंभीर मरीजों को रक्त के लिए अन्य शहरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। वर्तमान में मरीज चिकित्सकों की देखरेख में है और उन्होंने अपनी तकलीफ दूर होने पर अस्पताल प्रबंधन का आभार व्यक्त किया है।

42 डिग्री की तपिश में भी पानी के लिए तरस रहे कई वार्डों के लोग

भूजल स्तर में तेज गिरावट से बढ़ी चिंता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। इस समय भीषण गर्मी के साथ गंभीर जल संकट से जूझ रही है। शहर में तापमान लगातार 42 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है, जिससे जल स्रोत तेजी से सूखते जा रहे हैं। उमस भरी गर्मी और गिरते जल स्तर के कारण कई इलाकों में पेयजल की समस्या दिन-ब-दिन गंभीर होती जा रही है।

नगर निगम द्वारा कई वार्डों में पानी के टैंकर भेजे जा रहे हैं, लेकिन यह व्यवस्था लोगों की जरूरतों को पूरा करने में नाकाफी साबित हो रही है। नल से जल योजना भी कई क्षेत्रों में अपेक्षित परिणाम नहीं दे पा रही है। फरवरी में जहां करीब 10 वार्डों में पानी की कमी महसूस की जा रही थी, वहीं अब यह समस्या बढ़कर 18 वार्डों तक पहुंच चुकी है।

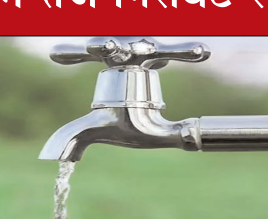

वार्ड संख्या 9, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 34, 35, 37, 38, 39, 49, 52, 53 और 55 जैसे क्षेत्रों में पाइपलाइन का काम अधूरा है या जलापूर्ति अभी तक शुरू नहीं हो सकी है। जल संकट के चलते मार्च के अंत तक जहां लगभग 60 टैंकरों से पानी सप्लाई किया जा रहा था, वहीं अब इनकी संख्या बढ़ाकर करीब 120 कर दी गई है। इसके बावजूद लोगों को पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है।

विशेषज्ञों के अनुसार अत्यधिक भूजल दोहन के कारण शहर में जल स्तर 10 से 25 मीटर तक नीचे चला गया है। इसका असर कांके रोड, हरमू, लालपुर, चुटिया, डोरंडा, अरगोड़ा और हिंदपीढ़ी जैसे प्रमुख इलाकों में सबसे ज्यादा देखा जा रहा है, जहां लोगों को रोजमर्रा की जरूरतों के लिए भी पानी जुटाने में कठिनाई हो रही है।

नगर निगम के मुताबिक शहर में प्रतिदिन करीब 311 मिलियन लीटर पानी की आपूर्ति की जा रही है, लेकिन बढ़ती आबादी और सीमित संसाधनों के कारण स्थिति नियंत्रण में नहीं आ पा रही है। प्रशासन ने टैंकरों की संख्या बढ़ाकर राहत देने की कोशिश की है, फिर भी जमीनी स्तर पर जल संकट लोगों के लिए बड़ी परेशानी बना हुआ है।

शिविर लगाकर आधार अपडेट करने का निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिला में दो लाख से अधिक लोगों का आधार कार्ड अपडेट नहीं है । इसको देखते हुए डीसी मनीष कुमार ने निर्देश दिया कि प्रखंडों में विशेष शिविर लगाकर स्कूली बच्चे और आम लोगों का आधार कार्ड बनाया जाएगा।

इसको लेकर मंगलवार को मोबाइल टावर अधिष्ठापन, आधार कार्ड निर्गमन, जिला ई गवर्नेंस एवं प्रज्ञा केंद्र संचालन से संबंधित समेकित बैठक उपायुक्त मनीष कुमार एवं पुलिस अधीक्षक अमित रेणु की संयुक्त अध्यक्षता में हुई।

बैठक में डीसी ने कहा कि जिले में चरणबद्ध तरीके से शिविर का आयोजन कर शत-प्रतिशत नागरिकों को आधार कार्ड से जोड़ा जाए। इसके लिए जिले में उपलब्ध सभी आधार किट क्रियाशील रहे।

प्रखंडवार निर्धारित स्थल पर तीन दिवसीय आधार शिविर लगाते हुए उस क्षेत्र के सभी बाल आधार और छात्र-छात्राओं का आधार निर्गमन किया जा सके।

बैठक में प्रज्ञा केंद्र के माध्यम से प्रदत्त सेवाओं को लेकर कहा कि कोई भी प्रज्ञा केंद्र संचालक किसी भी तरह के अवैध प्रमाण पत्र निर्गमन का कार्य नहीं करेंगे। इसके अलावा सभी अंचल अधिकारी अपने क्षेत्र अंतर्गत संचालित प्रज्ञा केंद्र का क्रमबद्ध जांच करेंगे।

बैठक में उपायुक्त के द्वारा वीएलई के माध्यम से उनके क्षेत्र के नजदीकी विद्यालय में कंप्यूटर साक्षरता को बढ़ावा देने तथा साइबर फ्राड, डिजिटल अरेस्ट जैसे धोखाधड़ी से बचाव के लिए जागरूकता शिविर का आयोजन कराने के संदर्भ में वृहद कार्य योजना तैयार करने का निर्देश दिया गया।

इसके अलावा जिले के सभी क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क की व्यापकता हो, इसके लिए सभी को सर्वश्रेष्ठ योगदान देना है। जिले में मौजूद शैडो एरिया को भी मोबाइल कनेक्टिविटी से जोड़ना है।

इनामी अभियुक्त धराया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। पटना एसटीएफ टीम के सहयोग से भोजपुर पुलिस ने सिरियल हत्याओं में वांछित दो लाख रुपये के इनामी सलीम मियां उर्फ मुन्ना मियां को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। उसकी गिरफ्तारी कायमनगर-धरहरा पुल के समीप से की गई। गिरफ्तार हिस्ट्रशीटर टाउन थाना क्षेत्र के धरहरा मोहल्ला का निवासी है और करीब चार वर्षों से पुलिस को उसकी तलाश थी। एसपी राज ने गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि सलीम मियां दो हत्या, एक रंगदारी समेत कुल सात मामलों में फरार चल रहा था। वर्ष 2023 में उसके आपराधिक इतिहास को देखते हुए उस पर दो लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था। पटना एसटीएफ की टीम लगातार उसका पीछा कर रही थी।

इसी क्रम में कोईलवर व टाउन थाना पुलिस ने घेराबंदी कर उसे धरहरा के समीप से दबोच लिया।

पुलिस के अनुसार, दो जून 2022 को आरा टाउन थाना क्षेत्र के जेल रोड स्थित एक इलेक्ट्रॉनिक्स दुकान के मालिक सलील प्रसून जैन की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

महागामा को जिला बनाने की कवायद तेज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गोड्डा। महागामा को जिला बनाने की मांग एक बार फिर जोर पकड़ने लगी है। सात वर्ष पूर्व अनुमंडल का दर्जा मिलने के बाद स्थानीय लोगों को प्रशासनिक सुविधाओं में राहत मिली, वहीं अब इसे जिला बनाने की कवायद तेज होती दिख रही है।

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री सह महागामा विधायक दीपिका पांडेय सिंह ने कहा है कि महागामा को जिला घोषित करवाना उनकी प्राथमिकताओं में सबसे ऊपर है। गौरतलब है कि अनुमंडल बनने से पहले महागामा प्रखंड के लोगों को छोटे-बड़े सरकारी कार्यों, कोर्ट-कचहरी या पुलिस से जुड़े मामलों के लिए गोड्डा जिला मुख्यालय तक करीब 65 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती थी।

खासकर सीमावर्ती प्रखंड ठाकुरगंगटी के लोगों को काफी परेशानी झेलनी पड़ती थी।लेकिन अनुमंडल बनने के बाद अधिकांश सुविधाएं स्थानीय स्तर पर मिलने लगीं, जिससे समय और खर्च दोनों की बचत हुई। चुनाव के दौरान मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने चुनावी सभाओं में महागामा को जिला बनाने का वादा किया था।

पूर्व रेलवे

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, आसनसोल स्टेशन रोड, पिन-713301 द्वारा आसनसोल मंडल के तहत प्रीमियम ब्रांड कैटरिंग आउटलेट (पीबीसीओ), मल्टी पर्पज स्टॉलों (एमपीएस), ब्रांडेड आईसक्रीम पार्लर (एसटीजीईएन) तथा वाटर वेंडिंग मशीनों (डब्ल्यूवीएम) के प्रावधान के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के तहत आईआरईपीएस पोर्टल के जरिए निम्नानुसार खुली ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है : **(क) नीलामी सूचीपत्र सं.: एएसएन-पीबीसीओ-26-4, सिक्वेंस सं., लॉट सं./श्रेणी, कार्य का विवरण, ई-नीलामी की तारीख/समय** निम्नानुसार हैं: **(एए/1),** एमएसएस-एएसएन-पीएएन-पीएस-152-26-1, पानागढ़ (श्रेणी "बी") रेलवे स्टेशन में सर्कुलेटिंग एरिया के दक्षिण की ओर स्थित 400 वर्ग फीट परिमाप के निर्धारित क्षेत्र (जैसा कि योजना के नक्शे में उल्लेख किया गया है) के भीतर प्रीमियम ब्रांड कैटरिंग आउटलेट का 5 वर्षों के लिए संचालन एवं रखरखाव, 06.05.2026 को 12.00 बजे। **(एए/2),** एमएसएस-एएसएन-जेएसएमई-पीएस-154-26-1, जसीडीह (श्रेणी "ए") रेलवे स्टेशन में एमएफसी बिल्डिंग के सामने पुराने सर्कुलेटिंग एरिया में स्थित 600 वर्ग फीट परिमाप के निर्धारित क्षेत्र (जैसा कि योजना के नक्शे में उल्लेख किया गया है) के भीतर प्रीमियम ब्रांड कैटरिंग आउटलेट का 5 वर्षों के लिए प्रावाधन, 06.05.2026 को 12.00 बजे। **(एए/3),** एमएसएस-एएसएन-डीजीआर-पीएस-151-26-1, दुर्गापुर (श्रेणी "ए") रेलवे स्टेशन में मुख्य स्टेशन बिल्डिंग के पास वर्तमान पीआरएस बिल्डिंग में स्थित 500 वर्ग फीट परिमाप के निर्धारित क्षेत्र (जैसा कि योजना के नक्शे में उल्लेख किया गया है) के भीतर प्रीमियम ब्रांड कैटरिंग आउटलेट का 5 वर्षों के लिए संचालन एवं रखरखाव, 06.05.2026 को 12.00 बजे। **(2) नीलामी सूचीपत्र सं.: एएसएन-एमपीएस-26-4, सिक्वेंस सं., लॉट सं./श्रेणी, कार्य का विवरण, ई-नीलामी की तारीख/समय** निम्नानुसार हैं: **(एए/1),** एमपीएस-एएसएन-आरएनजी-एमपीएस-24-25-1, रानीगंज रेलवे स्टेशन में निकासी द्वार के साथ संलग्न उत्तर की ओर सर्कुलेटिंग एरिया के पास 5 वर्षों की अवधि के लिए मल्टीपर्पज स्टॉल (एमपीएस) (6 फीट x 10 फीट) का आवंटन, 06.05.2026 को 14.00 बजे। **(एए/2),** एमपीएस-एएसएन-जेएसएमई-एमपीएस-26-25-1, जसीडीह रेलवे स्टेशन में पीएफ सं. 4 पर एमईएमयू कार्यालय/वॉल्व मैन रूम के पास 5 वर्षों की अवधि के लिए मल्टीपर्पज स्टॉल (एमपीएस) (6 फीट x 10 फीट) का आवंटन, अनारक्षित वर्ग हेतु चिन्हित (सभी के लिए खुला), 06.05.2026 को 14.00 बजे। **(3) नीलामी सूचीपत्र सं.: एएसएन-एमएसएस-एसटीजीईएन-7, सिक्वेंस सं., लॉट सं./श्रेणी, कार्य का विवरण, ई-नीलामी की तारीख/समय** निम्नानुसार हैं: **(एए/1),** एमएसएस-एएसएन-जेएसएमई-एसटीजीईएन-147-26-1, जसीडीह स्टेशन के नए सर्कुलेटिंग एरिया में स्थित 60 वर्ग फीट परिमाप के निर्धारित क्षेत्र (जैसा कि योजना के नक्शे में उल्लेख किया गया है) के भीतर ब्रांडेड आईसक्रीम पार्लर का 5 वर्षों के लिए संचालन एवं रखरखाव, 07.05.2026 को 12.00 बजे। **(एए/2),** एमएसएस-एएसएन-डीजीआर-एसटीजीईएन-141-26-1, दुर्गापुर स्टेशन में हेरीटेज रेल इंजन के पास दक्षिण की ओर सर्कुलेटिंग एरिया में स्थित 60 वर्ग फीट परिमाप के निर्धारित क्षेत्र (जैसा कि योजना के नक्शे में उल्लेख किया गया है) के भीतर ब्रांडेड आईसक्रीम पार्लर का संचालन एवं रखरखाव, 07.05.2026 को 12.00 बजे। **(4) नीलामी सूचीपत्र सं.: एएसएन-डब्ल्यूवीएम-26-2, सिक्वेंस सं., लॉट सं./श्रेणी, विवरण, ई-नीलामी बंद होने की तारीख/समय** निम्नानुसार हैं: **(एए/1),** एमएसएस-एएसएन-यूडीएल-डब्ल्यूवीएम-25-25-1, अंडाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म सं. 1-2 पर ओएचई मैस्ट सं. 186/36 एवं 187/1 के बीच एकल आधार पर 5 वर्षों की अवधि के लिए वाटर वेंडिंग मशीन की स्थापना एवं संचालन के लिए लाइसेंस प्रदान करना, 09.05.2026 को 12.00 बजे।

(ASN-36/2026-27) वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, आसनसोल

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

प्रेमिका को मारी गोली, प्रेमी ने की आत्महत्या

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। हाजीपुर के भगवानपुर थाना क्षेत्र में वारदात हुई। इमादपुर गांव में गुरुवार शाम सनसनी फैल गई। एक युवक ने युवती को गोली मार दी। इसके बाद खुद को भी गोली मार ली। घटना से पूरे गांव में हड़कंप मच गया। लोगों की भारी भीड़ मौके पर जुट गई।

घायल युवती को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। सदर अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। डॉक्टरों ने उसे खतरे से बाहर बताया है।

गोली पीठ और हाथ को छूते हुए निकली। परिवार के लोग बेहद चिंतित हैं। इलाज जारी है और निगरानी रखी जा रही है।

ग्रामीणों के अनुसार दोनों के बीच प्रेम संबंध था। युवती की शादी तय हो चुकी थी। एक महीने बाद उसकी शादी होने वाली थी।

इसी बात से युवक नाराज बताया जा रहा है। गुस्से में आकर उसने वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद इलाके में चर्चा तेज है।

युवक ने युवती के घर के बाहर गोली चलाई। फिर मौके से कुछ दूरी पर भाग गया। हरिनाथ शर्मा के बागान में जाकर खुद को गोली मारी।

घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। लोगों में दहशत और अफरातफरी का माहौल रहा। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

लड़की के पिता ने अलग आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि युवक लूटपाट की नीयत से आया था। घर में शादी के लिए चार लाख रुपए रखे थे।

गोली चलाने के बाद युवक फरार हो गया। पिता का दावा है कि वह अपराधी प्रवृत्ति का था। बताया गया कि युवक पहले जेल भी जा चुका है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस पहुंची। एफएसएल टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए। एसपी विक्रम सिहाग ने जांच की पुष्टि की।

सोशल मीडिया के माध्यम से धार्मिक भावना को ठेस पहुंचाने वाला धराया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देवघर। जिले के पाथरोल थाना क्षेत्र में सोशल मीडिया पर हिंदू देवी-देवताओं के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने और गाली-गलौज करने वाले एक युवक के खिलाफ पुलिस ने कड़ी कार्रवाई की है।

घटना के संबंध में बताया जाता है कि सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें युवक देवी-देवताओं के लिए अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल कर रहा था।

इस वीडियो से लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई और इलाके में रोष व्याप्त हो गया। वीडियो वायरल होने के बाद, मधुपुर निवासी सागर कुमार जयसवाल, सपहा निवासी कार्तिक कुमार, डंगाल पाड़ा निवासी सुदामा यादव ने पाथरोल थाना में आवेदन देकर घटना से पुलिस को अवगत कराया और कार्रवाई की मांग की।

इन लोगों ने पुलिस को बताया पाथरोल हिन्दु नव युवकों ने एक दिन पूर्व 22 अप्रैल को सोशल मीडिया में देखा कि पाथरोल थाना क्षेत्र के खमरवाद निवासी कुंदन यादव, सोनू यादव, मोनू यादव फुआ के बहकावें में आकर हिंदू देवी-देवता और मां बहनों पर अपशब्द भाषा का प्रयोग किया।

इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। जिसके कारण हिन्दुओं की आस्था से खिलवाड़ और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाई गई।

शिकायत पर पुलिस ने त्वरित संज्ञान लेते हुए मामले में जांच शुरू की और आरोपी युवक कुंदन यादव के खिलाफ कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया है ।

वहीं, आरोपी युवक अपने को निर्दोष कह रहा है। बताया जाता है कि इस तरह के मामलों में पुलिस आमतौर पर सोशल मीडिया पर भड़काऊ और आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट करने के लिए प्राथमिकी दर्ज करती है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दिलीप कुमार विलुंग ने बताया कि हिन्दू संगठन के द्वारा थाना में दिए गए आवेदन पर कारवाई की गई। आरोपित युवक को गिरफ्तार कर लिया गया है।

पूर्व रेलवे

खुली निविदा सूचना सं. 06-एसडीएसटीई-एएसएन-2026-27, दिनांक 22.04.26; वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, पूर्व रेलवे, आसनसोल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **कार्य का नाम/स्थान:** आसनसोल मंडल - नीचे उल्लेखित कार्य के लिए दूरसंचार संबधित कार्य (i) आसनसोल मंडल के तहत मोहनपुर-हंसडीहा अनुभाग के बीच सर्वाधाम में नया हॉल्ट स्टेशन, (ii) आसनसोल मंडल के तहत देवघर-मोहनपुर-हंसडीहा अनुभाग के बीच त्रिकुट पर्वत में नया हॉल्ट स्टेशन, (iii) एमडीपी-जीआरडी अनुभाग में कृष्णा बल्लभ सहाय हॉल्ट स्टेशन तथा महेशमुंडा स्टेशन के बीच सिजुआ में नया हॉल्ट स्टेशन, (iv) आसनसोल मंडल के तहत देवघर-मोहनपुर अनुभाग के बीच महेशमारा में नया हॉल्ट स्टेशन। **निविदा मूल्य :** रु. 72,40,425.45; **बयाना राशि :** रु. 1,44,800; **कार्य समापन अवधि :** एलओए के जारी किए जाने की तारीख से 18 महीने। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय :** 14.05.2026 को 14.00 बजे। **वेबसाइट का विवरण: http://www. ireps.gov.in/**

(ASN-35/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

स्वतंत्रता सेनानी बाबू वीर कुंवर सिंह का मनाया गया विजयोत्सव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
औरंगाबाद। देव बागिचा रिसोर्ट में वीर कुंवर सिह सेव संस्थान के द्वारा गुरुवार को स्वतंत्रता संग्राम के महानायक वावू वीर कुंवर सिह विजयोत्सव समारोह आयोजित किया गया। समारोह की अध्यक्षता विनोद सिह ने किया।

मुख्य अतिथि विधान पार्षद दिलीप सिह, समाजसेवी प्रवीण कुमार सिह, रामकेवल सिह, बेड़नी पंचायत के मुखिया मनोज सिह, बुद्धजीवी चेतना मंच के संरक्षण श्यामता प्रसाद यादव, राजेंद्र प्रसाद गुप्ता, नगर पंचायत अध्यक्ष पिंटू शाहिल, सुनील सिह मंचासीन रहे। सैकड़ों गणमान्य नागरिक समारोह में शामिल हुए। समारोह में वक्ताओं के द्वारा महानायक वीर कुंवर सिह की प्रतिमा स्थापित करने मांग उठाई गई और उनकी पद चिन्हों पर चलने की संकल्प ली गई। श्यामता प्रसाद यादव ने कहा कि वावू वीर कुंवर सिह राष्ट्रभक्त एवं सांप्रदायिकता सौहार्द के प्रतिक थे। हम सब को उनकी पद चिन्हों पर चलने की समय की मांग है।

सेवा संस्थान के द्वारा सभी मंचासीन को पुष्प हार एवं अंग वस्त्र से सम्मानित किया गया। सभी उपस्थित लोगों ने स्वतंत्रता संग्राम के महानायक वावू वीर कुंवर सिह के तैल चित्र पर माल्यार्पण पुष्प से श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। समारोह का संचालन मनोज परमार ने किया।

धूमधाम से मनाया गया बाबू वीर कुंवर सिंह विजयोत्सव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
औरंगाबाद। देव बागिचा रिसोर्ट में वीर कुंवर सिंह सेव संस्थान के द्वारा गुरुवार को स्वतंत्रता संग्रामके महानायक वावू वीर कुंवर सिंह विजयोत्सव समारोह आयोजित किया गया। समारोह की संचालन मनोज परमार अध्यक्षता विनोद सिंह मुख्य अतिथि विधान पार्षद दीलिप सिंह समाजसेवी प्रवीण कुमार सिंह राम केवल सिंह बेड़नी पंचायत के मुखिया मनोज सिंह बुद्धजीवी चेतना मंच के संरक्षण श्यामता प्रसाद यादव राजेंद्र प्रसाद गुप्ता नगर पंचायत अध्यक्ष पीन्टु शाहिल सुनील सिंह मंचासीन थे। सैकड़ों गणमान्य नागरिक समारोह में शामिल हुए। समारोह में वक्ताओं के द्वारा महानायक वीर कुंवर सिंह जी की प्रतिमा स्थापित करने मांग उठाई गई। और उनकी पद चिन्हों पर चलने की संकल्प ली गई।श्यामता प्रसाद यादव ने कहा कि वावू वीर कुंवर सिंह जी राष्ट्रभक्त एवं सांप्रदायिकता सौहार्द के प्रतिक थे हम सब को उनकी पद चिन्हों पर चलने की समय की मांग है।सेवा संस्थान के द्वारा सभी मंचासीन को पुष्प हार एवं अंग वस्त्र से सम्मानित किया गया।सभी उपस्थित लोगों ने स्वतंत्रता संग्रामके महानायक वावू वीर कुंवर सिंह जी के तैल चित्र पर माल्यार्पण पुष्प से श्रद्धांजलि अर्पित किया गया।

बाबू वीर कुंवर सिंह के 169 वें विजयोत्सव पर गोष्ठी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
गयाजी। बाबु वीर कुंवर सिंह के 169 वीं विजयोत्सव के पूर्व संध्या पर गयाजी के स्थानीय चौक स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी प्रतिमा स्थल प्रांगण में अस्सी वर्षों के हड्डी में जागा जोश पुराना था, सब कहते है बाबु वीर कुंवर सिंह बड़ा वीर मर्दाना था विषय पर गोष्ठी का आयोजन किया गया।

सर्वप्रथम बाबु वीर कुंवर सिंह की चित्र पर माल्यार्पण के पश्चात उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला गया।

गोष्ठी को संबोधित करते हुए बिहार प्रदेश कॉग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रतिनिधि सह प्रवक्ता विजय कुमार मिट्ठू, पूर्व विधायक मोहम्मद खान अली, जिला उपाध्यक्ष दामोदर गोस्वामी, इंटक जिला महासचिव टिंकू गिरी, विपिन बिहारी सिन्हा, विशाल कुमार, मुन्ना मांझी, प्रद्युम्न दुबे, रूपेश चौधरी, अशोक राम आदि ने कहा कि 1857 के प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान योद्धा बाबु वीर कुंवर सिंह 80 वर्ष की आयु में बिहार के भोजपुर जिला अंतर्गत जगदीशपुर से अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह का नेतृत्व किया था।

उन्होंने बताया कि युद्ध के दौरान, गंगा नदी पार करते समय ब्रिटिश सेना की गोली से उनका बायां हाथ घायल हो गया था, जिसे उन्होंने अपने ही तलवार से अपना हाथ गंगा मैया को समर्पित कर दिया था।

23 अप्रैल 1858 को उन्होंने जगदीशपुर के पास अंग्रेजों को बुरी तरह हराया और यूनियन जैक को हटा कर अपना झंडा फहराया, इसलिए इस दिन को विजयोत्सव के रूप में मनाते हैं, इस दिन ना तो इनका जन्मदिन है, ना ही शहीद की तिथि।

बाबु वीर कुंवर सिंह न केवल एक योद्धा थे, बल्कि एक कुशल रणनीतिकार भी थे, जिन्होंने अपनी वृद्धावस्था में भी देश के प्रति असीम प्रेम और साहस का परिचय दिया।

अंकोरहा में लक्ष्मी नारायण यज्ञ की फेरी में उमड़े श्रद्धालु

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
औरंगाबाद। नवीनगर प्रखंड के ग्राम अंकोरहा में हनुमत प्राण प्रतिष्ठा के निमित्त भव्य एवं दिव्य लक्ष्मी नारायण महायज्ञ के पांचवें दिन सुबह सवेरे से ही श्रद्धालु भक्तों का तांता लगा रहा।यज्ञ आयोजन समिति के व्यवस्थापक मुरारी सिंह यादव ने बताया कि आज विशेष मुहूर्त में हनुमान जी का प्राण प्रतिष्ठा किया गया एवं विशेष पूजन के साथ महाआरती की गई। टोली की विदाई होगी एवं संध्या में भंडारा का आयोजन किया गया है।यज्ञ में प्रतिदिन संगीतमय प्रवचन कार्यक्रम श्रद्धालु भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है।श्रद्धालु भक्त यज्ञ की फेरी लग रहे हैं। भारत के महान संत लक्ष्मी प्रपन्नाचार्य स्वामी महाराज के आह्वान पर आयोजित जग में आने वाले श्रद्धालु भक्तों ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन से आपसी भाईचारा, सामाजिक समरसता एवं भक्ति की धारा धारा उमड पड़ती है।

गैस कटर से एटीएम काटकर लाखों की लूट

लोगों में असुरक्षा की भावना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
समस्तीपुर। जिले की मोहनपुर रोड पर देर रात एक बड़ी आपराधिक वारदात सामने आई, जहां अज्ञात बदमाशों ने कैनरा बैंक के एटीएम को निशाना बनाते हुए गैस कटर मशीन से उसे काट डाला और उसमें रखे करीब 2 लाख 11 हजार रुपये लेकर फरार हो गए। इस घटना के बाद इलाके में दहशत और असुरक्षा का माहौल बन गया है।

घटना का पता उस समय चला जब बैंक के कर्मचारी रोजमर्रा की प्रक्रिया के तहत एटीएम में नकदी भरने पहुंचे। एटीएम मशीन की हालत देखकर वे हैरान रह गए। मशीन पूरी तरह क्षतिग्रस्त थी और उसमें रखा कैश गायब था। तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी गई, जिसके बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

इस वारदात के बाद स्थानीय लोगों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नाराजगी देखी जा रही है। लोगों का कहना है कि यदि रात के समय प्रभावी पुलिस गश्ती और एटीएम केंद्रों पर सुरक्षा गार्ड की तैनाती होती, तो इस तरह की घटना को रोका जा सकता था। लगातार बढ़ रही चोरी और लूट की घटनाओं ने आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है।

पुलिस कर रही मामले की छानबीन

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी अरविंद प्रताप सिंह और संजय कुमार पांडेय टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने एटीएम और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है, ताकि बदमाशों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी की जा सके। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहन जांच में जुटी हुई है और जल्द खुलासा करने का दावा कर रही है।

विजयोत्सव पर याद किये गये वीर कुंवर सिंह

देव। अंग्रेजों के खिलाफ स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई लड़ने वाले बाबू वीर कुंवर सिंह ब्रिटिश सरकार के खिलाफ शानदार लड़ाई लड़े। भोजपुर आरा के साथ साथ बिहार की जनता के मान सम्मान और स्वाभिमान के लिए अंग्रेजों के खिलाफ लड़ते हुए ऐतिहासिक सफलता हासिल की। उनकी नेतृत्व में जाति और धर्म से ऊपर उठकर बिहार की सभी जनता ने तन मन धन से उनका साथ दिया। उनके सेनापति बाबू रणजीत सिंह यादव हमेशा अपने समाज को संगठित करके लड़ाई लड़ते हुए बाबू कुंवर सिंह के साथ कदम से कदम चलकर अंग्रेजो को छक्के छुड़ाए। उनकी लोकप्रियता और व्यवहार कुशलता के कारण सभी जाति के लोग भी उनके नेतृत्व में अंग्रेजों के खिलाफ स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ी। आज उनके जन्म दिवस पर विजयोत्सव दिवस देव और औरंगाबाद में मनाया गया। बुद्धिजीवी चेतना मंच के जिला संजोयक श्यामता प्रसाद यादव जिला अध्यक्ष अजय श्रीवास्तव जिला सचिव संतोष कुमार सिंह रामजन्म यादव लवलेश सिंह इंजीनियर दूधेश्वर प्रसाद के साथ मंच के प्रदेश संयोजक डॉ संतोष कुमार ने उनके कृतियों की चर्चा की।

छापेमारी में नकली टॉयलेट क्लीनर फैक्टरी का उद्भेदन

698 बोतल नकली हरपिक क्लीनर जब्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
बेलागंज। चाकंद थाना क्षेत्र के चमनंडीह गांव में पुलिस ने नकली हारपिक बनाने वाले एक अवैध कारोबार का भंडाफोड़ किया है। रेकिट बेंकाइजर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के जांचकर्ताओं की सूचना पर यह संयुक्त कार्रवाई की गई।

छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से 698 बोतल नकली हरपिक जब्त कीं, जिन्हें असली उत्पाद बताकर बेचा जा रहा था। इसके अतिरिक्त, 10,992 फर्जी स्टिकर भी बरामद किए गए, जिनका उपयोग नकली उत्पादों की पैकेजिंग को असली ब्रांड जैसा दिखाने के लिए किया जाता था। थाना प्रभारी शिवम कुमार ने बताया कि यह अवैध कारोबार काफी लंबे समय से चल रहा था। कंपनी के पदाधिकारी की देखरेख में यह कार्रवाई पूरी की गई। इस गोरखधंधे से कंपनी को आर्थिक नुकसान हो रहा था और नकली उत्पादों के कारण उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य को भी खतरा था, क्योंकि ये उत्पाद गुणवत्ता मानकों पर खरे नहीं उतरते। रेकिट बेंकाइजर इंडिया के आवेदन के आधार पर मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य संदिग्धों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। अधिकारियों का मानना है कि इस गिरोह के तार आसपास के कई इलाकों तक फैले हो सकते हैं।

महायज्ञ एवं शिव मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में विस अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार हुए शामिल

वैदिक मंत्रोच्चार से भक्तिमय हुआ क्षेत्र

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
बेलागंज। बेलागंज प्रखंड क्षेत्र के रिसौद गांव में आयोजित भव्य महायज्ञ एवं शिव मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर बिहार विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार का आगमन हुआ। उनके पहुंचते ही पूरे आयोजन स्थल पर उत्साह और श्रद्धा का माहौल देखने को मिला। समारोह में शामिल श्रद्धालुओं और ग्रामीणों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। अतिथि के आगमन पर आयोजन समिति के अध्यक्ष अरविंद कुमार सिंह के नेतृत्व में पारंपरिक तरीके से भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान यज्ञ समिति के सचिव धर्मेंद्र कुमार, कोषाध्यक्ष रणधीर कुमार, उप-कोषाध्यक्ष शैलेश सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, वॉलंटियर और स्थानीय लोग उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर आयोजन की व्यवस्था को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई।

समारोह के दौरान धार्मिक अनुष्ठानों का क्रम पूरे विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ जारी रहा। इस अवसर पर चित्रकूट धाम से पधारीं सुप्रसिद्ध कथावाचक आखिलेश्वरी देवी द्वारा पावन कथा का वाचन किया गया। उनकी मधुर वाणी और आध्यात्मिक प्रवचनों ने उपस्थित श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। विधानसभा अध्यक्ष ने भी कथा का श्रद्धापूर्वक श्रवण किया और आयोजन की सराहना की।

अपने संबोधन में डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और लोगों को

आपसी सद्भाव एवं सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ते हैं। उन्होंने मंदिर निर्माण और प्राण प्रतिष्ठा जैसे कार्यों को समाज की आस्था का प्रतीक बताते हुए आयोजन समिति को बधाई दी। पूरे कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी रही। भक्ति, आस्था और उत्साह से भरे इस आयोजन ने पूरे क्षेत्र को आध्यात्मिक वातावरण में सराबोर कर दिया। आयोजन समिति ने सभी अतिथियों एवं श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम को सफल बताया।

धान के पुंज में लगी आग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
नगरनौसा(नालंदा)। नगरनौसा थाना क्षेत्र के कछियावां गांव में बुधवार के दिन खलिहान में आग लगने से खलिहान में लगा बिस बीधा धान के खाली पांच पुंज जलकर बर्बाद हो गया।घटना के सम्बंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव के चुन्नू महतो, अनिल महतों भूषण महतो के खलिहान में लगा बिस बीधा धान के फसल का खाली पांच पुंज जलकर बर्बाद हो गया।इधर खलिहान में आग लगने की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग को सूचना देते हुए ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच आग बुझाने का प्रयास करने लगा।

इधर सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग का गाड़ी घटनास्थल पर पहुंच ग्रामीणों के साथ आग पर काबू पाने का प्रयास करने लगा। अथक प्रयास के बाद आग पर काबू पाया।जबतक आग पर काबू पाया गया तबतक पुंज जलकर बर्बाद हो गया।

छापेमारी के पहले पूर्व विधायक पत्नी संग फरार

जमीन धोखाधड़ी और कब्जे का आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
बिहारशरीफ। बिहारशरीफ विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक नौशादुन उर्फ पप्पू खान की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। गुरुवार दोपहर वेना थाना पुलिस ने बिहार थाना क्षेत्र के गढ़पर स्थित उनके आवास पर जोरदार छापामारी की।इस दौरान पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची, लेकिन कार्रवाई से पहले ही पप्पू खान अपनी पत्नी आफरीन सुल्ताना के साथ फरार हो गए। सदर एसडीपीओ-2 संजय कुमार जायसवाल के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में वेना, रहुई, हरनौत, चेरो और बिहार थाना की पुलिस शामिल थी। छापामारी के दौरान पूरे इलाके में अफरातफरी का माहौल रहा। सदर एसडीपीओ-2 संजय कुमार जायसवाल ने बताया कि यह कार्रवाई वेना थाना में दर्ज एक मामले के तहत की गई है। पूर्व विधायक और उनकी पत्नी पर आरोप है कि उन्होंने साजिश के तहत फर्जी कागजात तैयार कर दूसरे की जमीन अपने नाम कराई और उस पर जबरन कब्जा कर लिया।

पुलिस जांच में प्रथम द्दष्टया आरोप सही पाए गए हैं, जिसके आधार पर दोनों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी की गई। हालांकि, पुलिस के पहुंचने से पहले ही दोनों घर से फरार हो चुके थे। सदर एसडीपीओ-2 संजय कुमार जायसवाल के अनुसार, इस विवाद की जड़ वर्ष 2020-21 के एक जमीन सौदे से जुड़ी है।

आरोप है कि पप्पू खान ने योजनाबद्ध तरीके से फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल कर कीमती जमीन की रजिस्ट्री अपनी पत्नी आफरीन सुल्ताना के नाम करा ली थी। इस संबंध में वर्ष 2023 में प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

फिलहाल पुलिस ने आवास की तलाशी ली, लेकिन दोनों नामजद आरोपी हाथ नहीं आए। सदर एसडीपीओ-2 संजय कुमार जायसवाल ने स्पष्ट किया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापामारी की जा रही है और कानून के तहत आगे की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

दो ट्रकों के बीच जोरदार टक्कर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
बेलागंज। नेशनल हाईवे-22 पर चाकंद थाना क्षेत्र में बीती रात एक भीषण सड़क दुर्घटना हुई, जिसमें दो ट्रकों के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसा रात करीब 2:30 बजे का बताया जा रहा है। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एक ट्रक के परखच्चे उड़ गए और दूसरा ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। जानकारी के अनुसार, एक ट्रक कोयला लादकर जा रहा था, जबकि पीछे से आ रहा गिट्टी लदा ट्रक अचानक उसमें जा भिड़ा। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, चालक को नींद आने के कारण यह हादसा हुआ। टक्कर के बाद गिट्टी लदा ट्रक संतुलन खोकर सड़क पर पलट गया, जबकि कोयला लदा ट्रक डिवाइडर से जा टकराया।

प्रेमिका से मिलने आये प्रेमी की लोगों ने करायी शादी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
हाजीपुर। वैशाली जिले के पातेपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्रामीणों ने इश्क का भूत उतारने के लिए अनोखा तरीका अपनाया। मुजफ्फरपुर से प्रेमिका से मिलने आए युवक को ग्रामीणों ने पकड़कर रात में ही दोनों की शादी करा दी। अब इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।मामला सुल्तानपुर चकहरिहर गांव का है। बताया जा रहा है कि मुजफ्फरपुर के एक युवक का पिछले छह महीने से इस गांव की युवती के साथ प्रेम-प्रसंग चल रहा था। मंगलवार रात युवक अपनी प्रेमिका से मिलने उसके घर पहुंचा। आधी रात को ग्रामीणों ने दोनों को रंगे हाथों पकड़ लिया।

पकड़े जाने के बाद गांव में काफी देर तक गहमागहमी रही। ग्रामीणों ने फैसला सुनाया कि प्यार किया है तो अंजाम तक पहुंचाना होगा। तुरंत पंडित को बुलाया गया। रात के सन्नाटे में मंत्रोचार हुआ, प्रेमी के सिर पर सेहरा सजा और प्रेमिका की मांग में सिंदूर भरकर दोनों को एक-दूजे का बना दिया गया।

हंगामे की सूचना पर डायल 112 की पुलिस भी मौके पर पहुंची। ग्रामीणों ने पुलिस को बताया कि शादी दोनों की आपसी सहमति और रजामंदी से कराई गई है। पुलिस ने हस्तक्षेप नहीं किया। फिलहाल शादी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है और पूरे जिले में चर्चा का विषय बना हुआ है।

बीईओ की ह्रदयाघात से मौत

एकमा (सारण)। एकमा प्रखंड के प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी योगेंद्र बैठा का ब्रेन हेमरेज होने के बाद उपचार के दौरान पटना स्थित पीएमसीएच में मंगलवार की देर रात निधन हो गया। वह लगभग 59 वर्ष के थे। करीब एक वर्ष से वे एकमा में पदस्थापित थे। वह अपने पीछे वे पत्नी, दो विवाहित पुत्रियों और दो अविवाहित पुत्रों का भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं।

बीआरसी कार्यालय के कर्मियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार एकमा स्थित अलख नारायण सिंह उच्च माध्यमिक विद्यालय में तीन दिवसीय डिजिटल जनगणना प्रशिक्षण के तृतीय चरण का समापन सत्र चल रहा था। इसी दौरान योगेंद्र बैठा प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, तभी अचानक उनका रक्तचाप बढ़ गया और वे बेहोश होकर प्रशिक्षण कक्ष में ही गिर पड़े। घटना के बाद तत्काल बीडीओ डॉ. अरुण कुमार सहित उपस्थित शिक्षकों एवं कर्मियों ने उन्हें एकमा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां ड्यूटी पर तैनात डॉ. कौशलेंद्र कुणाल ने प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति गंभीर देखते हुए सदर अस्पताल छपरा रेफर कर दिया।

दूध लदी पिकअप पलटी

एकमा (सारण)। एकमा थाना क्षेत्र में छपराझ्रसिवान नेशनल हाईवे-531 पर एकमा के ज्योति सेंट्रल हाई स्कूल के समीप बुधवार को दूध लदा एक पिकअप वाहन पलट जाने से कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के द्वारा बताया गया कि पिकअप वाहन रसूलपुर की ओर जा रहा था। इसी दौरान सामने से आ रही तेज रफ्तार गाड़ी को बचाने के प्रयास में चालक संतुलन खो बैठा, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया।

हादसे के बाद स्थानीय लोग मौके पर जुट गए। हालांकि राहत की बात यह रही कि दुर्घटना में किसी के हताहत होने या जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है।

सूचना मिलने पर एकमा के प्रभारी थानाध्यक्ष विनायक राम पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए क्रेन वाहन को मंगवाकर यातायात बहाल कराया और पलटे वाहन को हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी।

कुछ देर के लिए आवागमन बाधित रहा, लेकिन बाद में स्थिति सामान्य हो गई।

हरियाणा की डांसर को बनाया बंधक

सूचना पर हरकत में आयी पुलिस

नवबिहार टाइम्स संवादाता
बेगूसराय। लोहियानगर थाना क्षेत्र में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां हरियाणा की एक नृत्यांगना को ऑर्केस्ट्रा में काम दिलाने के बहाने बुलाकर बंधक बना लिया गया और उस पर जबरन देह व्यापार व ऑर्केस्ट्रा में काम करने का दबाव बनाया गया।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महिला समेत दो आरोपितों को गिरफ्तार कर पीड़िता को मुक्त कराया। मिली जानकारी के अनुसार हरियाणा के सोनीपत निवासी युवक की पत्नी को नोएडा सेक्टर-12 निवासी संगीता देवी ने नावकोठी में ऑर्केस्ट्रा में काम दिलाने का झांसा देकर बुलाया था।

पीड़िता के यहां पहुंचने पर वीरपुर थाना क्षेत्र के पर्रा निवासी राजकुमार दास के पुत्र अमरजीत कुमार एवं संगीता देवी ने उसे नावकोठी में काम पर भेजा और लौटने पर जब उसने मेहनताना की मांग की तो उसे नागदह स्थित किराए के मकान में बुला कर बंधक बना लिया।

पीड़िता ने बताया कि नागदह में शंकर साह के मकान के एक कमरे में उसे बंधक बनाकर रखा गया और उसका मोबाइल छीन लिया गया।

आरोपितों द्वारा लगातार उस पर देह व्यापार करने और ऑर्केस्ट्रा में जबरन काम करने का दबाव बनाया जा रहा था। पीड़िता ने यह भी बताया कि जिस कमरे में उसे रखा गया था, उसी मकान के अन्य कमरों में पहले से कई अन्य लड़कियां भी मौजूद थीं, जिन्हें इसी तरह मजबूरी में गलत काम कराने के लिए रखा गया था।

बंधक बने रहने के दौरान किसी तरह पीड़िता को एक कीपैड मोबाइल मिला, इससे उसने डायल 112 पर काल कर अपनी आपबीती बताई।

सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आई और लोकेशन के आधार पर लोहियानगर थाना की टीम ने मौके पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से पीड़िता को सुरक्षित मुक्त कराया और दो आरोपितों अमरजीत कुमार एवं संगीता देवी को गिरफ्तार कर लिया। दोनों के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्राथमिकी अंकित कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस अब इस मामले को मानव तस्करी और देह व्यापार से जुड़े संगठित गिरोह के रूप में जांच रही है। आशंका जताई जा रही है कि इस नेटवर्क के जरिए अन्य राज्यों से भी लड़कियों को लाकर अवैध गतिविधियों में धकेला जा रहा था।

पुलिस अन्य संभावित पीड़िताओं की पहचान और गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है। लोहियानगर थानाध्यक्ष विकास कुमार ने बताया कि इस तरह के मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी और किसी भी सूरत में दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

संगठन की मजबूती ही भाजपा की ताकत : सम्राट चौधरी

प्रशिक्षण के साथ सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पटना स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान-2026 के अंतर्गत प्रदेश प्रशिक्षण योजना को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों को संबोधित किया। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का संगठन ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। कार्यकर्ताओं का सतत प्रशिक्षण ही संगठन को मजबूती प्रदान करता है और उन्हें विचारधारा के प्रति और अधिक प्रतिबद्ध बनाता है। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के एकात्म मानववाद के सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने में प्रशिक्षण महाभियान की महत्वपूर्ण भूमिका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रशिक्षण महाभियान के अंतर्गत भाजपा संगठन के सभी 52 जिलों में व्यापक स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे जिससे हर स्तर के कार्यकर्ताओं को वैचारिक एवं संगठनात्मक रूप से सशक्त किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशिक्षण के माध्यम से कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है कि वे केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक प्रभावी रूप से पहुंचाएं, ताकि समाज के अंतिम व्यक्ति तक इन योजनाओं का लाभ सुनिश्चित हो सके। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता केवल एक राजनीतिक कार्यकर्ता नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का सशक्त वाहक है। प्रशिक्षण के माध्यम से कार्यकर्ताओं में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और जनसेवा की भावना का विकास होता है, जो संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाता है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लें और पार्टी की नीतियों एवं सिद्धांतों को समाज के अंतिम पंक्ति तक पहुंचाने के साथ-साथ सरकार की योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करें। बैठक में संगठनात्मक मजबूती, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तथा प्रशिक्षण की विस्तृत योजना पर भी चर्चा की गई। वरिष्ठ नेताओं एवं पदाधिकारियों ने भी अपने विचार साझा किए और प्रशिक्षण अभियान को सफल बनाने के लिए सुझाव दिए।

एनजीटी ने मांगा नदियों के किनारे बसे शहरों के सीवेज ढांचे का पूरा ब्योरा

बिहार सरकार को दिया गया चार सप्ताह का समय

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली/पटना। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की प्रधान पीठ, नई दिल्ली में बिहार की नदियों में बढ़ते प्रदूषण को लेकर महत्वपूर्ण सुनवाई हुई। यह मामला मूल आवेदन संख्या 491/2024 से संबंधित है जिसकी सुनवाई न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव (अध्यक्ष), डॉ. ए. सेंथिल वेल तथा डॉ. अफ़रोज़ अहमद की पीठ ने की। मामले की पृष्ठभूमि एक समाचार रिपोर्ट है जिसमें बिहार में गंगा नदी के जल की गुणवत्ता और स्नान के लिए अनुपयुक्त स्थिति पर चिंता जताई गई थी। साथ ही सोन नदी, कोसी नदी और बागमती नदी में बढ़ते प्रदूषण का भी उल्लेख किया गया था। ट्रिब्यूनल इस मामले में राज्य में सीवेज उत्पादन, उसकी उपचार क्षमता और बिना उपचार के सीवेज के नदियों में प्रवाह की स्थिति की समीक्षा कर रहा है। सुनवाई के दौरान बिहार सरकार द्वारा दाखिल पूरक शपथपत्र में गंगा टाउन और गैर-गंगा टाउन में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की स्थिति का विवरण प्रस्तुत किया गया। इसमें बताया गया कि कुछ संयंत्र चालू हैं, कुछ परीक्षण चरण में हैं जबकि कुछ निर्माण और योजना के स्तर पर हैं। हालांकि ट्रिब्यूनल ने पाया कि गैर-गंगा टाउन से जुड़े सीवेज ट्रीटमेंट संयंत्रों, नालों, उनकी क्षमता और अन्य तकनीकी पहलुओं की पूरी जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई है। इस पर नाराजगी जताते हुए ट्रिब्यूनल ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह गैर-गंगा टाउन के सीवेज प्रबंधन ढांचे का विस्तृत और पूर्ण ब्योरा प्रस्तुत करे। इसके लिए चार सप्ताह का समय दिया गया है। ट्रिब्यूनल ने स्पष्ट किया कि नदी प्रदूषण नियंत्रण और सीवेज प्रबंधन व्यवस्था को मजबूत बनाना बेहद जरूरी है, ताकि बिहार की प्रमुख नदियों की जल गुणवत्ता को सुरक्षित रखा जा सके।

सम्राट चौधरी से मिल कर प्रमोद कुमार सिंह ने दी बधाई, जताया विकास का भरोसा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से गुरुवार को पटना में रफीगंज विधायक प्रमोद कुमार सिंह ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनके पदभार ग्रहण करने पर बधाई दी और सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। भेंट के दौरान प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बिहार निरंतर विकास और उन्नति के पथ पर आगे बढ़ेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राज्य में सुशासन, विकास और जनकल्याण की योजनाओं को नई गति मिलेगी जिससे आम जनता को व्यापक लाभ होगा। श्री सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश के सभी क्षेत्रों का संतुलित विकास सुनिश्चित होगा। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता में ग्रामीण विकास, बुनियादी ढांचा, शिक्षा और रोजगार जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे शामिल हैं जिन पर तेजी से काम होने की उम्मीद है। मौके पर सकारात्मक माहौल में राज्य के विकास, संगठनात्मक मजबूती और जनहित से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा हुई। प्रमोद कुमार सिंह ने अंत में कहा कि जनता दल यूनाइटेड के कार्यकर्ता मुख्यमंत्री के नेतृत्व में पूरी निष्ठा के साथ काम करेंगे और प्रदेश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

राष्ट्रीय पार्टी बनकर उभरेगी जदयू : शैलेन्द्र कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। देश के सर्वमान्य नेता विकास पुरुष नीतीश कुमार को निर्विरोध राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचन व जनता दल (यूनाइटेड) के वरिष्ठ नेता संजय झा को पुनः पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष मनोनीत किये जाने पर जदयू दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने इस निर्णय को संगठन की मजबूती, राजनीतिक दूरदृष्टि एवं पार्टी नेतृत्व के मजबूत विश्वास का प्रतीक बताया है। शैलेन्द्र कुमार ने कहा कि चुनाव आयोग के निर्वाचन प्रक्रिया के उपरांत नीतीश कुमार को निर्विरोध राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित किया गया है। नीतीश कुमार के नेतृत्व में जिस कुशलता,समर्पण एवं संगठनात्मक क्षमता के साथ पार्टी को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत किया।

भाजपा अध्यक्ष ने वीर कुंवर सिंह के 'विजयोत्सव' पर दी श्रद्धांजलि

साहस, बलिदान और देशभक्ति के प्रतीक थे बाबू कुंवर सिंह : संजय सरावगी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के महानायक और बिहार के गौरव, अमर स्वतंत्रता सेनानी बाबू वीर कुंवर सिंह के 'विजयोत्सव' पर आज भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी पटना के वीर कुंवर सिंह आजादी पार्क में आयोजित राजकीय समारोह में शामिल हुए। यहां उन्होंने बाबू वीर कुंवर सिंह की प्रतिमा पर पुष्पांजलि कर उन्हें नमन किया। इस मौके पर राज्यपाल सैय्यद अता हसनैन एवं मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उपमुख्यमंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव और विजय कुमार चौधरी, पूर्व उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा सहित अन्य सम्मानित गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इधर, भाजपा प्रदेश कार्यालय में भी 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के महानायक और बिहार के गौरव बाबू वीर कुंवर सिंह के 'विजयोत्सव' के मौके पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी सहित प्रदेश के पदाधिकारियों और सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने बाबू कुंवर सिंह की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उन्हें नमन किया। इस मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने बाबू वीर कुंवर सिंह के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उनके त्याग, तप और बलिदान के रास्ते पर चलने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि बाबू कुंवर सिंह ने 80 वर्ष की उम्र में अप्रतिम साहस और युद्ध कौशल का परिचय दिया था। उन्होंने कहा कि बाबू वीर कुंवर सिंह ने जो साहस दिखाया था, वह नौजवानों के प्रेरणास्त्रोत बन गए। वहीं से देश को आजाद करने की चिंगारी चारों तरफ फैल गई। इस लड़ाई को देश के नौजवानों ने एक मिशन के तहत लड़ा और देश को आजाद कराया।

महिला आरक्षण के समर्थन में पटना में भाजपा अति पिछड़ा प्रकोष्ठ का आक्रोश मार्च

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भारतीय जनता पार्टी अति पिछड़ा प्रकोष्ठ, बिहार के तत्वावधान में महिला आरक्षण विधेयक के समर्थन में राजधानी पटना में विशाल आक्रोश मार्च निकाला गया। यह मार्च प्रदेश पार्टी कार्यालय से शुरू होकर आयकर गोलंबर तक पहुंचा, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों ने भाग लिया। ज्ञात हो कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार द्वारा लोकसभा और विधानसभा चुनावों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए विशेष सत्र में विधेयक लाया गया था जिसका कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने विरोध किया। इसी विरोध के खिलाफ आक्रोश व्यक्त करने के लिए यह मार्च आयोजित किया गया। आक्रोश मार्च का नेतृत्व भारतीय जनता पार्टी अति पिछड़ा प्रकोष्ठ, बिहार के संयोजक प्रमोद सिंह चंद्रवंशी ने किया। आयकर गोलंबर पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों का महिला विरोधी चेहरा लोकसभा में उजागर हो चुका है। उन्होंने कहा कि देश की आधी आबादी इस विरोध से आहत और आक्रोशित है और इसका प्रभाव पूरे देश में देखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महिलाओं को सशक्त बनाने और उन्हें राजनीतिक भागीदारी में उचित स्थान दिलाने के लिए संकल्पित हैं। आक्रोश मार्च में चंपा देवी, कुमारी पूजा, विनीता कुमारी, सरिता कुमारी, पिंकी देवी, पूजा देवी, यूपी शर्मा, भानु प्रकाश राय, बिरेंद्र चंद्रवंशी, अभय सिंह, संजय निषाद, शिवपूजन राम, जलेसर साहनी, मधेश्वर चंद्रवंशी, विकास कुमार सैनी, अरविंद कुमार चंद्रवंशी, अवध बिहारी गुप्ता, प्रेम प्रजापति, गोपाल शर्मा, बैजनाथ शर्मा और रवि कुमार चंद्रवंशी सहित कई लोग मौजूद रहे।

भारतीय स्टेट बैंक की शाखाओं में शीतल पेयजल की व्यवस्था

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। भीषण गर्मी और लू के प्रकोप को देखते हुए भारतीय स्टेट बैंक द्वारा जनसेवा की भावना के तहत विभिन्न शाखाओं में शीतल पेयजल की व्यवस्था की गई है। इस पहल का उद्देश्य ग्राहकों, राहगीरों तथा आमजन को तपती गर्मी से राहत प्रदान करना है। बैंक की विभिन्न शाखाओं के बाहर एवं परिसर में मिट्टी के घड़ों (मटकों) में स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था की गई है, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें। इस व्यवस्था के माध्यम से न केवल बैंक आने वाले ग्राहक, बल्कि आसपास के स्थानीय नागरिक, रिक्शा चालक, डिलीवरी कर्मी एवं अन्य राहगीर भी अपनी प्यास बुझा सकेंगे। बैंक अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा इस सेवा को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए नियमित रूप से जल की उपलब्धता एवं स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। भीषण गर्मी के इस दौर में यह छोटी-सी पहल लोगों के लिए बड़ी राहत बनकर सामने आई है और स्थानीय नागरिकों द्वारा इसकी सराहना की जा रही है। यह पहल सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति भारतीय स्टेट बैंक की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

पृथ्वी दिवस पर कैरियर मिशन कंप्यूटर एकेडमी में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर/वैशाली। विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर कैरियर मिशन कंप्यूटर एकेडमी के परिसर में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कैरियर मिशन चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में संपन्न हुआ जिसमें पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य को लेकर विशेष चर्चा की गई। कार्यक्रम का उद्घाटन संस्थान के संस्थापक सह कर्ताधर्ता डॉ. आनंद रंजन झा द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि आज के दौर में पर्यावरण संरक्षण सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुकी है। यदि हम अभी से सचेत नहीं हुए तो आने वाली पीढ़ियों को गंभीर संकट का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने सभी छात्र-छात्राओं एवं ग्रामीण समाज के लोगों से अपील करते हुए कहा कि 'हर व्यक्ति कम से कम एक पेड़ अवश्य लगाए और उसकी देखभाल भी करे।' उन्होंने यह भी जोर दिया कि प्रदूषण को कम करने के लिए छोटे-छोटे प्रयास, जैसे प्लास्टिक का कम उपयोग, जल एवं ऊर्जा की बचत और स्वच्छता बनाए रखना, बेहद आवश्यक है। इस अवसर पर संस्थान के विद्यार्थियों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया और पर्यावरण संरक्षण को लेकर अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने मिलकर पृथ्वी की रक्षा हेतु संकल्प लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाना और समाज को हरित एवं स्वच्छ बनाने के लिए प्रेरित करना रहा।

पटना में वीर कुंवर सिंह विजयोत्सवः सम्राट चौधरी ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दी श्रद्धांजलि

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना।1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के महान योद्धा बाबू वीर कुंवर सिंह के विजयोत्सव दिवस पर गुरुवार को बुद्ध मार्ग स्थित बहुराज्यीय सहकारी भूमि विकास बैंक परिसर में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने वीर कुंवर सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के रूप में बिस्कोमान के अध्यक्ष विशाल सिंह, कोऑपरेटिव फ़ेडरेशन के अध्यक्ष विनय कुमार शाही तथा अनुसूचित जाति सहकारिता विकास निगम के अध्यक्ष अजय कुमार उपस्थित रहे। बैंक के प्रशासनिक भवन में आयोजित विजयोत्सव समारोह की अध्यक्षता भूमि विकास बैंक की अध्यक्ष ममता सिंह ने की। समारोह में राष्ट्रीय सहकारी आवास बोर्ड/संघ, नई दिल्ली के अध्यक्ष विजय कुमार सिंह भी सम्मानित अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने वीर कुंवर सिंह के शौर्य, साहस और राष्ट्रभक्ति को याद करते हुए उनके योगदान को देश के लिए अमूल्य बताया। विजयोत्सव समारोह में बैंक के निदेशक मंडल के सदस्य संजय कुमार सिंह, धर्मेन्द्र सिंह, दिनेश सिंह, राजेश कुमार सिंह, भरत भूषण सिंह, त्रिवेणी सिंह और शम्भु प्रसाद सिंह सहित अन्य निदेशक उपस्थित रहे। इसके अलावा बैंक के प्रबंध निदेशक कौशलेन्द्र सिंह, निदेशक (तकनीकी), सांख्यिकी पदाधिकारी तथा अन्य पदाधिकारी और कर्मचारियों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम में भागलपुर से विवेकानन्द गुप्ता, बांका से निखिल बहादूर सिंह और ललन सिंह, जमुई से अरुण कुमार सिंह उर्फ चुन्ना सिंह सहित भागलपुर और बांका जिले के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे। पूरे कार्यक्रम के दौरान वीर कुंवर सिंह के बलिदान और उनके अदम्य साहस को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी गई और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया गया।

बैंक ऑफ बड़ौदा की महेन्द्रू शाखा, पटना का शुभारम्भ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बैंक ऑफ बड़ौदा की महेन्द्रू शाखा, पटना का शुभारंभ किया गया। शाखा का उद्घाटन सुब्रत कुमार स्वाईं (महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख, पटना अंचल) द्वारा किया गया। इस अवसर पर नलिन कुमार (क्षेत्रीय प्रमुख एवं उप महाप्रबंधक, पटना क्षेत्र), संजय कुमार राय (उप क्षेत्रीय प्रमुख एवं सहायक महाप्रबंधक, पटना क्षेत्र) सहित बैंक के अन्य स्टाफ सदस्य तथा बड़ी संख्या में ग्राहकगण उपस्थित रहे। इस दौरान उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए अंचल प्रमुख ने बैंक ऑफ बड़ौदा पटना अंचल की 350वीं एवं पटना क्षेत्र की 60वीं शाखा को ग्राहकों को समर्पित किया एवं उन्हें आश्वस्त किया कि बैंक इस शाखा के माध्यम से ग्राहकों को उनकी जरूरतों के अनुसार बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराएगा। उन्होंने उपस्थित जन समुदाय से अनुरोध किया है कि वे बैंक से जुड़कर अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करें। उन्होंने यह भी कहा कि शाखा में हर स्तर पर उत्कृष्ट ग्राहक सेवा उपलब्ध कराई जायगी। शुभारंभ के साथ ही बड़ी संख्या में ग्राहकों ने अपने खाते खोले तथा बैंक द्वारा दी जा रही सेवाओं के प्रति संतोष व्यक्त किया।

नंदकिशोर यादव ने रेड क्रॉस भवन में निर्माणाधीन द्वितीय तल की कार्य प्रगति का किया मुआयना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना सिटी। नागालैंड के राज्यपाल नंदकिशोर यादव ने गांधी सरोवर स्थित रेड क्रॉस भवन में जाकर ब्लड बैंक के यथाशीघ्र संचालन एवं रेड क्रॉस भवन में निर्माणाधीन द्वितीय तल के कार्य प्रगति का मुआयना किया। उन्होंने ब्लड बैंक के संचालन में आ रही बाधाओं को यथाशीघ्र दूर करने तथा स्व. सुशील कुमार मोदी की पुण्यस्मृति में बन रहे इस ब्लड बैंक का परिचालन मई अथवा उसके उत्तरोत्तर शुरू हो जाने की उम्मीद व्यक्त की। नंदकिशोर यादव के साथ आए पटना साहिब के विधायक रत्नेश कुशवाहा ने राज्यपाल के निर्देशानुसार कार्यों को समय सीमा के भीतर पूरा करने का अपना संकल्प दोहराया। सोसाइटी के चेयरमैन गोविंद कानोडिया एवं प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण के राज्य संयोजक अजीत कुमार सिंह ने राज्यपाल को गुलदस्ता एवं अंगवस्त्र प्रदान कर स्वागत किया। इस अवसर पर संरक्षक डॉ. टी.पी. गोलवारा, डॉ. कुंवर सिंह, डॉ. अभिषेक कुमार के साथ ही शशिशेखर रस्तोगी, प्रदीप बेरेलिया, तारा झुनझुनवाला, रीता रस्तोगी, कविता पोद्दार, संदीप ड्रॉलिया, प्रो. दिनेश कुमार, अवधेश कुमार सिन्हा, गोपाल कुमार, श्वेता कानोडिया, प्रफुल्ल पांडेय, धीरेंद्र प्रताप मुन्ना, सौरभ शारदा, संजीव देवड़ा, विनोद झुनझुनवाला, नरेश सुल्तानिया, अमित कानोडिया, राजेश कानोडिया, राजकुमार गोयनका, विशाल सिंघानिया, सात्विक कानोडिया, विजय कुमार सिंह, संजय रॉय आदि मौजूद रहे। मौके पर आयोजित संक्षिप्त सभा का कुशलतापूर्वक संचालन संजय बूबना ने किया।

बिहार हितैषी पुस्तकालय का 142वां वर्षगांठ समारोह सम्पन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार हितैषी पुस्तकालय का 142वीं वर्षगांठ समारोह भव्य कवि सम्मेलन के साथ सम्पन्न हुआ। प्रथम सत्र का उद्घाटन नन्दकिशोर यादव द्वारा किया गया। उन्होंने पुस्तकालय से अपने जुड़ाव की चर्चा करते हुए हर्ष जाहिर किया कि आज पटना सिटी का यह दर्शनीय स्थल बन चुका है। अध्यक्ष हरिहर सिन्हा ने घोषणा की कि 142वीं वर्षगांठ के अवसर पर पूरे साल तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर उपाध्यक्ष देवानंद तिवारी ने स्वागत भाषण किया जबकि प्रधान सचिव महेंद्र अरोड़ा ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। प्रबंधन समिति के सदस्यों एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों को शॉल ओढ़ा कर एवं स्मृति चिन्ह दे कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पटना साहिब विधायक श्री रत्नेश ने विकास के लिए हर सम्भव सहायता की घोषणा की। उन्होंने डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना हेतु अनुदान, बैडमिंटन हॉल में मैट बिछावन तथा सभागार की कमियों को दूर करवाने का प्रयास करने का आश्वासन दिया। उन्होंने इस संबंध में कार्ययोजना बना कर देने का अनुरोध किया। कार्यक्रम में शशि शेखर रस्तोगी, डॉ. शाह अद्वैत कृष्ण, प्रो. दिनेश पटेल समेत कई लब्ध प्रतिष्ठित लोग शामिल रहे। भीड़ से खचाखच भरे सभागार में द्वितीय सत्र में भव्य कवि सम्मेलन में मूर्धन्य कवियों ने अपनी कविता पाठ से शमा बांध दिया और काफी तालियां बटोरीं। उपस्थित कवियों में डॉ. आरती कुमारी, आराधना प्रसाद, वीरेन्द्र नाथ विभावसु, डॉ. किशोर सिन्हा आदि प्रमुख रहे। संचालन कवि मधुरेश एवं डॉ. ध्रुव कुमार ने किया जबकि अध्यक्षता वरिष्ठ कवि प्रेम किरण द्वारा किया गया। कार्यक्रम संयोजन में सर्वश्री कमल नयन श्रीवास्तव, सुजीत कुशवाहा, संयुक्त सचिव, आलोक चोपड़ा, जयप्रकाश मेहता, मिथिलेश कुमार, सभी कार्यकारिणी सदस्य, विनीत कुमार आदि की भूमिका सराहनीय रही जबकि मुन्ना पांडेय, प्रणव नयन जैसे युवा काफी सक्रिय रहे।

वीर कुंवर सिंह का 169 वां विजयोत्सव सदाकत आश्रम में मनाया गया

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। देश के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के महानायक और अदम्य साहस के प्रतीक बाबू वीर कुंवर सिंह का 169वां विजयोत्सव आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने की। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम सहित अन्य नेताओं ने बाबू वीर कुंवर सिंह के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके साहस, त्याग तथा देशभक्ति को याद किया। राजेश राम ने कहा कि 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में बाबू वीर कुंवर सिंह ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ जिस अद्भुत वीरता और रणनीति का परिचय दिया, वह आज भी देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि बाबू वीर कुंवर सिंह ने 80 वर्ष की आयु में भी अंग्रेजों के खिलाफ लड़ते हुए यह साबित किया कि देशभक्ति और स्वाभिमान उम्र के मोहताज नहीं होते। उन्होंने कहा कि उनके संघर्ष और बलिदान ने देश के स्वतंत्रता आंदोलन को नई ऊर्जा दी और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वतंत्रता की राह प्रशस्त की। राजेश राम ने कहा कि आज के दौर में बाबू वीर कुंवर सिंह के आदर्शों को आत्मसात करने की जरूरत है, ताकि देश में लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और समानता की भावना को और मजबूत किया जा सके।

आईजीआईएमएस की परीक्षा में हुए कथित कदाचार की जांच शुरू

संस्थान के निदेशक को जल्द सौंपी जाएगी जांच रिपोर्ट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पटना के इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान में एमबीबीएस व पीजी परीक्षाओं में कथित प्रश्नपत्र लीक मामले को संस्थान ने काफी गंभीरता से लिया है। परीक्षा में हुई कथित अनियमितताओं की जांच के लिए आईजीआईएमएस की शैक्षणिक संकाय के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) ओम कुमार की अध्यक्षता में एक जांच समिति का गठन कर दिया गया है। इस जांच समिति का गठन संस्थान के निदेशक द्वारा किया गया है। आईजीआईएमएस के उप निदेशक प्रो. विभूति प्रसन्न सिन्हा ने बताया कि यह जांच समिति परीक्षा से संबंधित सभी पहलुओं की सूक्ष्मता से जांच कर रही है। उन्होंने यह भी बताया कि जांच समिति द्वारा अपना जांच प्रतिवेदन जल्द ही संस्थान के निदेशक को समर्पित कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि संस्थान के मुख्य प्रवक्ता के पद हुआ प्रशासनिक बदलाव प्रेस मीडिया के साथ जानकारियों को नियमानुसार साझा करने के लिए किया गया है।

संपादकीय

होर्मुज संकट और युद्ध ,दुनिया को महंगाई और ऊर्जा संकट में धकेल देगा

पाकिस्तान की मध्यस्थता में इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत भी हुई, मगर वह आखिर विफल रही। अब वैश्विक स्तर पर यह उम्मीद की जा रही है कि अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध को खत्म करने के लिए फिर से बातचीत आगे बढ़े।ईरान पर अमेरिका और इजराइल के साझा हमले के बाद करीब एक पखवाड़े पहले बहुत मुश्किल से दो सप्ताह के युद्धविराम पर सहमति बनी थी। फिर दोनों पक्षों के बीच बातचीत की शुरुआत से यह उम्मीद जगी कि वे युद्ध को पूरी तरह खत्म करने पर राजी हो जाएंगे। मगर आज युद्धविराम की अवधि पूरी होने के बाद भी जैसे हालात दिख रहे हैं, उसमें ईरान और अमेरिका के तेवर समाधान की संभावना के सामने एक बड़ी चुनौती हैं।दूसरी ओर, इस युद्ध के नतीजे में उपजी विकट और जटिल होती परिस्थितियों के बीच ये सवाल उठने लगे हैं कि आखिर अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी युद्ध का हासिल क्या होगा और उसका खमियाजा दुनिया के कितने देशों को कब तक भुगतना पड़ेगा। खासतौर पर होर्मुज जलमार्ग को बाधित किए जाने के बाद बहुत सारे देशों में जिस तरह प्राकृतिक गैस और तेल का जैसा संकट खड़ा हो गया है, उसे देखते हुए स्वाभाविक ही यह मांग उठने लगी है कि अमेरिका और ईरान का रुख चाहे जो हो, उन्हें वैश्विक हित में खुद को नरम करना चाहिए और किसी भी तरह से युद्ध खत्म हो।यह छिपा नहीं है कि इजराइल और अमेरिका के हमले की प्रतिक्रिया में ईरान ने जब होर्मुज जलमार्ग को रोक दिया, तब से भारत सहित दुनिया के कई देशों में प्राकृतिक गैस और तेल की आपूर्ति व्यापक पैमाने पर बाधित हुई है और वहां का जनजीवन बुरी तरह बाधित हुआ है। ये देश युद्ध में शामिल नहीं हैं, लेकिन उसकी मार से पीड़ित हैं।दरअसल, होर्मुज जलमार्ग के जरिए दुनिया के अलग-अलग देशों में बीस फीसद से ज्यादा ऊर्जा की आपूर्ति होती है। मगर जब से इस मार्ग को बाधित किया गया है, लगभग सभी प्रभावित देशों में लोग न केवल रसोई गैस और पेट्रोल-डीजल के संकट का सामना कर रहे हैं, बल्कि रोजमर्रा की जरूरतों के सभी सामान के महंगे होने का दंश भी झेल रहे हैं। इस बीच पाकिस्तान की मध्यस्थता में इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत भी हुई, मगर वह आखिर विफल रही। अब वैश्विक स्तर पर यह उम्मीद की जा रही है कि अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध को खत्म करने के लिए फिर से बातचीत आगे बढ़े।अफसोस की बात यह है कि एक ओर अमेरिकी नौसेना की ओर से ईरानी जहाज जब्त करने से लेकर युद्धविराम खत्म होने के बाद ईरान पर ढेरो बम गिराने के ट्रंप की धमकी सामने आ रही है, तो दूसरी ओर अमेरिकी हरकतों को युद्धविराम का उल्लंघन बताते हुए ईरान ने भी वार्ता के अगले दौर में हिस्सा लेने को लेकर अनिच्छा जाहिर की है। सवाल यह है कि युद्धविराम पर सहमत होने के बावजूद अमेरिका की ओर से ऐसे आक्रामक बयान क्यों जारी किए जा रहे हैं और कूटनीतिक स्तर पर बातचीत को आगे बढ़ाने के प्रति गंभीरता क्यों नहीं दिखाई जा रही है।इस तरह के तीखे तेवरों का हासिल यह सामने आ रहा है कि रविवार को भी कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में भारी उछाल दर्ज किया गया। इसके अलावा भी ईरान सहित खाड़ी देशों के तेल ठिकानों पर जिस पैमाने के हमले हुए हैं, उनका असर वैश्विक तेल कीमतों पर पड़ना तय है। इससे ज्यादा त्रासद यह है कि इस सबका वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दीर्घकालिक असर पड़ेगा, जिससे उबरना सभी देशों के लिए चुनौती साबित हो सकता है। एक तरह से स्पष्ट और दूरगामी विपरीत प्रभाव की आशंका के बावजूद युद्ध की स्थिति को बनाए रखने का क्या औचित्य है?

सियासत में उलझी महिला भागीदारी, भंवर में 'नारी शक्ति'

भारतीय स्त्री का बिंब जो जीवन के यथार्थ से लेकर साहित्य में चित्रित होता रहा है, उसमें शक्ति के पूजन से लेकर मुक्तिवाहिनी तक की तस्वीर उभरती है। बदलते भारत में महिला, उसकी योग्यता और शक्ति एक बिल्कुल अलग वजूद रखती है, मगर उसे पुरुष वर्चस्ववादी समाज में आज भी समान अधिकार के साथ जगह नहीं मिल पाई है। महिलाओं ने जीवन के हर क्षेत्र में अपने आप को सिद्ध किया है, फिर भी पूर्वाग्रह से ग्रसित दृष्टि उन्हें पुरुषों के बराबर खड़ा होने में कई तरह की रुकावटें पैदा करती है। महिलाओं के अपहरण, बलात्कार और घरेलू हिंसा की घटनाएं आए दिन सामने आती रहती हैं।

(सुरेश सेठ)

यह भारतीय राजनीतिक की एक अजब विसंगति रही है कि स्थानीय निकायों के चुनावों में तो महिलाओं को आरक्षण का अधिकार वर्षों पहले मिल गया था, लेकिन संसद और विधानसभाओं में उनका यह हक आज भी सियासत के दांवपेच में फंसा हुआ है, जिस कारण देश की राजनीति में महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिल पा रहा है।

भारतीय स्त्री का बिंब जो जीवन के यथार्थ से लेकर साहित्य में चित्रित होता रहा है, उसमें शक्ति के पूजन से लेकर मुक्तिवाहिनी तक की तस्वीर उभरती है। बदलते भारत में महिला, उसकी योग्यता और शक्ति एक बिल्कुल अलग वजूद रखती है, मगर उसे पुरुष वर्चस्ववादी समाज में आज भी समान अधिकार के साथ जगह नहीं मिल पाई है। महिलाओं ने जीवन के हर क्षेत्र में अपने आप को सिद्ध किया है, फिर भी पूर्वाग्रह से ग्रसित दृष्टि उन्हें पुरुषों के बराबर खड़ा होने में कई तरह की रुकावटें पैदा करती है। महिलाओं के अपहरण, बलात्कार और घरेलू हिंसा की घटनाएं आए दिन सामने आती रहती हैं।

विभिन्न सर्वेक्षणों से पता चलता है कि अस्पतालों एवं स्वास्थ्य केंद्रों से गायब होने वाले बच्चों में लड़कों के बजाय लड़कियों की संख्या अधिक है, क्योंकि बाद में उन्हें देह व्यापार में धकेल दिया जाता है। देश में हाल के वर्षों में स्त्री को उसका हक देने की बातें विभिन्न स्तरों पर जोर-शोर से की जा रही हैं। कहा जाता है कि महिलाओं ने शिक्षा के क्षेत्र से लेकर खेल के मैदान और प्रशासनिक व्यवस्था में अपनी योग्यता का लोहा मनवाया है, इसके बावजूद अधिकारों के मामले में ये आज भी पिछड़ी हुई हैं। प्रशस्ति और उपेक्षा का यह एक अजब संगम कई सवाल खड़े करता है।

हाल ही में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 को पारित करने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाया गया। इस विधेयक में विधायिका में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण और परिसीमन के जरिए लोकसभा में सदस्यों की संख्या बढ़ाने का प्रावधान किया गया है। मगर इस विधेयक को सदन का जरूरी दो तिहाई बहुमत नहीं मिल पाने से यह पारित नहीं हो पाया। इसके लिए अब सत्तापक्ष और विपक्ष एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं, लेकिन असल में हुआ वही, जो पहले से होता आया है।

महिलाओं को विधायिका में आरक्षण से संबंधित नारी शक्ति वंदन अधिनियम वर्ष 2023 में संसद में पारित किया गया था, तब से लेकर वह लागू होने की बाट जोह रहा था। यानी राजनीति में महिलाओं को उचित भागीदारी देने का अधिकार खुद सियासत में ही उलझकर रह गया है। जब संसद में पहली बार यह विधेयक पेश किया गया था, तो इसे एक ऐसा असाधारण और प्रगतिशील कदम माना जा रहा था, जिसके जरिए सदियों से की जा रही महिलाओं की उपेक्षा को खत्म करने की राह खुल जाती। हालांकि तब यह विधेयक संसद में पारित भी हो गया, लेकिन अब करीब तीन वर्ष बाद इसे संशोधित रूप में पेश किया गया, जिसका हासिल शून्य रहा।

सत्तापक्ष की ओर से कहा जा रहा है कि अगर नई जनगणना के आंकड़ों के आधार पर परिसीमन आयोग की रपट का इंतजार किया जाता, तो वर्ष 2029 में अगले लोकसभा चुनाव में महिलाओं के लिए तैंतीस फीसदी आरक्षण का प्रावधान लागू कर पाना संभव नहीं था, इसलिए सरकार की ओर से संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 लाया गया। मगर विपक्ष के अपने सवाल और आपत्तियां हैं, जिन पर आगे भी बहस जारी रहेगी। लेकिन असल मुद्दा यह है कि वर्तमान में देश के कुल मतदाताओं में महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग आधी है और इस लिहाज से जब तक विधायिका में उनकी भागीदारी नहीं बढ़ाई जाती है, तब तक राष्ट्र के समावेशी विकास का संकल्प भी अधूरा ही रहेगा।

यह भारतीय राजनीतिक की एक अजब विसंगति रही है कि स्थानीय निकायों के चुनावों में तो महिलाओं को आरक्षण का अधिकार वर्षों पहले मिल गया था, लेकिन संसद और विधानसभाओं में उनका यह हक आज भी सियासत के दांवपेच में फंसा हुआ है, जिस कारण देश की राजनीति में महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिल पा रहा है।

यह सवाल भी महत्वपूर्ण है कि क्या महिलाओं के लिए सिर्फ विधायिका और स्थानीय निकायों में आरक्षण का प्रावधान किए जाने से राष्ट्र के निर्माण में उनकी समान भागीदारी सुनिश्चित हो पाएगी? क्या शिक्षा एवं स्वास्थ्य से लेकर प्रशासनिक ढांचे तक में महिलाओं के लिए पर्याप्त अवसर सृजित किए जाने की जरूरत नहीं है? उच्च शिक्षा के मामले में पुरुषों के मुकाबले महिलाओं की औसत दर आज भी बहुत कम है। इसी तरह सरकारी महकमों में भी महिला कर्मियों की संख्या पुरुषों की तुलना में बेहद कम है। विभिन्न सर्वेक्षणों और अध्ययनों से पता चलता है कि महिलाओं के काम करने के अवसरों में अपेक्षाकृत वृद्धि नहीं हुई है। कोरोनाकाल के दौरान नौकरी छिन जाने पर शहरों से गांवों की ओर लौटे पुरुषों को तो पुनः नौकरियां देने का अभियान चलाया गया, लेकिन महिलाएं इस मामले में भी पीछे रह गईं।

यह भी सच है कि घर के कामकाज से लेकर खेती में अहम भूमिका निभाने वाली महिलाओं के श्रम की कहीं गिनती ही नहीं हो पाती है। शहरों में लघु एवं कुटीर उद्योगों से लेकर बड़े उद्योगों में काम करने वाली महिलाओं को आज भी पुरुषों के मुकाबले कम वेतन मिलता है और उन्हें अहम जिम्मेदारियों का काम देने से भी परहेज किया जाता है। इस तरह के पक्षपात को क्या महिलाओं के लिए अवसर के रूप में देखा जा सकता है। यहां तक कि सेना में भी नारी शक्ति को कम करके आंका जाता रहा है और उनके लिए स्थायी कमीशन से लेकर पदोन्नति के रास्ते भी अब जाकर खुले हैं। नारी शक्ति अगर यह मांग करती है कि युद्ध के अग्रिम दस्तों में उनके बल का इस्तेमाल भी उसी तरह होना चाहिए जैसे पुरुषों का होता है, तो इसे सकारात्मक दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए।

हालांकि, इसमें दोराय नहीं कि अगर स्थानीय निकायों की तर्ज पर विधायिका में भी महिलाओं को तैंतीस फीसदी आरक्षण की व्यवस्था लागू हो जाती है, तो यह महिला समाज को उचित प्रतिनिधित्व देने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। मगर, यह तभी संभव होगा, जब सभी दल अपनी राजनीतिक विचारधारा से ऊपर उठकर समाज के समावेशी उत्थान के लिए काम करेंगे। इससे महिलाओं में न केवल बढ़चढ़ कर मतदान करने का उत्साह पैदा होगा, बल्कि देश की विधानसभाओं और संसद में भी ये अपनी योग्यता और कौशल का योगदान दे सकेंगी।

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में देखें तो, राज्य या केंद्रीय मंत्रिमंडल में महिलाओं की भागीदारी नाममात्र की है। मगर, जब महिलाएं अपने लिए आरक्षित सीटों पर चयनित होकर आगे आएंगी, तो अवश्य ही देश की राजनीति का चेहरा बदलेगा। अभी महिलाओं से जुड़े कई ऐसे मसले हैं, जिन्हें संसद और विधानसभाओं में आवाज ही नहीं मिल पाती है, और अगर कोई मसला उठाया भी जाता है, तो महिला प्रतिनिधियों की संख्या कम होने की वजह से वह शोर-शराबे में दब जाता है। इसलिए जरूरी है कि राजनीति के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण के अन्य कार्यों में भी महिलाओं की उचित भागीदारी को प्राथमिकता दी जाए, ताकि उन्हें ये अधिकार मिल सकें, जिसकी वे हकदार हैं। सिर्फ घोषणाओं और नारों से महिला सशक्तीकरण नहीं होगा, बल्कि जमीनी स्तर पर बदलाव लाने के लिए उन्हें पूरी तरह लागू करने की हर मोर्चे पर इच्छाशक्ति दिखानी होगी।

मरम्मत की संस्कृति बनाम बदलाव की अंधी दौड़

(खुशी श्रीवास्तव)

पहले लोग खराब हुई चीजों को मैकेनिक से ठीक कराना पसंद करते थे, लेकिन आज बाजार की बहुलता के कारण लोग पुरानी चीज को सुधारने के बजाय नई वस्तु खरीदना बेहतर समझते हैं। आधुनिक समाज में तेजी से बढ़ती इस इस्तेमाल करो और फेंको की प्रवृत्ति। आम तौर पर हमारी सामान्य स्मृतियों में पंसारी, चाय और कपड़े की दुकानों के साथ कुछ हल्की-मध्यम रोशनी में डूबी, पुरानी तारों, मोटरों, टीवी और फ्रिज के खुले-बिखरे पुर्जों से भरी किसी मैकेनिक की छोटी-सी दुकान के दृश्य भी कहीं बसे हुए हैं। दीवार पर टंगी कुछ फीकी पड़ चुकी तस्वीरें, औजारों से भरा एक बक्सा, और कहीं कोने में बजता हुआ कोई पुराना रेडियो और अपनी किसी बिगड़ी हुई चीज के ठीक होने के इंतजार में वहां बैठकर ऊबता हुआ कोई ग्राहक, मानो समय वहां ठहरकर बैठ गया हो।

एक समय था जब रोजमर्रा की जरूरतों में गली में इन दुकानों का होना उतना ही स्वाभाविक था, जितना घर में एक पंखे या घड़ी का होना। रात-बिरात बिगड़े हुए पंखे या अचानक बंद हो गए टीवी के लिए उस व्यक्ति को ढूंढ लिया जाता था, जिसे इस्त्री, रेडियो से लेकर हर दूसरी चीज को ठीक करने का हुनर आता था। बिगड़ी हुई चीजों को उस व्यक्ति के पास ले जाने में एक अजीब-सी निश्चितता होती थी कि इन्हें ठीक किया जा सकता है। जोड़-तोड़ और सुधार की प्रवृत्ति लंबे समय से यहां की संस्कृति का हिस्सा रही है। आज के समय में यह दृश्य तेजी से बदलता हुआ दिखाई देता है। कपड़ों, उपकरणों और दैनिक उपयोग की चीजों की बहुलता से चमचमाते बाजारों में किसी वस्तु के बिगड़ने पर पहला विचार उसे ठीक कराने का नहीं, बल्कि उसे बदल देने का आता है, एक चीज के रहते हुए उसके बाद, उसकी जगह लिए जाने वाले सामान की कल्पना पहले ही कर ली जाती है। लगातार नए रुझानों के बीच, जो कपड़े कुछ समय पहले तक सामान्य उपयोग में थे, वे बहुत जल्दी ही पुराने और अप्रासंगिक मान लिए जाते हैं।

परिणामस्वरूप, बड़े पैमाने पर ये कचरे के ढेरों और 'लैंडफिल' यानी कचरापट्टी क्षेत्र में पहुंचते हैं। यह बदलाव केवल सुविधा का परिणाम नहीं है। निस्संदेह, तकनीकी विकास ने ऐसी स्थितियां निर्मित की हैं, जहां नई चीज या नई वस्तु प्राप्त करना पहले की तुलना में अधिक आसान हो गया है। मगर यह भी उतना ही सत्य है कि इस सहजता ने हमारे निर्णय लेने के तरीकों को बदल दिया है। जो चीज कुछ समय और ध्यान देकर सुधारी जा सकती थी, अब वे उतने धैर्य की मांग करती हुई प्रतीत होती हैं, जितना हम देना नहीं चाहते।

असुविधा या असंतोष की स्थिति में ठहरकर समाधान खोजने के बजाय उससे बाहर निकलने की प्रवृत्ति अधिक सहज लगने लगी है। विकल्पों की उपलब्धता ने इसे और अधिक आसान बना दिया है। यही प्रवृत्ति धीरे-धीरे निजी जीवन और संबंधों में भी दिखाई देने लगी है। किसी असहमति या असुविधा की स्थिति में ठहरकर उसे समझने के बजाय रिश्ते से बाहर निकलना और छोड़ना या बदल देना अधिक सहज प्रतीत होने लगा है।

किसी भी संबंध में थोड़ी-सी संघर्ष की प्रक्रिया, कुछ ठहराव और समय के साथ आने वाली गहराई ही अपनापन और जुड़ाव विकसित करती है। इसके विपरीत, बार-बार बदलाव और नए संबंधों की ओर बढ़ना, भले ही क्षणिक नवीनता दे, पर भीतर कहीं एक प्रकार की रिक्तता छोड़ जाता है। ऐसे में केवल बाजार को प्रभाव उत्पन्न करने वाली शक्ति मान लेना पर्याप्त नहीं है। वह जितना समाज के व्यवहार को प्रभावित करता है, उतना ही समाज के भीतर मौजूद प्रवृत्तियों से संचालित भी होता है। इसलिए बदलती आदतों और बढ़ती प्रतिस्थापन-प्रवृत्ति के पीछे केवल बाजार नहीं, बल्कि समाज की स्वीकृति और उसकी अंतर्निहित प्रवृत्तियां भी शामिल हैं। सूक्ष्मता से अवलोकन किया जाए तो इस संपूर्ण द्वंद्व के केंद्र में केवल मनुष्य ही खड़ा है। भौतिक वस्तुओं और बुनियादी जरूरतों को तुरंत बदल देने की जो प्रवृत्ति फैली है, अब वह धीरे-धीरे व्यक्तिगत संबंधों के गहरे दायरे में भी प्रवेश कर चुकी है। तात्कालिक संतुष्टि की यह अंधी दौड़ केवल वस्तुओं तक सीमित न रहकर मनुष्य की आंतरिक शांति को भी लील रही है। यह कह पाना बहुत कठिन है कि प्रतिस्थापन की यह प्रवृत्ति भविष्य में जीवन के और किन-किन पहलुओं में घुसपैठ करेगी और पहले से ही संकट झेल रही प्रकृति तथा मानवीय अस्तित्व को और कितना नष्ट करेगी। विडंबना यह है कि आज वही मनुष्य इस पूरे द्वंद्व के बीच संघर्ष कर रहा है, जिसे जीवित रहने के लिए आत्मीयता, प्रेम और शांति की अनिवार्य आवश्यकता है। यह समझे जाने की बहुत जरूरत है कि स्वयं मनुष्य भी बदलाव की इस अंधी प्रवृत्ति के साथ अधिक समय तक स्वस्थ नहीं रह सकता। निरंतर और अकारण बदलाव की इस उत्कंठा के साथ जीवन का निर्वाह हमेशा के लिए संभव नहीं है। जीवन के इन बुनियादी तत्वों को समझने की अक्षमता के कारण ही आज असंख्य लोग मानसिक अशांति और असुरक्षा की ओर बढ़ रहे हैं।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता- सुविधा का वरदान या मूल्यों का संकट

मानव सभ्यता के विकास का इतिहास यदि देखा जाए तो यह स्पष्ट होता है कि हर नई तकनीक अपने साथ संभावनाओं और संकटों का एक द्वंद्व लेकर आती है। आज का समय भी इसी द्वंद्व से गुजर रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के रूप में विकसित हो रही नवीन तकनीक ने जीवन को सरल, तीव्र और सुविधाजनक बनाया है, किंतु इसके साथ ही यह मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक संतुलन के लिए एक गंभीर चुनौती भी बनकर उभर रही है। समाज के चिंतकों, दार्शनिकों और आध्यात्मिक नेतृत्व ने समय-समय पर इस विषय पर चिंता व्यक्त की है और हाल ही में पोप लियो 14 द्वारा व्यक्त आशंकाओं ने इस चिंता को वैश्विक विमर्श का केंद्र बना दिया है।

(ललित गर्ग)

पर्यावरणीय दृष्टि से भी यह तकनीक पूरी तरह निर्दोष नहीं है। विशाल आंकड़ा केंद्रों की स्थापना, ऊर्जा की अत्यधिक खपत, तथा खनिज संसाधनों का दोहन-ये सभी प्रकृति पर अतिरिक्त दबाव डालते हैं। कोबाल्ट और लिथियम जैसे खनिजों की बढ़ती मांग पर्यावरणीय असंतुलन और मानवीय शोषण दोनों को जन्म देती है।

मानव सभ्यता के विकास का इतिहास यदि देखा जाए तो यह स्पष्ट होता है कि हर नई तकनीक अपने साथ संभावनाओं और संकटों का एक द्वंद्व लेकर आती है। आज का समय भी इसी द्वंद्व से गुजर रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के रूप में विकसित हो रही नवीन तकनीक ने जीवन को सरल, तीव्र और सुविधाजनक बनाया है, किंतु इसके साथ ही यह मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक संतुलन के लिए एक गंभीर चुनौती भी बनकर उभर रही है। समाज के चिंतकों, दार्शनिकों और आध्यात्मिक नेतृत्व ने समय-समय पर इस विषय पर चिंता व्यक्त की है और हाल ही में पोप लियो 14 द्वारा व्यक्त आशंकाओं ने इस चिंता को वैश्विक विमर्श का केंद्र बना दिया है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि इस तकनीक का उपयोग नैतिक मर्यादाओं से परे जाकर किया गया, तो यह विश्व में विभाजन, भय, हिंसा और संघर्ष को बढ़ावा दे सकती है। यह चेतावनी केवल एक धार्मिक नेता की भावनात्मक प्रतिक्रिया नहीं है, बल्कि यह उस गहरी चिंता का संकेत है जो आज पूरी मानवता के भीतर कहीं न कहीं विद्यमान है। तकनीक अपने आप में न तो नैतिक होती है और न ही अनैतिक, किंतु उसका उपयोग उसे किसी भी दिशा में ले जा सकता है।

वर्तमान समय में यह देखा जा रहा है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग केवल रचनात्मक और सकारात्मक कार्यों तक सीमित नहीं रह गया है। इसके माध्यम से झूठी सूचनाओं का निर्माण, नकली चित्रों और ध्वनियों का सृजन तथा जनमत को प्रभावित करने के प्रयास तेजी से बढ़े हैं। चुनावी प्रक्रियाओं में इसका उपयोग लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर कर सकता है। जब कोई मतदाता यह समझ ही नहीं पाता कि जो वह देख रहा है या सुन रहा है वह सत्य है या निर्मित भ्रम, तब उसकी निर्णय क्षमता प्रभावित होती है। यह स्थिति लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति विश्वास को कमजोर करती है। आज सोशल माध्यमों पर ऐसी अनेक घटनाएँ सामने आती हैं, जहाँ किसी व्यक्ति को नरेंद्र मोदी जैसे बड़े नेताओं के साथ दिखाया जाता है, जबकि वास्तविकता में ऐसा कभी हुआ ही नहीं होता। यह केवल व्यक्तिगत भ्रम नहीं, बल्कि सामाजिक स्तर पर विश्वास की संरचना को कमजोर करने वाला प्रवाह है। जब झूठ और सत्य के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब समाज में संशय, अविश्वास और अस्थिरता का वातावरण बनता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का एक और चिंताजनक पक्ष है साइबर अपराधों में इसका बढ़ता उपयोग। आज अपराधी किसी व्यक्ति की आवाज की नकल करके उसके परिचितों को धोखा देने में सक्षम हो गए हैं। परिवार के सदस्य या अधिकारी बनकर धन की ठगी करना अब अत्यंत सरल हो गया है। इस प्रकार की घटनाओं ने अनेक लोगों की जीवन भर की कमाई को पल भर में समाप्त कर दिया है। यह केवल आर्थिक क्षति नहीं, बल्कि विश्वास और सुरक्षा की भावना पर गहरा आघात है। वित्तीय क्षेत्र में भी इस तकनीक का दुरुपयोग गंभीर संकट उत्पन्न कर सकता है। स्वचालित हमलों के माध्यम से बैंकिंग व्यवस्था की कमजोरियों का लाभ उठाया जा सकता है। यदि इस प्रकार के हमले व्यापक स्तर पर होते हैं, तो यह केवल व्यक्तिगत हानि तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि राष्ट्रीय और वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी अस्थिर कर सकते हैं। यह स्थिति उस समय और भी गंभीर हो जाती है जब नियामक संस्थाएँ इन जटिल तकनीकों की गति और स्वरूप को समझने में पीछे रह जाती हैं।

पर्यावरणीय दृष्टि से भी यह तकनीक पूरी तरह निर्दोष नहीं है। विशाल आंकड़ा केंद्रों की स्थापना, ऊर्जा की अत्यधिक खपत, तथा खनिज संसाधनों का दोहन-ये सभी प्रकृति पर अतिरिक्त दबाव डालते हैं। कोबाल्ट और लिथियम जैसे खनिजों की बढ़ती मांग पर्यावरणीय असंतुलन और मानवीय शोषण दोनों को जन्म देती है। इस प्रकार यह तकनीक केवल सामाजिक या नैतिक ही नहीं, बल्कि पर्यावरणीय चुनौती भी बन रही है। इन सभी चिंताओं के बीच यह समझना आवश्यक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता को नकारा नहीं जा सकता। यह आधुनिक जीवन का अभिन्न अंग बन चुकी है और चिकित्सा, शिक्षा, आपदा प्रबंधन तथा उत्पादन के क्षेत्र में इसके योगदान को अनदेखा नहीं किया जा सकता। समस्या तकनीक में नहीं, बल्कि उसके उपयोग के स्वरूप में है। यदि इसे मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ जोड़ा जाए, तो यह एक वरदान सिद्ध हो सकती है।

इसके लिए सबसे पहले आवश्यक है कि इसके विकास और उपयोग के लिए स्पष्ट और सशक्त नियम बनाए जाएं। सरकारों और संस्थाओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस तकनीक का उपयोग पारदर्शी, सुरक्षित और उत्तरदायी तरीके से हो। कंपनियों को अपने तंत्र में ऐसी व्यवस्थाएँ विकसित करनी चाहिए, जिससे किसी भी प्रकार की भ्रामक सामग्री की पहचान और नियंत्रण संभव हो सके। साथ ही नागरिकों की जागरूकता भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। डिजिटल साक्षरता के बिना कोई भी समाज इस चुनौती का सामना नहीं कर सकता। लोगों को यह समझना होगा कि जो कुछ वे देख या सुन रहे हैं, वह हमेशा सत्य नहीं हो सकता। सत्यापन की प्रवृत्ति को विकसित करना समय की आवश्यकता है। नैतिकता के स्तर पर यह भी आवश्यक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रशिक्षण के लिए उपयोग किए जाने वाले आंकड़े निष्पक्ष और उच्च गुणवत्ता वाले हों। यदि आधार ही पक्षपाती होगा, तो परिणाम भी पक्षपाती होंगे। इससे सामाजिक असमानता और भेदभाव को बढ़ावा मिल सकता है। इसलिए निष्पक्षता, पारदर्शिता, गोपनीयता और उत्तरदायित्व जैसे सिद्धांतों को इसके विकास का आधार बनाना होगा।

सांस्कृतिक दृष्टि से भी यह ध्यान रखना आवश्यक है कि तकनीकी विकास हमारी परंपराओं और मूल्यों के साथ संतुलन बनाए रखे। हमारी सांस्कृतिक धरोहर का डिजिटलीकरण और संरक्षण इस दिशा में एक सकारात्मक कदम हो सकता है, किंतु यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इसका उपयोग सम्मानपूर्वक और संवेदनशीलता के साथ किया जाए। साररूप में यह कहा जा सकता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक शक्तिशाली साधन है, जो मानव जीवन को नई दिशा दे सकता है। किंतु यदि इसे नैतिकता से अलग कर दिया जाए, तो यह उसी गति से विनाश का कारण भी बन सकता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम तकनीक के विकास के साथ-साथ अपने नैतिक मूल्यों को भी सुदृढ़ करें। विज्ञान और मानवीय संवेदना के बीच संतुलन ही वह मार्ग है, जो हमें सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की ओर ले जा सकता है। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

संक्षिप्त समाचार

समेली चांदपुर चौक में आग, 600 बोरा आलू जलकर राख

समेली/कटिहार (नबिटासं)। समेली प्रखंड अंतर्गत चांदपुर चौक में बीती रात भीषण आगलगी की घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। पंचायत समिति सदस्य रेणु देवी के बासा कामत पर रखे करीब 600 बोरा आलू जलकर पूरी तरह राख हो गया। जिससे लगभग 3 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। जानकारी के अनुसार यह घटना पोठिया थाना क्षेत्र के पूर्वी चांदपुर पंचायत स्थित चांदपुर चौक की है। बताया जाता है कि पंचायत समिति सदस्य रेणु देवी के पति धीरेन्द्र कुमार यादव के बासा पर रखे आलू में देर रात करीब 12:15 बजे अचानक आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि जब तक स्थानीय लोग कुछ समझ पाते और बुझाने का प्रयास करते, तब तक पूरा बासा आग की चपेट में आ चुका था। ग्रामीणों ने अपने स्तर से आग बुझाने की काफी कोशिश की, लेकिन संसाधनों के अभाव में आग पर काबू नहीं पाया जा सका। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग की लपटें इतनी तेज थीं कि आलू से भरे बोरे धू-धू कर जलते रहे और देखते ही देखते सब कुछ राख में तब्दील हो गया। इस हादसे में पीड़ित परिवार की महीनों की मेहनत एक ही रात में बर्बाद हो गई। पीड़ित परिवार ने इस मामले को लेकर जिला प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है। उन्होंने कटिहार के जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक से निष्पक्ष जांच और उचित मुआवजा देने की मांग की है। इस संबंध में पोठिया थाना अध्यक्ष नवीन कुमार ने बताया कि पीड़ित पक्ष द्वारा आवेदन दिया गया है और मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कुष्ठ रोगी खोजी अभियान के अंतर्गत विशेष कैंप का आयोजन

अररिया (नबिटासं)। विभागीय निर्देश के आलोक में कुष्ठ रोगी खोजी अभियान के तहत प्रखंड के बोकांतरी में मुसहर समुदाय के बीच विशेष कैप का आयोजन किया गया। मुसहर समुदाय (महादलित) के बीच कुष्ठ रोग के छुपे हुए मामलों को खोजने और समय पर इलाज सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा विशेष शिविर और सघन कुष्ठ खोज अभियान चलाया गया। इस मौके पर आरबीएसके टीम के डा फराज अंजुम, टीएफआईटी के केएन दास गुप्ता, फरमाशिष्ट विजय यादव, एएनएम विभा कुमारी सहित अन्य शामिल रहे। इस दौरान शिविर में त्वचा की जांच की गई, और मामलों के पुष्ट होने पर निःशुल्क दवाएं उपलब्ध कराई गई। इसमें संचारी रोगों से बचाव का सुझाव देने के साथ-साथ मरीजों का उपचार कर दवा दी गई। इस गांव की मुसहर बस्ती में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, दिमागी बुखार, टीबी, कुष्ठ रोग सहित अन्य बीमारियों की जांच की। राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य विभाग द्वारा घर-घर जाकर कुष्ठ रोगियों की पहचान, निःशुल्क जांच और समय पर उपचार सुनिश्चित करने पर बल दिया गया। बताया गया कि मुसहर और आदिवासी समुदाय के वंचित क्षेत्रों में छुपे हुए कुष्ठ रोगियों को खोजना और उन्हें विकलांगता से बचाने पर आधारित है।

पिकअप बस की टक्कर में दिवंगत लोगों के परिजनों से मिले एसटी आयोग के सदस्य

कटिहार ग्रामीण (नबिटासं)। राज्य एसटी आयोग के सदस्य तल्लु बास्की विगत दिनों पूर्णियां गेडाबाडी मार्ग पर कोढा के पास पिकअप व बस की भीषण टक्कर में हुई दर्जनों आदिवासी समुदाय के लोगों की दर्दनाक मौत हो गयी थी। इस दर्दनाक हादसे में झारखंड से पूजा अनुष्ठान कर वापस लौट रहे चौदह से अधिक आदिवासी समुदाय के लोगों की मौत हो गयी थी। गुरुवार को राज्य एसटी आयोग के सदस्य तल्लू बासकी ने पूर्णियां व कटिहार जिले के विभिन्न भागों का दौराकर इस घटना इस घटना में दिवंगत हुए लोगों के परिजनों से मिलकर संवेदना प्रकट की। श्री बासकी ने कहा की इस घटना में दिवंगत हुए परिवारों को सरकार द्वारा दी जानेवाली सुविधाएं तथा जख्मी लोगों को हर संभव सहायता दी जाएगी। कहा अनुसूचित जनजाति समाज के उन्नयन व इनके सामाजिक, आर्थिक पिछडेपन को दूर करने में डब्ल ईंजन की भाजपा सरकार संकल्पित है।इस दौरान उन्होंने पूर्णियां, किशनगंज जिले के विभिन्न आदिवासी बहुल क्षेत्रों का दौराकर सरकार द्वारा उपलब्ध करायी जा रही योजनाओं की धरातलीय स्थिति की जानकारी ली। इस मौके पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के महामंत्री मो नसीम,सूरज हांसदा,योगेन्द्र चौडे,दीपक कुमार गुप्ता सहित संबंधित विभाग के अधिकारी साथ रहे ।

बजरंगबली मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर पांच दिवसीय अनुष्ठान शुरू

फलका/कटिहार (नबिटासं)। प्रखंड क्षेत्र के मोरसंडा पंचायत गांव में बजरंगबली प्रतिमा को मंदिर में स्थापित को लेकर कलश यात्रा निकाली गई। मोरसंडा पंचायत हटीया के समीप बजरंगबली मंदिर में जीर्णोद्धार के बाद प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर पांच दिवसीय अनुष्ठान प्रारंभ हुआ। पहले दिन कलश शोभायात्रा निकाली गई। कलश शोभायात्रा गांव के मंदिर से निकली। पंडित द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ कलश पूजन के बाद शोभायात्रा गांव का भ्रमण किया गया। इस मंदिर में बजरंग बली की प्रतिमा स्थापित की जा रही है। ग्रामीणों ने कन्याओं का अभिवादन किया। कन्याओं ने सिर पर कलश धारण करते हुए गांव वासियों को आमंत्रण दिया धर्म की जय हो अधर्म का नाश हो प्राणियों में सद्भावना हो विश्व का कल्याण हो भाव के साथ सिर पर कलश धारण करते हुए बजरंगबली मंदिर पहुंचा कन्या ने मंडप पर कलश को रखा। कार्यक्रम को लेकर पूरे गांव में भक्तिमय वातावरण छा गया। गांव वासियो द्वारा स्थापित बजरंगबली मंदिर को जीर्णोद्धार करा कर रविवार को प्राण प्रतिष्ठान संपन्न होगा। पांच दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान मे बुधवार जल यात्रा पंचांग पूजन गुरुवार को जलधिवास अन्नधिवास एवं श्री राम कथा शुक्रवार को वस्त्राधिवास द्रविधाधिवास पुष्पाधिवास श्री राम कथा शनिवार नगर भ्रमण शयन विश्राम एवं श्री राम कथा रविवार को प्राण प्रतिष्ठा अग्निवास हवन पूर्णाहुती प्रसाद वितरण एवं भंडारा एवं संपन्न किया जाएगा मौके पर कोढ़ा विधायक कविता पासवान, प्रखंड प्रमुख दीपशिखा सिंह, जिला परिषद सदस्य गायत्री कुमारी जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि मनोज मंडल उप प्रमुख प्रतिनिधि इरशाद आलम भाजपा प्रखंड अध्यक्ष परमानंद शर्मा ग्रामीण प्रखंड अध्यक्ष अनुज कुमार मंडल भाजपा के शंभु प्रसाद साह पंचायत समिति लखन देव ठाकुर मनोज मंडल पंचायत समिति प्रतिनिधि पिंटू यादव मोरसंडा पंचायत के सभी ग्राम वासी बजरंगबली प्रतिमाओं स्थापित एवं शोभा यात्रा में सभी का सहयोग एवं उपस्थित रहे।

धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता संग्राम के महानायक वीर योद्धा कुंवर सिंह का विजय उत्सव

कटिहार (नबिटास)। बाबू वीर कुंवर सिंह इंडोर स्टेडियम के प्रांगण में बाबू वीर कुंवर सिंह सेवा परिषद के नेतृत्व में स्वतंत्रता संग्राम के महानायक वीर योद्धा कुंवर सिंह का विजय उत्सव कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया। बाबू वीर कुंवर सिंह सेवा परिषद के पदाधिकारीों,क्षत्रिय संगठनों के प्रतिनिधियों के अलावा नगर निगम के महापौर श्रीमती उषा देवी अग्रवाल, जिला परिषद अध्यक्ष श्रीमती रश्मि सिंह सहित दर्जनों स्वयंसेवी संस्थाओं ने बाबू वीर कुंवर सिंह के आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके बलिदानों को याद किया और उनको नमन किया। माल्यार्पण कार्यक्रम के बाद विजय उत्सव समारोह की अध्यक्षता परिषद के अध्यक्ष विकास सिंह ने की। समारोह में दर्जनों वक्ताओं ने बाबू वीर कुंवर सिंह के बलिदानों को याद कर उनके गाथा के बारे में विस्तार से बताया कार्यक्रम समापन के बाद परिषद की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक कार्यकाल पूरा होने के बाद अध्यक्ष विकास सिंह, सचिव राममूर्ति सिंह एवं कोषाध्यक्ष लालमोहन सिंह ने 3 साल के आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया । जिसे ध्वनि मत से पारित किया गया। बैठक में परिषद के संरक्षक पंकज सिंह ,अरविंद सिंह अधिवक्ता , सचिव राममूर्ति सिंह, कोषाध्यक्ष लालमोहन सिंह,नगर अध्यक्ष मौसम कुमार सिंह,शंभू सिंह महतो, अभिमन्यु सिंह सुनील कुमार सिंह बौआ, जितेंद्र सिंह,राज किशोर सिंह,संजय सिंह,चंदन सिंह, बिप्लव सिंह, एसपी सिंह, प्रेम शंकर सिंह, दिग्विजय सिंह अधिवक्ता, अजीत सिंह,विजय सिंह, कुमार गौरव,भास्कर सिंह,विनय सिंह , पुतुल सिंह मनोज सिंह,कन्हैया सिंह ,राकेश सिंह सत्यम समदर्शी,विवेक सिंह राठौर , कुमार सिंह करण कुमार प्रकाश सिंह विक्कू सिंह,अर्जुन सिंह सहित सैकड़ो परिषद के सदस्य एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पति की हत्या के मामले में पत्नी गिरफ्तार

मनसाही/कटिहार (नबिटासं)। मुफ्सिल थाना क्षेत्र के सिरनिया पूरब पंचायत के गोलाघाट रायटोला में 23 अप्रैल को एक युवक गालिब राय की शव उसके घर से संदिग्ध अवस्था में मिली। पुलिस ने इस मामले में मृतक के मां रकिमा खातून के आवेदन के आलोक में मृतक की पत्नी रोजिया खातून को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

महमूद चौक पर चला बुलडोजर, सड़क अतिक्रमण मुक्त : निगमायुक्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। शहर को जलजमाव की समस्या से मुक्ति दिलाने और ड्रेनेज सिस्टम को सुचारू बनाने के लिए नगर निगम प्रशासन ने अपनी कमर कस ली है। इसी कड़ी में गुरुवार को नगर थाना क्षेत्र के महमूद चौक पर प्रशासन ने अतिक्रमण मुक्त करवाया। भारी पुलिस बल और आला अधिकारियों की मौजूदगी में सड़क किनारे किए गए अवैध निमार्णो को ढाह दिया गया।

वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में हुई कार्रवाई अतिक्रमण हटाओ अभियान का नेतृत्व नगर आयुक्त संतोष कुमार और सदर एसडीओ प्रद्युमन सिंह यादव ने की। कार्रवाई शुरू होते ही इलाके में हड़कंप मच गया। नगर निगम की टीम कई जेसीबी मशीनों के साथ मौके पर पहुंची और देखते ही देखते पक्के निर्माण, अवैध शेड और दुकानों के बढ़े हुए हिस्सों को ध्वस्त कर दिया गया। सदर एसडीएम प्रद्युमन सिंह यादव ने मीडिया से बात करते हुए स्पष्ट किया कि शहर में वॉटर लॉगिंग जलजमाव एक गंभीर समस्या बन चुकी है। उन्होंने बताया कि शहर के महमूद चौक इलाके में अवैध कब्जाधारियों को एक साल पहले ही नोटिस थमाया गया था। बार-बार चेतावनी देने के बावजूद जब अतिक्रमण नहीं हटाया गया, तब प्रशासन को मजबूरी में यह सख्त कदम उठाना पड़ा। प्रभावित शख्स एनुल अंसारी ने प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा कि हमने नगर निगम के नोटिस का जवाब दिया था। लेकिन हमारी दलीलों को अनसुना कर सीधे बुलडोजर चला दिया गया। हालांकि प्रशासन ने इन दावों को खारिज करते हुए कहा कि सार्वजनिक हित और शहर की सफाई व्यवस्था सर्वोपरि है। किसी भी निजी विरोध के कारण पूरे शहर को जलजमाव के नरक में नहीं धकेला जा सकता। आगे भी यह अभियान जारी रहेगा। नगर आयुक्त संतोष कुमार ने कड़े लहजे में चेतावनी दी है कि यह कार्रवाई महज एक शुरूआत है। उन्होंने कहा कि महमूद चौक के बाद अब शहर के अन्य प्रमुख इलाकों को चिह्नित किया गया है। जहां भी सरकारी जमीन या नालों पर कब्जा पाया जाएगा, वहां बिना किसी भेदभाव के बुलडोजर चलेगा। नगर निगम ने आम नागरिकों से अपील किया है कि वे स्वयं ही नालों और सड़कों से अतिक्रमण हटा लें। अन्यथा न केवल उनका निर्माण तोड़ा जाएगा।

जिलाधिकारी ने 7 डीलरों की अनुज्ञप्ति की रद्द 04 से स्पष्टीकरण, 28 पर कार्रवाई के निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया। जिला पदाधिकारी विनोद दूहन के निर्देश पर जिले के सभी प्रखंडों में जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) दुकानों की जांच के बाद सख्त कार्रवाई की गई है। अररिया प्रखंड के झमटा पंचायत स्थित पीडीएस डीलर में भिन्नता पाई गई, जिस पर कार्रवाई करते हुए अनुज्ञप्ति रद्द कर दिया गया है। बसैठी पंचायत के सुयानंद पासवान द्वारा पॉश मशीन की पर्ची नहीं देने के कारण स्टॉक का वास्तविक मिलान नहीं किया जा सका। वहीं, खरहट पंचायत के शंकर

अब्दुल बारी द्वारा जांच के दौरान गोदाम नहीं खोलने पर अनियमितता की आशंका जताते हुए उनकी अनुज्ञप्ति रद्द करने की कार्रवाई की गई है। वहीं, रामानंद रजक की दुकान पारिवारिक कारणों से बंद पाई गई, जिस पर उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया है।

सुनिता कुमारी द्वारा पिछले छह माह से वितरण नहीं करने के आरोप में उनकी अनुज्ञप्ति रद्द कर दी गई। चन्द्रदेई पंचायत के डीलर हेमंत कुमार द्वारा चाबी का बहाना बनाकर गोदाम नहीं खोला गया इनका भी अनुज्ञप्ति रद्द किया गया है। इसी पंचायत के एक अन्य डीलर हेमंत कुमार द्वारा छह माह से वितरण नहीं करने के आरोप में अनुज्ञप्ति रद्द कर दिया गया है। रानीगंज प्रखंड के बसैठी पंचायत में अयोध्या राम के यहां पॉश मशीन और गोदाम के स्टॉक में अंतर पाए जाने तथा गोदाम लगभग खाली मिलने पर अनुज्ञप्ति रद्द कर दी गई। इसी पंचायत के सोचन राम के यहां भी खाद्यान्न कुमार मंडल के यहां पॉश मशीन में दर्ज 598.2 किलोग्राम खाद्यान्न भौतिक रूप से गोदाम में नहीं मिलने पर उनकी अनुज्ञप्ति भी रद्द कर दी गई। फारबिसगंज प्रखंड के पोठिया पंचायत में राजानंद यादव के खिलाफ लाभुक द्वारा कम मात्रा में खाद्यान्न देने की शिकायत पर स्पष्टीकरण मांगा गया है। वहीं, पोठिया पंचायत के मो तालिब नजामी के खिलाफ भी इसी प्रकार की शिकायत मिलने पर उनसे जवाब-तलब किया गया है। इसी प्रकार कुसार्काटा प्रखंड के पीडीएस डीलर राजेश भगत, लैलोखर, धिरेन्द्र कुमार सदा, लैलोखर, विनेश प्रसाद सिंह, लैलोखर, मिथलेश कुमार भगत कुआड़ी, ओम नाथ पासवान, लाल पासवान की दुकान बंद एवं देवी लाल साह कुआड़ी का ई-पॉश मशीन का उपयोग नहीं नहीं करते हुए पाया गया। अररिया प्रखंड के पीडीएस डीलर मो० सादीक पोखरिया का दुकान बंद पाया।

गंगा सप्तमी पर काढ़ागोला घाट पर दीपोत्सव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरार (कटिहार)। गंगा सप्तमी के पावन अवसर पर काढ़ागोला घाट पर गंगा समग्र के स्वयंसेवकों द्वारा दीपोत्सव मनाया गया। हर वर्ष की तरह इस बार भी श्रद्धा और आस्था के साथ आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। गंगा किनारे सैकड़ों दीप जलाकर मां गंगा की आराधना की गई, जिससे पूरा घाट दिव्य रोशनी से जगमगा उठा।इस दौरान बाबा दिवाकर मिश्र द्वारा वैदिक विधि-विधान से गंगा पूजन एवं भव्य गंगा आरती की गई।

आरती के समय गंगा मैया के जयकारों से पूरा वातावरण गूंज उठा और श्रद्धालु भक्ति में लीन नजर आए।इस दौरान कार्यक्रम में जिला सहसंयोजक मनोज साह, घाट प्रमुख राजकुमार साह, राजेश यादव, मनीष रजक, राजा सहित कई स्वयंसेवक मौजूद रहे।जिला संयोजक नवीन चौधरी ह्यबाबाह्ल ने बताया कि वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को माँ गंगा का अवतरण स्वर्ग से पृथ्वी पर हुआ था, जिसे गंगा सप्तमी के रूप में मनाया जाता है। इस दिन गंगा स्नान, पूजा, आरती और दान का विशेष महत्व होता है। मान्यता है कि इस दिन किए गए पुण्य कार्यों से व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है।उन्होंने कहा कि काढ़ागोला घाट एक ऐतिहासिक स्थल है, जिसकी पहचान को पुनर्स्थापित करने एवं माँ गंगा के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए गंगा समग्र लगातार प्रयास कर रहा है।जिला सह संयोजक मनोज साह ने कहा कि जल ही जीवन का आधार है, लेकिन जागरूकता के अभाव में नदियों का जल लगातार प्रदूषित हो रहा है।

दुपट्टा मांगने के विवाद में एक महिला को मारपीट कर किया घायल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही (कटिहार)। प्रखंड क्षेत्र के मरंगी पंचायत के वार्ड संख्या एक रघुनीचक में दुपट्टा मांगने के विवाद में एक महिला की आरोपियों ने जमकर पिटाई कर दी और घटना को अंजाम देने के बाद सभी आरोपी घटनास्थल से चलते बने। स्थानीय लोगों की मदद से घायल महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनसाही में भर्ती कराया । मामले को लेकर घायल महिला ने मनसाही पुलिस को लिखित आवेदन देते हुए आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की मांग की ।

मां के हत्यारे को मिली उम्र कैद की सजा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार कोर्ट । जिला व्यवहार न्यायालय के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुनील कुमार सिंह ने मां की हत्या का दोषी पाते हुए पुत्र मुकेश नोनिया बलतर नयाटोला बारसोई निवासी को आजीवन कारावास की सजा गुरुवार को सुनायी है।साथ ही मामले में पच्चीस हजार रुपए अर्थदंड देने का आदेश भी दिया गया है। अर्थ दंड नहीं देने पर एक वर्ष अतिरिक्त कारावास की सजा भी सुनाई गई है। इस सत्रवाद में अभियोजन की ओर से अपर लोक अभियोजक पंचानंद सिंह थे। जिन्होंने बताया कि इस मामले में आठ गवाही भी हुई है। घटना को लेकर बलतर नया टोला निवासी रूपलाल नोनिया ने अपने मृतक भाई की पत्नी के शव के समीप पुलिस को बयान दिया था कि वह चार भाई है जिसमें से एक भाई शंकर नोनिया की मृत्यु बीस वर्ष पूर्व हो चुकी है। मृतक भाई की पत्नी हेमसारी देवी के साथ उसका पुत्र मुकेश नोनिया रहता था। जो हमेशा अपनी मां को मारने दौड़ता था। इसके बावजूद उसकी मां इधर-उधर से मांग कर भी अपने 25 वर्षीय पुत्र मुकेश की देखरेख करती थी। सूचना मिली कि 30 मार्च 2016 को संध्या चार बजे कुदाल से कटकर मुकेश अपनी मां हेमसरी देवी की हत्या कर दिया है तथा दरवाजे पर खड़ा है। सूचना पर गया तो देखा कि हेमशरी देवी की मृत्यु हो गई है। तथा उसका गला कटा हुआ है। रूपलाल नोनिया के बयान पर प्राथमिक दर्ज करते हुए आरोप पत्र समर्पित किया गया था।

क्षत्रिय समाज ने मनाई बाबू वीर कुंवर सिंह जयंती

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

फारबिसगंज। अररिया जिला क्षत्रिय समाज के तत्वाधान में बाबू वीर कुंवर सिंह जी की जयंती विजयोत्सव के रूप में मनाई गई। एक समारोह का आयोजन कर शहर के फैंसी मार्केट अवस्थित एशियन गेस्ट में इस आयोजन को भव्य बनाया गया। जहां विभिन्न राजनीतिक दलों से जुड़े नेताओं, समाजसेवियों व जनप्रतिनिधियों ने एकत्रित होकर देश की आजादी में अपने अदम्य साहस का परिचय देने वाले देश के सच्चे सपूत की जीवनी पर प्रकाश डाला।

वहीं यहां मौजूद कुंवर सिंह जी की प्रतिमा पर मालार्पण कर उन्हें याद और नमन भी किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अररिया के सांसद प्रदीप कुमार सिंह थे। जबकि मंच संचालन क्षत्रिय समाज के अभिषेक सिंह ने किया। उक्त कार्यक्रम में वक्ताओं के द्वारा एशियन गेस्ट हाउस का नाम बाबू वीर कुंवर सिंह के नाम पर करने तथा इसके सौंदर्यीकरण सहित कुंवर सिंह जी की विशाल प्रतिमा लगाने की मांग की गई। नरपरिषद की मुख्य पार्षद बीना देवी ने अपने संबोधन में इस मौके पर बाबू वीर कुंवर सिंह को नमन करते हुए कहा कि बाबू वीर कुंवर सिंह जी जैसे आजादी के सच्चे योद्धा की देन है कि आज हमलोग आजादी की खुली हवा में सांस ले रहे है। उन्होंने एशियन गेस्ट हाउस का नाम उनके नाम पर करने की मांग पर अपनी सहमति जताई और इसके लिए नगरपरिषद में आवेदन दिलवाने की बात कही। वहीं दधीचि देह दान समिति द्वारा चलाए जा रहे नेत्र दान की मुहिम में अपना रजिस्ट्रेशन अभी ही करवाने की मंशा जाहिर की। वहीं मुख्य अतिथि सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने कहा कि बाबू वीर कुंवर सिंह जी जिनका आज हमलोग जन्मोत्सव मना रहे हैं वे कोई साधारण वीर नहीं थी उनका नाम सुनते ही शरीर का रोंगटा खड़ा हो जाता है। हम इतिहास में पढ़े है कि कैसे उन्होंने अंग्रेजों के छक्के छुड़ा दिए थे आज अगर भारत में लोकतंत्र है हम आजाद हैं।

पटसन की आधुनिक खेती को ले कृषक प्रशिक्षण का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। जिला कृषि सभागार में जिले में पटसन की खेती को बढावा देने के उद्देश्य से एक कृषक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इसमें जिले भर से पटसन की खेती में लगे किसान, एफपीओ, एनजीओ, विषय विशेषज्ञ वैज्ञानिकों ने भाग लिया। प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन आईसीएआर के निदेशक डा. गौरांग कर, संयुक्त निदेशक शष्य पूर्णियां मनोज कुमार, जिला कृषि पदाधिकारी मिथिलेश कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया।

इस मौके पर निदेशक डा.गौरांग कर ने पटसन के लिए बिहार सहित कटिहार की मिट्टी, जलवायु व जल की उपलब्धता को देखते हुए यहां पटसन की खेती की अच्छी संभावना बताया। कहा कि किसान बंधु पटसन की खेती नगदी फसल के रूप मे करते हैं। इसलिए कम लागत मे उन्नत क्वालिटी की पटसन की अधिक ऊपज प्राप्त करने को लेकर आधुनिक रीति से एक कार्य योजना बनाकर खेती करने की अपील की। जानकारी दी कि इस कार्य योजना के तहत पटसन खेती के लिए मिट्टी की ऊर्वरा शक्ति से लेकर इसके तैयार होने, इसके बहुआयामी उपयोग, इसके मूल्यसंवर्धन तक शामिल हैं.केन्द्रीय पटसन एवं संवर्गीय रेशा अनुसंधान के द्वारा किसानों को कम लागत में अधिक पैदावार प्राप्त करने की आधुनिक तकनीक उपलब्ध कराये जाते हैं। बिहार के संदर्भ मे कहा कि पूर्व मे यहां सात जिलों मे टपसन की खेती की जाती थी।

बाल विवाह जैसी कुप्रथा को रोकने लिए जागरूकता अभियान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी (कटिहार)। प्रखंड क्षेत्र के मरंगी पंचायत, भवन, साहेबनगर पंचायत भवन एवं फुलहरा पंचायत के उच्च माध्यमिक विद्यालय गोरगामा के प्रांगण में महिला एवं बाल विकाश निगम की पहल पर बाल संरक्षण इकाई,बाल विवाह कानून, बाल विवाह श्रम कानून, पोक्सो एक्ट, दहेज प्रथा, महिलाओं के अधिकार एवं महिला शिक्षा पर जिला से आए डब्लू सीडीसी के तत्वावधान में बाल विवाह पर विस्तृत चर्चा की गई।

इस दौरान विद्यालय के बच्चे एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि वह आंगनबाड़ी के सेविका सहित अन्य ने इस अभियान में भाग लिया एवं लोगों से खुलकर बात एवं चर्चा की। इस मौके पर जिला मिशन समन्वयक मनीष कुमार केंद्र प्रशासक प्रभा कुमारी,जिला परियोजना प्रबंधक जितेंद्र कुमार साह के द्वारा विभिन्न तरह की जानकारी उपलब्ध लोगों एवं बच्चों को दिया। इस दौरान विभिन्न पंचायत के जनप्रतिनिधि समाजसेवी प्रमोद कुमार रजक आदि उपस्थित रहे।

हर वर्ग और समाज के लोगों के दिल में बसते थे पूर्व मंत्री मंसूर आलम : पप्पू यादव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार ग्रामीण । जिले के बरारी विधानसभा क्षेत्र के पूर्व मंत्री जनाब मंसूर आलम के निधन के बाद उनके बरारी स्थित आवास पर शोक व्यक्त करने वालों का तांता लगा रहा। इसी क्रम में पूर्णिया से निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव अपने समर्थकों के साथ पूर्व मंत्री के आवास पहुंचे और शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। इस दौरान पप्पू यादव ने कहा कि मंसूर आलम ऐसे जननेता थे, जो हर वर्ग, हर समाज और हर तबके के लोगों के दिलों में बसते थे। उन्होंने हमेशा जनता की सेवा को प्राथमिकता दी और गरीब, जरूरतमंद व आम लोगों की आवाज बनकर काम किया।

उन्होंने कहा कि मंसूर आलम का निधन क्षेत्र ही नहीं, बल्कि पूरे सीमांचल के लिए अपूरणीय क्षति है। उनके जाने से राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में जो खालीपन आया है, उसे भर पाना आसान नहीं होगा। सांसद ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की तथा परिजनों को इस दुख की घड़ी में धैर्य रखने का संदेश दिया। मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, समर्थक और गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। इस दौरान सांसद प्रतिनिधि नैयर मसूद खान, अरुण सिंह, मो. सलीम सहित सैकड़ों समर्थक एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

जीजा की साजिश में गई सबुल की जान पूर्व विधायक पहुंचे पीड़ित परिवार के घर, बोले हरसंभव मदद दिलाएंगे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया। जिले के जोकीहाट प्रखंड के काकन पंचायत अंतर्गत वार्ड संख्या 04 स्थित सिकटिया गांव में बीते दिनों हुई सबुल की निर्मम हत्या ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। इस हृदयविदारक घटना के बाद पूर्व आपदा प्रबंधन मंत्री सह विधायक शाहनवाज आलम पीड़ित परिवार से मिलने उनके घर पहुंचे और परिजनों के दुख-दर्द को साझा किया। उन्होंने घटना को बेहद दुखद और निंदनीय बताते हुए परिवार को हरसंभव सहायता दिलाने का आश्वासन दिया।

मृतक सबुल अपने परिवार के एकमात्र सहारा थे। उनके ऊपर बूढ़े माता-पिता, पत्नी और दो मासूम बच्चों की जिम्मेदारी थी। साथ ही उन्हें अपनी दो बहनों की शादी भी करनी थी। परिवार कच्चे मकान में जीवन-यापन कर रहा था और बेहतर भविष्य के लिए सबुल जमीन खरीदकर घर बनाने की योजना बना रहे थे। बताया गया कि करीब साढ़े सात डिसमिल जमीन के लिए 6 लाख 50 हजार रुपए एडवांस भी दिया गया था, जिसे जुटाने के लिए सबुल दिन-रात मेहनत कर रहे थे। मृतक के पिता मो. जमाल ने रोते-बिलखते हुए पूर्व विधायक को बताया कि सबुल ही घर के गार्जियन थे। उनके जाने से पूरा परिवार बेसहारा हो गया है। वहीं, मृतक की मां का रो-रोकर बुरा हाल है। पत्नी तंजीला ने दर्द भरे शब्दों में कहा कि अब बच्चों की परवरिश, बूढ़े सास-ससुर की देखभाल और घर की जिम्मेदारी कौन उठाएगा। परिजनों ने आरोप लगाया कि जमीन को लेकर मृतक के जीजा एकराम द्वारा दबाव बनाया जा रहा था। वह जमीन में दो डिसमिल अपने नाम कराने की जिद कर रहा था और मना करने पर अंजाम भुगतने की धमकी देता था। आशंका जताई जा रही है कि इसी विवाद के चलते हत्या की साजिश रची गई। बताया गया कि घटना से तीन दिन पहले सबुल और उसका जीजा हैदराबाद से गांव लौटे थे और वहीं से साजिश तैयार की गई थी। पूर्व विधायक शाहनवाज आलम ने कहा कि इस दुख की घड़ी में वे पीड़ित परिवार के साथ खड़े हैं और प्रशासन से मांग करेंगे कि दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिले तथा परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान की जाए।

बैकअप लगभग खत्म, ईरान से भी आपूर्ति रुकी

भारत में तेल संकट के बादल

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया युद्ध के कारण अब भारत और चीन में जल्दी ही तेल संकट गहरा सकता है। होर्मुज से तेल और गैस के जहाजों की आवाजाही बेहद कम है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस कारण एशिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के लिए गंभीर तेल सप्लाई संकट बनती जा रही है। भारत और चीन जैसे सबसे बड़े तेल आयातक देशों के

पास अब वैकल्पिक इंतजाम तेजी से कम होते जा रहे हैं। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक शुरुआती दौर में भारत और चीन ने समुद्र में मौजूद कार्गो, रूस से अतिरिक्त खरीद और कुछ अस्थायी व्यवस्थाओं के जरिए संकट का असर कम किया था, लेकिन अब यह राहत खत्म होती दिख रही है। यानी होर्मुज जलडमरूमध्य संकट के कारण अब बफर स्टॉक (सुरक्षित भंडार) भी खत्म होने के कगार पर है। होर्मुज में जहाजों पर गोलीबारी के कारण यह संकट और गहरा सकता है। ऑयल ब्रोकरेज लिमिटेड के अनुसार, समुद्र में तैरते जहाजों (फ्लोटिंग स्टोरेज) में रूसी कच्चे तेल की मात्रा फरवरी के मध्य में 20 मिलियन बैरल थी, जो अब घटकर 5 मिलियन बैरल से भी कम रह गई है। अब रिफाइनरियों के पास तुरंत तेल खरीदने के विकल्प सीमित हैं, जिससे उनकी कार्यक्षमता प्रभावित हो रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक देश में 4 साल बाद डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है। साथ ही कमजोर रुपया और ऊंची आयात लागत देश में महंगाई बढ़ा सकती है। भारतीय रिफाइनरियों के लिए ईरानी तेल का विकल्प भी अब लगभग खत्म हो चुका है। अमेरिका द्वारा दी गई अस्थायी अनुमति समाप्त हो गई है, जिससे अब प्रतिबंधों के कारण ईरानी तेल की आपूर्ति रुक गई है। चीन की स्थिति भारत से थोड़ी बेहतर है क्योंकि उसके पास 1 अरब बैरल से अधिक का रिजर्व स्टॉक है। फिर भी इस पड़ोसी देश पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। सरकारी रिफाइनरियों ने प्रोसेसिंग घटाई है, जबकि निजी रिफाइनरियों की लागत बढ़ गई है। ऐसे में इन्हें अब महंगे तेल और कम आपूर्ति का सामना करना पड़ रहा है।

भारत में एलपीजी और डीजल पर असर

भारत न केवल कच्चे तेल बल्कि रसोई गैस के लिए भी खाड़ी देशों पर निर्भर है, जहां अब भारी कमी देखी जा रही है। होर्मुज जलडमरूमध्य पार करने की कोशिश कर रहे दो भारतीय जहाजों पर हमला हुआ, जिसके बाद खाड़ी में खाली टैंकर भेजने की योजना रोक दी गई है। विदेश मंत्रालय ने इस मुद्दे को ईरान के सामने बेहद सख्ती से उठाया है।

शुरुआती कारोबार में 6,144 रुपये की गिरावट के साथ 2,42,220 रुपये तक फिसली

चांदी 6,000 लुढ़की, सोने में भी गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने और चांदी की कीमत में आज गिरावट आई है। एमसीएक्स पर शुरुआती कारोबार में चांदी की कीमत में 6,000 रुपये प्रति किलो से ज्यादा गिरावट आई है जबकि सोना करीब 1,000 रुपये गिरा है। 5 मई की डिलीवरी वाली चांदी पिछले सत्र में 2,48,364 रुपये प्रति किलो के भाव पर बंद हुई थी। आज यह 242501.00 रुपये पर खुली और शुरुआती कारोबार में 6,144 रुपये की गिरावट के साथ 2,42,220 रुपये तक फिसली। सुबह 9.10 बजे यह 4,488 रुपये यानी 1.81 फीसदी की गिरावट के साथ 2,43,876 रुपये पर ट्रेड कर रही थी। 5 जून की डिलीवरी वाला सोना पिछले सत्र में 152657 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था और आज 152051.00 रुपये पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह 938 रुपये की गिरावट के साथ 1,51,719 रुपये तक फिसला। सुबह 9.45 बजे यह 528 रुपये यानी 0.35 फीसदी गिरावट के साथ 1,52,129 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। सर्राफा बाजार में भी सोने और

चांदी की कीमत में गिरावट आई है। गुड रिटर्न्स के मुताबिक 24 कैरेट सोने की कीमत 1,200 रुपये की गिरावट के साथ 1,53,550 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गई। इसी तरह 22 कैरेट शुद्धता वाले सोने की कीमत में 1,100 रुपये की गिरावट आई है और अभी यह 1,40,750 रुपये पर ट्रेड कर रहा है। 18 कैरेट वाला गोल्ड 900 रुपये की गिरावट के साथ 1,15,160 रुपये पर आ गया। चांदी की कीमत 5,000 रुपये प्रति किलो की गिरावट के साथ 2,60,000 रुपये रह गई। इससे पहले राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में बुधवार को अमेरिका-ईरान शांति वार्ता को लेकर अनिश्चितता के बीच सोने की कीमत 300 रुपये टूटकर 1.57 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर रही। वहीं चांदी 2,700 रुपये फिसलकर 2.55 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 300 रुपये टूटकर 1,57,000 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा। बुधवार को सोने की कीमतों में गिरावट आई, क्योंकि अमेरिका-ईरान के बीच दूसरे दौर की बातचीत की योजना विफल हो गई। हालांकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संघर्ष विराम की अवधि बढ़ा दी है।

बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि एमसीएक्स पर हालिया बढ़त के बावजूद दोनों धातुएं एक सीमित दायरे में बनी हुई हैं। हालांकि इनमें कुछ बदलाव संभव है। एमसीएक्स पर सोना 1,53,000 रुपये के ऊपर बना हुआ है। अगर यह 1,55,000 रुपये के ऊपर टिकता है, तो भाव 1,57,000 से 1,58,000 रुपये तक जा सकते हैं। वहीं, 1,52,000 रुपये के नीचे गिरने पर यह 1,50,000 से 1,48,000 रुपये के स्तर तक आ सकता है। चांदी 2,48,000 से 2,50,000 रुपये के दायरे में कारोबार कर रही है।

गौतम अडानी ने लगा दी रेस और पीछे छूट गए मुकेश अंबानी

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने के कारण आज फिर शेयर बाजार में गिरावट आई है। इससे पहले बुधवार को भी शेयर मार्केट गिरा था। लेकिन अडानी ग्रुप के शेयरों में तेजी रही। इससे ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी की नेटवर्थ में 3.32 अरब डॉलर यानी करीब 31,239 करोड़ रुपये की तेजी आई। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक उनकी नेटवर्थ 98.7 अरब डॉलर रुपये पहुंच चुकी है। वह एशिया में पहले और दुनिया में 18वें नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ 14.2 अरब डॉलर की तेजी आई है। इस बीच देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में बुधवार को 35.1 करोड़ डॉलर की तेजी आई। वह 91.3 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ एशिया में दूसरे और दुनिया में 20वें नंबर पर है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 16.4 अरब डॉलर की गिरावट आई है। रिलायंस का शेयर इसी साल 5 जनवरी को 1,611 रुपये पर पहुंचा था। लेकिन उसके बाद इसमें 15 फीसदी गिरावट आई है। इस दौरान कंपनी के मार्केट कैप में 3.37 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई है। मुकेश अंबानी को पछाड़कर गौतम अडानी बने एशिया के सबसे बड़े रईस, कहां पहुंच गई नेटवर्थ मुकेश अंबानी ने इस साल अब तक 16.4 अरब डॉलर गंवाए हैं इस साल माइकल डेल की नेटवर्थ में सबसे ज्यादा तेजी आई है इस बीच एलन मस्क 655 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के सबसे बड़े रईस बने हुए है।

किसानों को यूरिया की कमी नहीं हो, इसके लिए विदेशों से दूनी कीमत पर यूरिया खरीद रहा है भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। अप्रैल की तपती धूप सितम ढाने लगी है। बस, दो महीने बाद ही भारत में मानसून का प्रवेश हो जाएगा। मानसून के आगमन के साथ ही खरीफ फसलों की बुवाई शुरू हो जाएगी। उसके साथ ही किसानों को बोरी भर-भर के यूरिया खाद की जरूरत पड़ेगी। लेकिन अपने यहां पर्याप्त यूरिया का उत्पादन हो नही पाता। इसलिए सरकार इस समय लगभग दूनी कीमत पर यूरिया खाद विदेशों से खरीद रही है। ऐसा इसलिए ताकि किसानों को खरीफ फसल की बुवाई में यूरिया की कमी नहीं पड़े।

यूरिया की सबसे ज्यादा खपत भारत में सभी रासायनिक खादों में यूरिया की सबसे ज्यादा खपत होती है। केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक इस समय हर साल करीब 400 लाख टन यूरिया की खपत होती है। इसमें से करीब 310 लाख टन यूरिया का उत्पादन देश में ही हो जाता है। लेकिन तब भी 90 से 100 लाख टन यूरिया की और जरूरत पड़ती है। इसकी पूर्ति आयात के जरिए होती है।भारत इस समय दुनिया में यूरिया का सबसे बड़ा आयातक है। अपना अधिकतर यूरिया परंपरागत रूप से मध्य पूर्व के देशों जैसे ओमान, सउदी अरब, संयुक्त अरब अमिरात जैसे देशों से होता है। वहां से आने वाले

यूरिया का मार्ग होर्मुज स्ट्रेट ही है, जो कि पिछले दो महीने से बाधित है। मध्य पूर्व संकट के कारण भारत की यूरिया आपूर्ति में भारी बाधा पहुंची है। न्यूज एजेंसी रायटर की एक खबर के मुताबिक ऐसी हालत में भारत को पहले के मुकाबले लगभग दूनी कीमत पर यूरिया खरीद का सौदा करना पड़ रहा है। खबर है कि भारतीय पोटाश लिमिटेड ने 15 लाख टन यूरिया, जिसकी डिलीवरी पश्चिमी तट पर होगी, का सौदा 935 डॉलर प्रति टन की दर पर किया है। वहीं देश के पूर्वी तट पर 10 लाख टन यूरिया की डिलीवरी होनी है। इसका सौदा 959 डॉलर प्रति टन की दर पर किया गया है। उल्लेखनीय है कि ईरान-इजरायल युद्ध शुरू होने से पहले भारत विदेशों से 490 डॉलर प्रति टन की दर पर यूरिया खरीदा करता था। इस समय जो सौदा हुआ है, वह पहले के मुकाबले करीब 90 फीसदी अधिक है। बताया जाता है कि अभी जो सौदा हुआ है, उससे पहले दो दर्जन से अधिक कंपनियों ने ऑफ़र पेश किया था। इनमें 935 से 1,136 प्रति टन के बीच का रेट कोट किया गया था।

यूरिया का उत्पादन पूरी गति से नहीं हो रहा है

इस समय भारतीय खाद कारखानों में भी यूरिया का उत्पादन पूरी गति से नहीं हो रहा है। दरअसल, दक्षिण एशियाई देशों में यूरिया उत्पादन बहुत हद तक नेचुरल गैस पर निर्भर करता है। नेचुरल गैस का अधिकांश हिस्सा पश्चिम एशियाई देशों से आता है। यूरिया बनाने के लिए अमोनिया बनाना पड़ता है। इसे बनाने में गैस का उपयोग होता है। रासायनिक खाद बनाने के लिए अमोनिया एक महत्वपूर्ण कच्चा माल है। स्ट्रेट ऑफ़ हार्मुज के बंद होने के बाद कुछ उत्पादकों को पिछले महीने अपना प्रोडक्शन या तो बंद करना पड़ा है या सीमित करना पड़ा है।

8000 की नौकरी से 23000 करोड़ के साम्राज्य तक

स्कूल ड्रॉपआउट निखिल कामथ बने अरबपति

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की सबसे बड़ी रिटेल ब्रोकरेज कंपनी जेरोधा के को-फाउंडर निखिल कामथ की सफलता की कहानी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। जहां दुनिया मानती है कि बड़ी सफलता के लिए बड़ी डिग्री और एलीट एजुकेशन जरूरी है, वहीं निखिल कामथ ने 17 साल की उम्र में 10वीं छोड़ सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित किए। उनकी इस यात्रा के पीछे उनके माता-पिता की अनूठी परवरिश और कुछ लीक से हटकर नियमों का बड़ा हाथ रहा है। साल 1986 में कर्नाटक के एक मध्यमवर्गीय परिवार में जन्मे निखिल कामथ का मन कभी भी किताबों और क्लासवर्क में नहीं लगा। उन्होंने खुद स्वीकार किया है कि उन्हें स्कूल से नफरत थी। लेकिन उनके माता-पिता ने उन्हें परंपरागत शिक्षा के लिए मजबूर करने के बजाय उनकी जिज्ञासा को पनपने का मौका दिया।

पहला बिजनेस और मां का कड़ा फैसला: निखिल कामथ की उद्यमिता की शुरुआत मात्र 14 साल की उम्र में हो गई थी। 9वीं कक्षा में उन्होंने अपने एक दोस्त

के साथ मिलकर पुराने मोबाइल फोन खरीदने और बेचने का काम शुरू किया। मुनाफा अच्छा हो रहा था, लेकिन जब उनकी मां को इस बारे में पता चला, तो उन्होंने गुस्से में सारे फोन टॉयलेट में फ्लश कर दिए। इस घटना ने उनके उत्साह को खत्म नहीं किया, बल्कि उन्हें जोखिम लेने और असफलताओं से सीखने के लिए और अधिक प्रेरित किया।

8,000 रुपये की पहली नौकरी: निखिल कामथ ने अपने एक पॉडकास्ट में बताया है कि 2000 के दशक की शुरुआत में उन्होंने बेंगलुरु के एक कॉल सेंटर में अपनी पहली नौकरी शुरू की थी। उस समय उन्हें सालाना करीब 88,000 रुपये मिलते थे, यानी महीने के लगभग 7,000 से 8,000 रुपये के बीच। निखिल रात की शिफ्ट में काम करते थे। उनका मानना है कि इस मामूली नौकरी ने उन्हें अनुशासन और काम की समझ सिखाई, जो आगे चलकर जेरोधा जैसी बड़ी कंपनी खड़ी करने में उनके काम आई।

परवरिश के वो नियम जिन्होंने बदली किस्मत

निखिल कामथ के अनुसार, उनके माता-पिता ने कुछ ऐसे सिद्धांतों का पालन किया जो आज के दौर में काफी दुर्लभ हैं: उनके घर में प्रयोग करने की आजादी थी। अगर कोई चीज काम नहीं करती थी, तो उसे अंत नहीं बल्कि एक सबक माना जाता था। जब निखिल ने 15-16 साल की उम्र में स्कूल छोड़ने का फैसला किया, तो उनके माता-पिता ने उन पर दबाव बनाने के बजाय उन्हें अपना रास्ता चुनने दिया। 10वीं छोड़ने के बाद उन्होंने कॉल सेंटर में नाइट शिफ्ट में काम करना शुरू किया। वहीं खाली समय में स्टॉक ट्रेडिंग सीखते थे। उनके माता-पिता ने कभी शैक्षणिक सफलता को ही सफलता का एकमात्र पैमाना नहीं माना। निखिल कामथ का मानना है कि उनकी सफलता किताबों से नहीं, बल्कि जीवन के अनुभवों और गलतियों से आई है। उनके माता-पिता का दृष्टिकोण सख्त आज्ञाकारिता के बजाय स्वतंत्रता को महत्व देने वाला था। निखिल ने अपने भाई नितिन कामथ के साथ मिलकर साल 2010 में जेरोधा की नींव रखी।

अब इथेनॉल से चलेंगे हवाई जहाज! सरकार ने एटीएफ में मिलावट की अनुमति दी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने अब विमानों में इस्तेमाल होने वाले ईंधन (एविएशन टर्बाइन फ्यूल - ज्ञस्न) में इथेनॉल और अन्य सिंथेटिक हाइड्रोकार्बन मिलाने की इजाजत दे दी है। हालांकि, सरकार ने अभी इसके लिए कोई अनिवार्य समय-सीमा या तुरंत लागू होने वाला टारगेट तय नहीं किया है। इस कदम का मकसद प्रदूषण को कम करना और तेल के आयात पर भारत की निर्भरता को घटाना है। सरकार ने इसके लिए साल 2001 के 'एविएशन टर्बाइन फ्यूल (मार्केटिंग रेगुलेशन) ऑर्डर' में बदलाव किया है। यह बदलाव आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत किया गया है, जिससे अब ज्ञस्न की परिभाषा में सिंथेटिक हाइड्रोकार्बन का मिश्रण भी शामिल हो गया है। फिलहाल, इस मिलावट को अनिवार्य नहीं बनाया गया है। नए नियमों के मुताबिक, ज्ञस्न को अब ऐसे

मिश्रण के तौर पर परिभाषित किया गया है जो 1571 या 17081 मानकों पर खरा उतरता हो। इससे अब ईंधन के नए और आधुनिक विकल्पों को विमानों में इस्तेमाल करना मुमकिन हो पाएगा। पूरी दुनिया में, खासकर ब्रिटेन और जापान जैसे देशों में अब सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल मिलाने पर जोर दिया जा रहा है। यह एसएएफ बेकार तेल, चर्बी, चीनी, अनाज, नगर निगम के कचरे, लकड़ी या खेती के अवशेषों से बनाया जाता है। इसे ही सिंथेटिक हाइड्रोकार्बन भी कहते हैं। भारत ने लक्ष्य रखा है कि साल 2027 तक अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के ईंधन में 1 प्रतिशत एसएएफ मिलाया जाएगा। इसे 2028 तक बढ़ाकर 2 प्रतिशत और 2030 तक 5 प्रतिशत करने का टारगेट है। यह अंतरराष्ट्रीय संस्था के नियमों के मुताबिक है। हालांकि, देश के अंदर उड़ने वाली घरेलू फ्लाइट्स के लिए अभी ऐसा कोई टारगेट नहीं रखा गया है।

डिजिटल वॉलेट में 2 लाख तक रख सकेंगे बैलेंस

आरबीआई ने जारी किया पीपीआई के नियमों का ड्राफ्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक ने प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट्स यानी डिजिटल वॉलेट और कार्ड्स के लिए नए नियमों का खाका तैयार किया है। इन प्रस्तावों में लेनदेन की सुरक्षा बढ़ाना और रिफंड, शिकायतों के निपटारे के लिए नियम बनाना शामिल है। इस पर 22 मई तक सुझाव मांगे गए हैं। एक ऐसा

पेमेंट जरिया है जिसमें पैसे लोड किए जाते हैं और बाद में उन पैसों से खरीदारी या लेनदेन किया जाता है। इन्हें जनरल पर्पज गिफ्ट ट्रांजिट (सफर के लिए), के लिए और कुछ अन्य खास कामों के लिए इस्तेमाल होने वाले कैटिगरी में बांटा गया है। ड्राफ्ट के मुताबिक, कोई भी बैंक जिसे ने डेबिट कार्ड जारी करने की इजाजत दी है, वह के पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम विभाग को जानकारी देकर जारी कर सकता है। गैर-बैंकिंग कंपनियां भी से मंजूरी लेकर जारी कर सकती हैं। जनरल पर्पज (जैसे ई-वॉलेट) के लिए प्रस्ताव दिया है कि इसमें किसी भी समय 2 लाख रुपये से ज्यादा की रकम नहीं होनी चाहिए। साथ ही, कैश के जरिए इसमें महीने में सिर्फ 10,000 रुपये तक ही लोड किए जा सकेंगे।

क्या कहता है ड्राफ्ट

डिजिटल वॉलेट और कार्ड्स के लिए नए नियमों का खाका तैयार किया है

इसमें ट्रांजैक्शन की सुरक्षा, रिफंड और शिकायतों के निपटारे के लिए नियम बनाना शामिल है

पहले पैसे लोड किए जाते हैं और बाद में उन पैसों से खरीदारी या लेनदेन किया जाता है

पीपीआई को जनरल पर्पज, गिफ्ट, ट्रांजिट और ह्न्ब्ध जैसी कई कैटगरी में बांटा गया है

जनरल पर्पज में किसी भी समय 2 लाख रुपये से ज्यादा की रकम नहीं होनी चाहिए

साथ ही कैश के जरिए इसमें महीने में सिर्फ 10,000 रुपये तक ही लोड किए जा सकेंगे

कौन जारी कर सकता है डेबिट कार्ड: ड्राफ्ट में कहा गया है कि 'गिफ्ट की वैल्यू 10,000 रुपये से ज्यादा नहीं होनी चाहिए और 'ट्रांजिट (मेट्रो या बस कार्ड) के लिए यह सीमा 3,000 रुपये होगी। आरबीआई का कहना है कि लेनदेन की बढ़ी हुई सुरक्षा के साथ पीपीआई के दीर्घकालिक विकास के लिए निरंतर प्रयासों के तहत मौजूदा दिशानिर्देशों की व्यापक समीक्षा की गई है।

बाजार को नहीं भाया बोनस शेयर और डिविडेंड का तोहफा, टाटा का दिग्गज शेयर धड़ाम

मुंबई, एजेंसी। मजबूत वित्तीय नतीजे, बोनस शेयर और डिविडेंड के तोहफे के बाद भी टाटा ग्रुप की दिग्गज कंपनी ट्रेंट के शेयर गुरुवार को धड़ाम हो गए हैं। शेयर बाजार को कंपनी का परफॉर्मेंस और निवेशकों को दिया गया तोहफा रास नहीं आया है। ट्रेंट के शेयर गुरुवार को क्च्स्श्व में करीब 4 पर्सेंट की गिरावट के साथ 4252.60 रुपये पर जा पहुंचे हैं। ट्रेंट ने बुधवार को शेयर बाजार बंद होने के बाद अपने नतीजों, बोनस शेयर और डिविडेंड बांटने का ऐलान किया था। पिछले एक महीने में ट्रेंट के शेयरों में अच्छी रिकवरी हुई है और कंपनी के शेयर करीब 27 पर्सेंट उछल गए हैं।

ट्रेंट ने किया है पहली बार बोनस शेयर बांटने का ऐलान

टाटा ग्रुप की कंपनी ट्रेंट ने बुधवार को अपने शेयरधारकों को बोनस शेयर बांटने की घोषणा की है। कंपनी अपने निवेशकों को पहली बार बोनस शेयर का तोहफा दे रही है। ट्रेंट ने 1:2 के रेशियो में बोनस शेयर बांटने की मंजूरी दी है। यानी, कंपनी हर 2 शेयर पर 1 बोनस शेयर देगी। कंपनी ने अभी बोनस शेयर की रिकॉर्ड डेट फिक्स नहीं की है।

600 प्रतिशत डिविडेंड देने की घोषणा

ट्रेंट ने बताया है कि कंपनी के बोर्ड ने 600 पर्सेंट का डिविडेंड रिकमंड किया है। यानी, कंपनी 1 रुपये फेस वैल्यू वाले अपने हर शेयर पर 6 रुपये का डिविडेंड बांटेगी। कंपनी के शेयरहोल्डर्स अगर डिविडेंड को मंजूरी देते हैं तो 74वीं आम सालाना बैठक होने के तीन दिन या इसके बाद डिविडेंड का पेमेंट किया जाएगा। इसके अलावा, कंपनी के बोर्ड ने 2500 करोड़ रुपये तक के राइट्स इश्यू को भी मंजूरी दी है। टाटा ग्रुप की कंपनी ट्रेंट को 31 मार्च 2026 को खत्म हुई तिमाही में 400 करोड़ रुपये का कंसॉलिडेटेड मुनाफा हुआ है। कंपनी का प्रॉफिट सालाना आधार पर 26 पर्सेंट बढ़ा है। एक साल पहले की समान अवधि में ट्रेंट को 318 करोड़ रुपये का प्रॉफिट हुआ था। मार्च 2026 तिमाही में ऑपरेशंस से ट्रेंट का रेवेन्यू सालाना आधार पर 19 पर्सेंट बढ़कर 5028 करोड़ रुपये रहा है।

10 टुकड़े में अपना शेयर बांट चुकी है कंपनी

टाटा ग्रुप की कंपनी ट्रेंट अपने शेयर का भी बंटवारा कर चुकी है। ट्रेंट अपने शेयर को 10 टुकड़ों में बांट चुकी है। ट्रेंट ने सितंबर 2016 में 10 रुपये फेस वैल्यू वाले अपने शेयर को 1-1 रुपये फेस वैल्यू वाले 10 शेयरों में बांटा है। ट्रेंट के शेयरों में पिछले 5 साल में करीब 450 पर्सेंट की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 6259 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का निचला स्तर 3276.10 रुपये है।

संघर्ष के दिनों में छोटी-मोटी नौकरियां की, फिर ऐसे बदली किस्मत

टीवी की दुनिया में जब भी कॉमेडी का नाम लिया जाता है, तो कीकू शारदा का चेहरा लोगों के सामने जरूर आता है। कभी 'पलक' बनकर तो कभी 'बंपर' और 'बच्चा यादव' के किरदार में उन्होंने दर्शकों को इतना हंसाया कि लोग उनके स्क्रीन पर आने का इंतजार करने लगे। उनकी कॉमिक टाइमिंग, मजेदार डांस और अलग अंदाज ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। आज भले ही कीकू शारदा टीवी और ओटीटी की दुनिया का बड़ा नाम बन चुके हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि एक समय ऐसा भी था, जब उन्हें मुंबई में अपना खर्च चलाने के लिए छोटी-मोटी नौकरियां करनी पड़ी थीं। संघर्ष के उसी दौर ने उन्हें आगे बढ़ने की हिम्मत दी।
कीकू शारदा का असली नाम राघवेंद्र अमरनाथ शारदा है। उनका जन्म 14 फरवरी 1975 को राजस्थान के जोधपुर में एक मारवाड़ी परिवार में हुआ था। उनका परिवार चाहता था कि कीकू फैमिली बिजनेस संभालें। लेकिन बचपन से ही उनका मन अभिनय और लोगों को हंसाने में लगता था। स्कूल के दिनों में वह ड्रामा और स्टेज शो में हिस्सा लेते थे। उनकी एक्टिंग को देखकर लोग खूब तालियां बजाते। यही से उन्होंने तय कर लिया कि वह अभिनय की दुनिया में ही अपना नाम बनाएंगे। कीकू पढ़ाई में भी अच्छे थे। अपने सपनों को पूरा करने के लिए वह मुंबई आ गए। हालांकि मुंबई में शुरुआत आसान नहीं थी। यहां उन्हें लंबे समय तक संघर्ष करना पड़ा। काम न मिलने की वजह से उन्हें छोटी-मोटी नौकरी करनी पड़ीं, ताकि अपना खर्च चला सकें।
करीब दो साल तक संघर्ष करने के बाद उन्हें छोटे-छोटे रोल मिलने शुरू हुए। साल 2003 में उन्हें बच्चों के मशहूर शो 'हातिम' में 'होबो' का किरदार निभाने का मौका मिला। इस किरदार ने उन्हें पहली पहचान दिलाई। इसके बाद उन्होंने कई टीवी शोज में काम किया, लेकिन असली सफलता उन्हें कॉमेडी शो 'एफआईआर' से मिली। इस शो में उन्होंने कॉन्स्टेबल मुलायम सिंह गुलगुले का किरदार निभाया, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया।
कीकू की जिंदगी का सबसे बड़ा मोड़ तब आया, जब वह 'कपिल शर्मा शो' से जुड़े।

अकेलेपन में टूट गई थीं मालविका मोहनन

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्री मालविका मोहनन अक्सर अपनी फिल्मों और ग्लैमरस अंदाज को लेकर चर्चा में रहती हैं। लेकिन, चमकती दुनिया के पीछे कलाकारों की जिंदगी में कई बार ऐसा अकेलापन भी होता है, जिसके बारे में लोग कम ही जानते हैं। हाल ही में मालविका ने अपने दिल की बात फैंस के साथ साझा की और बताया कि एक समय ऐसा आया था, जब वह अंदर से काफी टूट गई थीं।

उन्होंने बताया कि परिवार और अपनों से दूर रहने की वजह से वह खुद को बेहद अकेला महसूस करने लगी थीं। दरअसल, मालविका मोहनन ने इंस्टाग्राम पर फैंस के साथ 'आस्क मी एनीथिंग' सेशन रखा था। इस दौरान फैंस ने उनसे कई निजी और प्रोफेशनल सवाल पूछे। इसी बीच एक फैन ने उनसे पूछा कि वह आखिरी बार कब रोई थीं? इस सवाल का जवाब देते हुए मालविका ने कहा, ''पिछले महीने मैं काम के सिलसिले में चेन्नई में थीं। वहां मुझे लंबे समय तक रुकना पड़ा था। मेरी टीम बहुत अच्छी थी और काम भी ठीक चल रहा था, लेकिन लंबे समय तक घर और परिवार से दूर रहने की वजह से मैं धीरे-धीरे अकेलापन महसूस करने लगी थीं।''
उन्होंने कहा, ''दिनभर शूटिंग और काम में व्यस्त रहने के बाद जब मैं रात में अपने होटल के कमरे में लौटती थीं, तो वहां मुझसे बात करने वाला कोई नहीं होता था। यही चीज मुझे अंदर से परेशान करने लगी। मैं मानसिक रूप से काफी उदास थी। लगातार अकेले रहने का असर मेरे मन पर पड़ने लगा था, जिसके वजह से मुझे रोना आता था।''
अपने निजी अनुभव साझा करने के साथ-साथ मालविका ने अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स के बारे में भी बात की। उन्होंने बताया कि वह इस समय अभिनेता विजय सेतुपति के साथ एक तमिल फिल्म में काम कर रही हैं। इस फिल्म का निर्देशन त्यागराजन कुमार राजा कर रहे हैं। मालविका ने निर्देशक की तारीफ करते हुए कहा कि वह सबसे बेहतरीन फिल्म निर्माताओं में से एक हैं। मालविका ने बताया कि इस फिल्म का नाम 'पॉकेट नॉवेल' है और यह इसी साल रिलीज होने वाली है। उन्होंने कहा, ''इस प्रोजेक्ट को लेकर मैं बेहद उत्साहित हूं और उम्मीद करती हूं कि दर्शकों को यह फिल्म जरूर पसंद आएगी। इस फिल्म पर काम करना मेरे लिए खास अनुभव रहा है।''

कुब्रा सैत ने की अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर पर खुलकर बात

मुंबई अभिनेत्री कुब्रा सैत ने हाल ही में अपनी सोशल मीडिया पोस्ट के ज़रिए अपने अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर (एडीएचडी) के सफर के बारे में खुलकर बात की और इसे अपनी कमी के बजाय अपना सुपर पावर बताया।
एक ईमानदार और दिल से किए गए इस वीडियो में कुब्रा ने बताया कि कैसे सालों की सेल्फ-रिफ्लेक्शन और थेरेपी ने उन्हें अपने मन को बेहतर तरीके से समझने में मदद की। उन्होंने माना कि एडीएचडी के साथ कुछ चुनौतियां जरूर आती हैं, लेकिन इसे अपनाने से उन्होंने अपनी क्रिएटिविटी, फोकस और इंडिविजुअलिटी को नए तरीके से पहचानने में काफी मदद मिली। गौरतलब है कि एडीएचडी एक तरह की मानसिक परेशानी है, जिसमें आप चाहकर भी किसी एक काम पर फॉक्स नहीं कर पाते। कुब्रा ने इस पर बात करते हुए अपने कैप्शन में लिखा है, गुड मॉर्निंग, ह्यूमंस... मैं पूरी तरह से एक फंक्शनल एडीएचडी दिमाग हूं। हालांकि मुझे इस बारे में बात करने में वक्त लगा, लेकिन अब ऐसा लगता है कि थेरेपी ने मुझे न सिर्फ क्लैरिटी दी, बल्कि इसने मुझे फोकस करने की क्षमता और अपनी अंदरूनी आवाज़ की खूबसूरती को समझने का नजरिया भी दिया।
यही वजह है कि मैं आज पहले से ज्यादा कॉन्फिडेंट और खुश हूं। कुब्रा ने यह भी साझा किया कि पहले शायद वह अपनी नैचुरल प्रवृत्ति के खिलाफ काम करती थीं, लेकिन अब उन्होंने इस पर विजय पा ली है। इस वीडियो के साथ उन्होंने लोगों को भी अपने अनुभवों को अपनाने और खुलकर साझा करने के लिए प्रेरित किया है। फिलहाल अपने अलग और दमदार काम के लिए जानी जाने वाली कुब्रा सैत ने फिल्मों और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर एक खास पहचान बनाई है और सन ऑफ सरदार 2, ट्रायल और संकल्प जैसे प्रोजेक्ट्स में उनके काम ने उनकी वर्सेटिलिटी को साबित किया है। कुब्रा की यह बात वाकई काबिले गौर है कि एडीएचडी को लेकर उनकी यह ईमानदार बातचीत न सिर्फ मेंटल हेल्थ से जुड़े मुद्दों को सामान्य बनाने में मदद करती है, बल्कि यह भी दिखाती है कि हमारी अलग-अलग खूबियां भी हमारी असली ताकत हो सकती हैं।

सूरज बड़जात्या के साथ काम करना घर वापसी जैसा

मशहूर गायक, गीतकार और अभिनेता स्वानंद किरकिरे इन दिनों अपनी हालिया रिलीज वेब सीरीज 'बैंडवाले' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस बीच स्वानंद किरकिरे की सूरज बड़जात्या की आगामी फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' में एंट्री हो गई है। यह एक फैमिली रोमांटिक ड्रामा फिल्म है। इसमें आयुष्मान खुराना और शरवरी वाघ प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे।
हालांकि, अभी तक स्वानंद किरकिरे के किरदार के बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। लेकिन ऐसा बताया जा रहा है कि वो फिल्म में एक अहम किरदार निभा रहे हैं। सूरज बड़जात्या के साथ काम करने को लेकर स्वानंद किरकिरे ने बताया कि सूरज जी के साथ काम करना घर वापसी जैसा लगता है। उस खास तरह की कहानी कहने की शैली में जिसने हममें से कई दर्शकों को प्रभावित किया है। उनकी फिल्मों में हमेशा प्यार को न सिर्फ दो लोगों के बीच, बल्कि परिवारों के भीतर, पीढ़ियों के बीच, शांत भावों और अनकहे आपसी समझ के माध्यम से मनाया जाता है।
अभिनेता ने आगे फिल्म के बारे में बात करते हुए कहा कि जब मैंने 'ये प्रेम मोल लिया' के बारे में सुना, तो मैं इसकी भावनात्मक सादगी और ईमानदारी से बहुत प्रभावित हुआ। सूरज जी के लेखन में मुझे जो बात सबसे अच्छी लगती है, वह यह है कि खामोशी में भी गहरा अर्थ छिपा होता है। पर्दे पर रिश्तों को गढ़ने के उनके तरीके में गरिमा, संयम और गर्माहट झलकती है। एक अभिनेता के रूप में यह चुनौतीपूर्ण और संतोषजनक दोनों है, क्योंकि आपको अपने अभिनय को संयमित रखते हुए भी

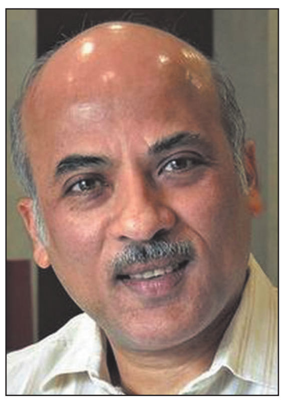

भावनात्मक रूप से मौजूद रहना होता है।

आयुष्मान और शरवरी को सराहा

राजश्री प्रोडक्शन का हिस्सा बनने पर स्वानंद का कहना है कि राजश्री फिल्म का हिस्सा होना अपने आप में एक अलग ही अनुभव है। यह बैनर एक खास पवित्रता और अच्छाई में विश्वास का प्रतीक है। ऐसी टीम के साथ काम करना बेहद ताजगी भरा है, जो दिखावे के बजाय भावनात्मक ईमानदारी को महत्व देती है। आयुष्मान और शरवरी के साथ स्क्रीन शेयर करना भी एक खूबसूरत अनुभव रहा है। दोनों ही अपने अभिनय में एक अलग ही अंदाज और संवेदनशीलता लाते हैं।

शुरू हो चुका है फिल्म का प्रोडक्शन

'ये प्रेम मोल लिया' का प्रोडक्शन शुरू हो चुका है। सूरज बड़जात्या के निर्देशन में बनी 'ये प्रेम मोल लिया' 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित रोमांटिक पारिवारिक फिल्मों में से एक बनने जा रही है। जो पुरानी यादों और समकालीन भावनाओं का अद्भुत संगम है। हालांकि, फिल्म की कहानी के बारे में अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है।

सलमान शादी कर लेंगे तो मैं भी कर लूंगा

थिएटर की दुनिया से मनोरंजन जगत में आए विजय वर्मा के लिए एक्टिंग की राह बिलकुल भी आसान नहीं थी। अपने हिस्से का संघर्ष तो उन्हें भी करना ही पड़ा। छोटी-छोटी भूमिकाओं के बाद जब उन्हें मेन रोल मिले, तो उन्होंने अपनी एक्टिंग और परफॉर्मेंस से खास जगह बना ली। 'दहाड़' का साइको किलर हो या 'गुस्ताख इश्क' का शायर आशिक, विजय अपनी भूमिकाओं को यादगार बनाते चले गए हैं। 'गली बॉय' के विजय आज मेकर्स की पसंद बन चुके हैं। इन दिनों वह चर्चा में हैं अपनी नई सीरीज 'मटका किंग' से।
हाल ही में सोशल मीडिया पर विजय वर्मा की शादी को लेकर एक बार फिर चर्चा होने लगी है। हमने उनसे पूछा कि सलमान खान के बाद अब आपकी शादी की फिक्र कर रहे हैं लोग। आपकी मम्मी भी आपके पास आई हुई हैं, क्या शादी को लेकर पारिवारिक दबाव है? इस पर वह हंस देते हैं और कहते हैं, 'बिलकुल। मेरी मम्मी भी शादी को लेकर मेरे पीछे पड़ी रहती हैं, मगर अब वह बोल-बोल कर थक चुकी हैं। अब ज्यादा बोलती नहीं। जहां तक सलमान साहब की बात है, तो जब वह शादी कर लेंगे, तो मैं उसके बाद कर लूंगा।'

डेंगू और मलेरिया की खस्ता हालत में दिया ऑडिशन

संघर्ष के दिनों में एक दौर ऐसा भी था, जब विजय वर्मा के अकाउंट में मात्र 18 रुपए थे। मगर आज उन्हें अपने मनमुताबिक प्राइज मनी मिल रही है। विजय अपने संघर्ष के दौर को भूले नहीं हैं। उनका मानना है कि कई बार डूबते के लिए तिनके का सहारा काफी होता है। वह बताते हैं, 'छोटे-छोटे तिनकों और छोटी-छोटी उम्मीदों के सहारे मैं यहां तक पहुंचा हूं। कई बार एकाध शाम बहुत भारी लगने लगती थी। वो मेरा संघर्ष का दौर था। मेरी पहली फिल्म के समय में मैं बहुत बीमार था और नानावटी अस्पताल में भर्ती था। उस समय मुझे दो तरह का डेंगू और एक तरह का मलेरिया हो गया था। मैं बहुत ज्यादा खस्ता हालत में था।' 'अस्पताल में पड़े-पड़े एक दिन अचानक हनी त्रेहान (कास्टिंग डायरेक्टर) का फोन आया कि एक निर्देशक यूएस से आए हैं और वह फिल्म बनाना चाहते हैं, उन्हें मीटिंग करनी है। तुम आज शाम मीटिंग के लिए आ जाओ। अब मैं उन्हें बोल नहीं पाया कि मैं अस्पताल में हूं। मैंने जब डॉक्टर से कहा कि मुझे डिस्चार्ज चाहिए क्योंकि मेरा ऑडिशन है, तो उन लोगों ने साफ मना कर दिया। उस वक्त तक मेरे बदन पर तरह -तरह के स्लाइन लगे थे, मेरे हाथों के बाल शेव हुए थे। मैंने जिद करके डिस्चार्ज लिया। मैं घर आया और नहा-धोकर फुल स्लीव की शर्ट पहन कर उनसे मिलने गया।' विजय वर्मा ने आगे बताया, 'मेरा वजन 79 से 62 किलो का हो गया था। मैंने ऑडिशन किया और मुझे फिल्म मिली।

अपना काम ईमानदारी से करना हीरोइज़्म है

सीरीज हो या फिल्में आज नायक की परिभाषा बदल गई है। विजय वर्मा जैसे कलाकारों ने अपनी अभिनय अदायगी से अपने किरदारों के जरिए अपनी पहचान बनाई है। हीरोइज़्म को परिभाषित करते हुए वह कहते हैं, 'मेरे लिए हीरोइज्म वो है, जो खुद के हित के लिए नहीं बल्कि बड़े हित के लिए काम करे। जैसे मेरे अलावा किसी और का भी भला हो। मैं मानता हूं कि अपना काम भी ईमानदारी से करना भी हीरोइज़्म है। जैसे मेसी जब फुटबॉल खेल रहा होता है, तो पूरी दुनिया उसके लिए गायब हो जाती है और उसका पूरा ध्यान अपने खेल में होता है। जिस नशे और पागलपन से वह अपनी बॉल को गोल तक ले जाता है, वह भी तो एक तरह का हीरोइज्म है।'

इंडस्ट्री में अनिश्चितता है टॉक्सिसिटी नहीं

हाल ही में एक अवॉर्ड शो में एक जाने -माने स्टैंड-अप कॉमेडियन ने अपने 'धुरंधर' जोक से इंडस्ट्री की भीतरी ईर्ष्या पर तंज किया। पिछले दिनों भी इंडस्ट्री में टॉक्सिसिटी को लेकर खूब बहस चली। अनुराग कश्यप जैसे निर्देशक तो मुंबई से शिफ्ट ही हो गए। इस मुद्दे पर विजय कहते हैं, 'मुझे लगता है अनसर्टेनिटी है, डर है कि क्या चलेगा क्या नहीं क्योंकि स्टेक्स बढ़ गए हैं। मुझे याद है एक समय में तीन-चार करोड़ में स्मॉल बजट फिल्म बन जाती थी। आज की तारीख में मैं जब प्रोड्यूसर से बात करता हूं, तो छोटे बजट की फिल्मों की बात 15-20 करोड़ तक जाती है। अब इसमें मार्केटिंग और पीएनए को जोड़ दिया जाए, तो फिल्म का बजट 30-35 करोड़ तक चला जाता है। आज फिल्म निर्माण का गणित अचानक से बदल गया है। उस हिसाब से कुछ कॉन्सेप्ट्स ऐसे हैं नहीं, जिन पर इतना खर्च किया जाए, पर करना पड़ रहा है। कुछ सब्जेक्ट्स ऐसे हैं, जिन पर काफी खर्च करना पड़ेगा, मगर उनकी रिकवरी की गारंटी नहीं है। इन मुद्दों के कारण अनिश्चितता बढ़ जाती है।'

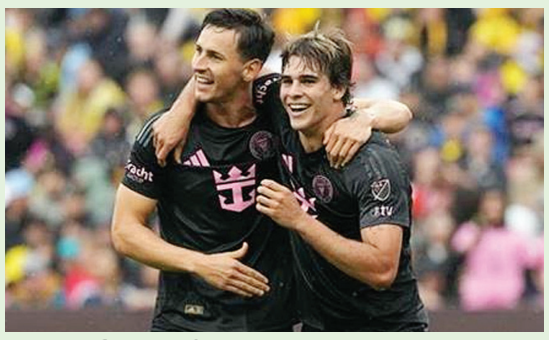

इंटर मियामी का जलवा बरकरार, 8 मैचों की अजेय लय कायम

मियामी (एजेंसी)। इंटर मियामी सीएफ ने एमएलएस मुकाबले में रिले साल्ट लेक को 2-0 से हराकर लगातार अपनी अजेय लय को 8 मैचों तक बढ़ा दिया। यह जीत टीम के लिए खास रही, क्योंकि उसने इस सीजन में बाहर (2-4) मैदान पर भी शानदार प्रदर्शन जारी रखा।

पहले हाफ में कड़ी टक्कर

मैच का पहला हाफ काफी प्रतिस्पर्धी रहा और दोनों टीमों को गोल करने के ज्यादा मौके नहीं मिले। लियोन मेस्सी ने 22वें मिनट में शानदार मौका बनाया, लेकिन उनका शॉट गोलकीपर ने बचा लिया। इसके चलते हाफ टाइम तक स्कोर 0-0 रहा।

दूसरे हाफ में बदला मैच का रुख

दूसरे हाफ में मैच ने रोमांचक मोड़ लिया। 59वें मिनट में इंटर मियामी के गोलकीपर ने शानदार बचाव कर टीम को बढ़त लेने से बचाया। इसके बाद टीम ने आक्रामक खेल दिखाया।

दे पॉल और सुआरेज़ ने दिलाई जीत

82वें मिनट में डी पुल ने लंबी दूरी से शानदार गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके ठीक एक मिनट बाद 83वें मिनट में लुईस सुरेज ने दमदार हाफ वॉली के जरिए दूसरा गोल दागकर जीत पक्की कर दी।

हरमनप्रीत कौर ने हासिल की बड़ी उपलब्धि

कप्तान के तौर पर टी-20 में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड बनाया

जोहान्सबर्ग (दक्षिण अफ्रीका) (एजेंसी)। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टी-20 क्रिकेट में कप्तान के तौर पर 3000 रन पूरे कर लिए हैं, और इस फॉर्मेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली कप्तान बन गई हैं। हरमनप्रीत ने यह उपलब्धि गुरुवार को जोहान्सबर्ग में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपनी टीम के तीसरे टी-20 मैच के दौरान हासिल की। ??उन्होंने 38 गेंदों में 66 रन बनाए जिसमें सात चौके और तीन छक्के शामिल थे, और उनका स्ट्राइक रेट 173.68 रहा। हरमनप्रीत ने अब टी-20 में कप्तान के तौर पर 138 मैचों और 125 पारियों में 32.79 की औसत से 3,017 रन बनाए हैं। इसमें एक शतक और 14 अर्धशतक शामिल हैं। उनकी सबसे करीबी प्रतिद्वंद्वी श्रीलंका की चमारी अटापट्टू हैं, जिन्होंने 108 मैचों और 107 पारियों में 30.16 की औसत से 3,016 रन बनाए हैं जिसमें तीन शतक और 14 अर्धशतक शामिल हैं।

बीसीसीआई अपने खिलाड़ियों को खत्म कर रहा है

आईपीएल के पूर्व चेयरमैन ललित मोदी ने निकाली भड़ास

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पूर्व चेयरमैन ललित मोदी ने गुरुवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की कड़ी आलोचना की। उन्होंने इस गवर्निंग बॉडी पर

हेक्टिक शेड्यूलिंग (बहुत ज़्यादा मैचों का शेड्यूल) के जरिए अपने खिलाड़ियों को खत्म करने का आरोप लगाया और जड्डर देकर कहा कि खिलाड़ियों को अपने परिवारों के साथ समय बिताने के लिए आराम का समय चाहिए। इससे पहले कई रिपोर्टों में कहा गया था कि हेड कोच गौतम गंभीर और कप्तान शुभमन गिल कथित तौर पर बीसीसीआई के इस फ़ैसले से खुश नहीं हैं कि आईपीएल 2026 सीजन के खत्म होने के कुछ ही दिनों बाद अफगानिस्तान के साथ टेस्ट मैच रखा गया है। एक सोशल मीडिया पोस्ट में मोदी ने उन रिपोर्टों पर प्रतिक्रिया दी जिनमें कहा गया था कि IPL 2026 सीजन के बाद थकान के कारण सीनियर खिलाड़ियों को आने वाले इंटरनेशनल मैचों से आराम दिया जा सकता है।

वैभव ने फिर रचा इतिहास

सबसे तेज 500 रन आईपीएल में बनाए

जडेजा 17वीं बार प्लेयर ऑफ द मैच, जोफ्रा राजस्थान के हाईएस्ट विकेट टेकर

लखनऊ (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल 2026 के 32वें मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स को 40 रन से हरा दिया। इकाना स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी ने सबसे तेज 500 आईपीएल रन पूरे करने का कारनामा किया। रवींद्र जडेजा ने 17वीं बार प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीत लिया। वहीं गेंदबाजी में जोफ्रा आर्चर राजस्थान के लिए आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए।

मैच से पहले कार्टून देखते हैं वैभव

भारतीय क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी हर बार मैच खेलने से पहले कार्टून देखते हैं। इस बात का खुलासा उन्होंने खुद किया है। बुधवार को राजस्थान रॉयल्स और लखनऊ सुपरजाइंट्स के बीच मुकाबला खेला गया था, जिसमें वैभव की टीम आरआर ने जीत हासिल की। इस दौरान जब उनसे सवाल किया गया तो उन्होंने भोजपुरी में जवाब देते हुए कहा कि, सबके प्लान ईहे बा कि अगला मैच में अच्छा करे के बा, जीत के 2 पॉइंट ली, प्लेऑफ के तरफ बढ़ी।वैभव ने इस मैच में रिकॉर्ड भी बनाए हैं। उन्होंने अपने आईपीएल करियर में 500 रन पूरे कर लिए हैं। वे लीग में सबसे कम गेंदों में यह मुकाम हासिल करने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। वैभव ने सिर्फ 227 गेंदों पर 500 रन बनाए हैं। उन्होंने ग्लेन मैक्सवेल का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 260 गेंदों में अपने पहले 500 रन पूरे किए थे। हालांकि, इस मैच में वैभव 11 गेंदों पर सिर्फ 8 रन ही बना सके।

जडेजा ने 17वीं बार जीता प्लेयर ऑफ द मैच

रवींद्र जडेजा ने आईपीएल में 17वीं बार प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड अपने नाम किया। खास बात यह है कि 75 मैचों के बाद पहली बार उन्होंने ष्टस्य्च के अलावा किसी दूसरी टीम के लिए यह अवॉर्ड जीता ।इससे पहले उनके 16 पीओटीएम अवॉर्ड चेन्नई के लिए आए थे। भारतीय खिलाड़ियों में उनसे आगे सिर्फ रोहित शर्मा (21), विराट कोहली (19) और एमएस धोनी (18) हैं।

घर में लखनऊ की लगातार 7वीं हार

लखनऊ सुपर जायंट्स को अपने होम ग्राउंड पर लगातार 7वीं हार का सामना करना पड़ा। यह आईपीएल इतिहास में घर पर सबसे ज्यादा लगातार हार के रिकॉर्ड्स में शामिल हो गया है, जहां दिल्ली (9 हार) और डेक्कन चार्जर्स (8 हार) जैसे टीम्स इससे ऊपर हैं।

आर्चर बने आरआर के सबसे सफल गेंदबाज

जोफ्रा आर्चर अब राजस्थान रॉयल्स के लिए आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। उनके नाम 68 विकेट हो गए हैं। उन्होंने युजवेंद्र चहल (66) और सिद्धार्थ त्रिवेदी (65) को पीछे छोड़ दिया।

ओलिंपिक 2028 में क्रिकेट मुकाबले पोमोना में खेले जाएंगे

● **स्टेडियम का काम शुरू, 6 टीमें और टी-20 फॉर्मेट में होंगे मुकाबले**

लॉस एंजिल्स (एजेंसी)। साल 2028 में होने वाले लॉस एंजिल्स ओलिंपिक के लिए क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण आधिकारिक तौर पर शुरू हो गया है। कैलिफोर्निया के पोमोना में बुधवार को हुए भूमि पूजन के साथ ही क्रिकेट की 128 साल बाद ओलिंपिक में वापसी की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है।

पोमोना में खेले जाएंगे मैच

सभी मुकाबले लॉस एंजिल्स से लगभग 50 किलोमीटर दूर पोमोना स्थित फेयरग्राउंड्स मैदान पर खेले जाएंगे। ओलिंपिक में क्रिकेट मैच 12 जुलाई से 29 जुलाई 2028 तक आयोजित होंगे।

एक बार हुआ है ओलिंपिक में क्रिकेट

साल 1900 में पेरिस ओलिंपिक में क्रिकेट को शामिल किया गया था। इसके बाद क्रिकेट को ओलंपिक्स में नहीं लिया गया। पेरिस ओलंपिक्स के क्रिकेट इवेंट में सिर्फ दो टीमों इंग्लैंड और फ्रांस ने हिस्सा लिया था। इसमें इंग्लैंड ने गोल्ड और फ्रांस ने सिल्वर जीता था।1900 में पेरिस ओलिंपिक में क्रिकेट का एक ही मैच खेला गया।

क्रिकेट के लिए ऐतिहासिक मील का पत्थर

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) के चेयरमैन जय शाह ने इस अवसर को खेल के लिए एक बड़ा मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा कि क्रिकेट वैश्विक खेल बनने की दिशा में बड़ी छलांग लगा रहा है। ओलिंपिक का हिस्सा बनना गर्व की बात है और हमें विश्वास है कि यह वेन्यू खेलों के दौरान केंद्र बिंदु बनेगा और अमेरिका में क्रिकेट की एक स्थायी विरासत छोड़कर जाएगा।

राजस्थान के नांद्रे बर्गर पर जुर्माना

मैच फीस का 10 प्रतिशत कटेगा, एक डिमेरिट पॉइंट मिला; लखनऊ के खिलाफ कोड ऑफ कंडक्ट का उल्लंघन

इकाना (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के 32वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के तेज गेंदबाज नांद्रे बर्गर को आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट तोड़ने का दोषी पाया गया है। इकाना स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच में उनके व्यवहार पर मैच रेफरी ने 10त्न मैच फीस का जुर्माना लगाया है। साथ ही उनके रिकॉर्ड में एक डिमेरिट पॉइंट जोड़ा गया है।हालांकि किस खिलाड़ी के साथ गलत व्यवहार हुआ, इसका बीसीसीआई ने उल्लेख नहीं किया है।

● **आर्टिकल 2.5 के उल्लंघन का दोषी पाया गया** – साउथ अफ्रीकी गेंदबाज नांद्रे बर्गर को आईपीएल आचार संहिता के लेवल-1 अपराध का दोषी माना गया है। उन पर आर्टिकल 2.5 के तहत कार्रवाई की गई है। यह आर्टिकल ऐसे मामलों में लागू होता है, जब खिलाड़ी मैदान पर भाषा, एक्शन या इशारों से दूसरे खिलाड़ी का अपमान करे या उसे उकसाए।

आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप

भारत का जलवा कायम, एक दिन में 4 मेडल जीतकर बढ़ाई बढ़त

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के युवा निशानेबाजों ने जूनियर वर्ल्ड कप 2026 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए एक ही दिन में

4 मेडल अपने नाम किए। इस दमदार प्रदर्शन के साथ भारत का कुल पदक टेली4- 7 पहुंच गया है, जो देश की मजबूत शूटिंग परंपरा को दर्शाता है।

सीजल कांबले ने जीता सिल्वर – सेजल कामली ने महिला 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल जीता। फाइनल में उन्होंने 27 का स्कोर किया और दूसरे स्थान पर रहीं। इससे पहले क्वालिफिकेशन राउंड में उन्होंने 580 का स्कोर कर टॉप किया था, जो उनकी शानदार फॉर्म को दर्शाता है।

अन्य भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन – इसी स्पर्धा में अंजली भागवत और परीशा गुप्ता भी फाइनल तक पहुंचीं। हालांकि दोनों खिलाड़ी पदक से चूक गईं और क्रमशः छठे और सातवें स्थान पर रहीं। इसके बावजूद उनका फाइनल तक पहुंचना टीम के लिए सकारात्मक संकेत है।

पाकिस्तानी ऑलराउंडर नवाज ड्रग टेस्ट पॉजिटिव पाए गए

पीसीबी ने जांच शुरू की, टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान लिए गए सैंपल में फेल

दुबई (एजेंसी)। पाकिस्तान के ऑलराउंडर मोहम्मद नवाज ड्रग टेस्ट में पॉजिटिव पाए गए हैं। मीडिया सूत्रों के मुताबिक यह सैंपल 2026 टी-20 वर्ल्डकप के दौरान लिया गया था। इस मामले में आईसीसी ने पीसीबी को जानकारी दी है और बोर्ड ने अपनी जांच शुरू कर दी है।

अंतिम फैसला आना बाकी

पीसीबी के प्रवक्ता ने बुधवार को कहा- आईसीसी ने इस मामले की जानकारी दी है और पीसीबी ने प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके नतीजे आज आईसीसी को बताए जाएंगे। फिलहाल जांच जारी है और अंतिम फैसला अभी नहीं आया है।

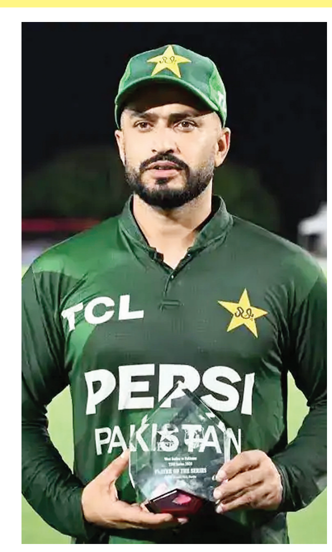

पॉजिटिव होने के बाद भी पीएसएल खेल रहे

नवाज जांच के बावजूद पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में खेलते हुए नजर आ रहे हैं। वे मुल्तान सुल्तांस की ओर से लगातार मैच खेल रहे हैं। हाल ही में कराची में रावलपिंडी के खिलाफ मैच में उन्होंने तीन ओवर फेंके, लेकिन कोई विकेट नहीं लिया।

98 टी-20 इंटरनेशनल खेल चुके

नवाज अब तक पाकिस्तान के लिए 98 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेल चुके हैं। टीम के व्हाइट-बॉल सेटअप में वह नियमित खिलाड़ी रहे हैं और अपनी लेफ्ट आर्म स्पिन और लोअर ऑर्डर बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं।

अगर जांच में एंटी-डोपिंग नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होती है, तो उन्हें सस्पेंशन या अन्य अनुशासनात्मक कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है।

आईसीसी गोपनीय तरीके से जांच कर रहा

नवाज के खिलाफ यह मामला आईसीसी की एंटी-डोपिंग प्रक्रिया के तहत चल रहा है। पॉजिटिव टेस्ट रिक्रिएशनल ड्रग (नशीली दवाएं) से जुड़ा है। आईसीसी ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है और पूरी प्रक्रिया गोपनीय तरीके से चल रही है।

साउथ अफ्रीका ने भारत से टी-20 सीरीज जीती

कप्तान वोल्वार्ट का 47 गेंद में शतक; 193 रन का टारगेट 21 बॉल रहते हासिल किया

डरबन (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका महिला टीम ने भारत के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज जीत ली है। तीसरे मुकाबले में साउथ अफ्रीका ने भारत को 8 विकेट से हराकर 3-0 की अजेय बढ़त बनाई। टीम ने टी-20 इंटरनेशनल में अपना सबसे बड़ा टारगेट चेज (193 रन) किया। कप्तान लॉरा वोल्वार्ट ने 47 गेंदों में शतक जड़ा, जो उनके करियर की सबसे तेज सेंचुरी है।

कप्तान वोल्वार्ट और सुने लुस की रिकॉर्ड पार्टनरशिप

साउथ अफ्रीका की जीत में लॉरा वोल्वार्ट और सुने लुस की 183 रनों की साझेदारी अहम रही। वोल्वार्ट ने 115 रन बनाए, जबकि सुने लुस ने 42 गेंदों पर 64 रन बनाकर साथ दिया। टीम ने 193 रनों का लक्ष्य 16.3 ओवर में हासिल कर लिया।

भारत ने बनाया था अपना हाईएस्ट स्कोर, फिर भी हार मिली – टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ 192/9 का अपना सबसे बड़ा स्कोर बनाया था। शेफाली वर्मा ने अच्छी शुरुआत दी, लेकिन स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिग्स के जल्दी आउट होने से पारी लड़खड़ा गई थी।

हरमनप्रीत की कप्तानी पारी, अंतिम ओवर में जड़े दो छक्के

कप्तान हरमनप्रीत कौर ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ अपना पहला टी-20 अर्धशतक जड़ा। उन्होंने 38 गेंदों में 66 रन बनाए। आखिरी ओवर में उन्होंने तुमी सेखुखुने की गेंदों पर दो छक्के लगाए। उन्होंने ऋचा घोष के साथ 26 गेंदों में 51 रनों की पार्टनरशिप की, जिससे भारत 190 के पार पहुंच सका।

वोल्वार्ट को मिले दो जीवनदान, भारत को पड़ा भारी

193 रनों के लक्ष्य का पीछा करते समय वोल्वार्ट को भारतीय फील्डर्स ने दो मौके दिए। 31 रन पर स्मृति मंधाना ने उनका कैच छोड़ा। 85 रन पर कप्तान हरमनप्रीत कौर से भी कैच छूट गया। वोल्वार्ट ने इसका फायदा उठाते हुए 84 रन लेग साइड पर बनाए, जिसमें उनके सभी छक्के शामिल थे।

अरुंधति रेड्डी की चोट ने बढ़ाई टीम इंडिया की टेंशन

मैच के दौरान अरुंधति रेड्डी चोटिल होकर मैदान से बाहर चली गईं। उन्हें साइड स्ट्रेन (कमर के पास खिंचाव) हुआ। 10वें ओवर में दो गेंदें फेंकने के बाद उन्हें मेडिकल मदद लेनी पड़ी। उन्होंने ओवर पूरा किया, लेकिन बाद में फील्डिंग के लिए नहीं आईं। उनकी जगह उमा छेत्री और बाद में अनुष्का शर्मा ने फील्डिंग की। अमनजोत कौर पहले से ही बैक इंजरी के कारण बाहर हैं।

वर्ल्ड कप की तैयारियों में जुटी साउथ अफ्रीका

जून में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप से पहले साउथ अफ्रीका की यह लगातार तीसरी सीरीज जीत है। इस सीजन में उन्होंने अपने घर में आयरलैंड, पाकिस्तान और भारत को हराया है। वोल्वार्ट और सुने लुस की ओपनिंग जोड़ी ने इस सीरीज में अच्छा प्रदर्शन कर वर्ल्ड कप के लिए दावेदारी मजबूत की है।

संक्षिप्त समाचार

कार ने बाइक को मारी टक्कर और छिन गया परिवार का सहारा; पत्नी-दो बच्चे घायल

नई दिल्ली, एजेंसी। विकास मार्ग पर देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी और दो बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों का इलाज जीटीबी अस्पताल में चल रहा है। जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान नीरज के रूप में हुई है। वह मंगलवार रात अपनी मोटरसाइकिल से परिवार के साथ इंडिया गेट घूमने गए थे। देर रात वापस लौटते समय लक्ष्मी नगर के पास पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक दूर जाकर गिरी और नीरज गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद राहगीरों की मदद से सभी को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने नीरज को मृत घोषित कर दिया। वहीं उनकी पत्नी सोनम, बेटा हर्षित और बेटी महिमा की हालत गंभीर बनी हुई है और उनका इलाज जीटीबी अस्पताल में जारी है।

दिल्ली पुलिस में बिना ड्राइविंग लाइसेंस पुरुष नहीं बन सकते सब इंस्पेक्टर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली पुलिस में सब-इंस्पेक्टर (एसआई) के तौर पर भर्ती चाहने वाले पुरुष उम्मीदवारों के लिए वैध लाइट मोटर व्हीकल (एलएमवी) ड्राइविंग लाइसेंस रखने की शर्त को सही ठहराया है। साथ ही यह भी निर्णय दिया कि महिला उम्मीदवारों के लिए ऐसी कोई शर्त न होना भेदभाव नहीं माना जाएगा। उक्त निर्णय के साथ ही न्यायमूर्ति वी. कामेश्वर राव व न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की पीठ ने दिल्ली पुलिस में एसआई भर्ती के लिए कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) की अधिसूचना में दी गई भर्ती की शर्त को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी। याचिकाकर्ता ने दलील दी थी कि पुरुष उम्मीदवारों के लिए वैध एलएमवी ड्राइविंग लाइसेंस अनिवार्य करने की शर्त दी गई है, जबकि महिला उम्मीदवारों पर ऐसी कोई शर्त न लगाना, मनमानी और समानता के अधिकार का उल्लंघन है। हालांकि, अदालत ने कहा कि पात्रता शर्तों में यह अंतर भर्ती को नियंत्रित करने वाले कानूनी ढांचे से ही आया है। पीठ ने कहा कि एसआई से संबंधित दिल्ली पुलिस (नियुक्ति और भर्ती) नियमों का नियम-सात के तहत उम्मीदवारों के पास शारीरिक सहनशक्ति और माप परीक्षणों के लिए तय तारीख को एमएमवी के लिए एक वैध ड्राइविंग लाइसेंस होना चाहिए। हालांकि, एसआई (महिला) की भर्ती से संबंधित नियम-14(ए) में ऐसी कोई शर्त नहीं मिलती है। पीठ ने कहा कि अधिसूचना में महिला उम्मीदवारों के लिए वैध ड्राइविंग लाइसेंस पर जोर न देने का आधार नियमों के नियम 14(ए) का कानूनी प्रविधान है। उक्त तथ्यों को देखते हुए अधिसूचना को भेदभावपूर्ण बताकर दी गई चुनौती को स्वीकार नहीं किया जा सकता।

कमांड सेंटर के जरिये प्रदूषण पर कसी जाएगी नकेल

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में वायु प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए दिल्ली सरकार एक बड़ा कदम उठाने जा रही है। इसके दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) के शास्त्री पार्क स्थित आईटी पार्क में एक इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आइसीसीसी) स्थापित किया जा रहा है। यह सेंटर शहर में वायु प्रदूषण के स्तर की ''रियल-टाइम'' निगरानी करेगा। पर्यावरण विभाग के अधिकारियों के अनुसार इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य प्रदूषण की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करना है। इस सेंटर की मदद से अधिकारी न केवल हवा की गुणवत्ता पर नजर रख सकेंगे, बल्कि यमुना के पानी की स्थिति की भी निगरानी की जाएगी। केंद्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) का उपयोग करके डेटा का विश्लेषण किया जाएगा, जिससे प्रदूषण के स्रोतों की पहचान करना और उन्हें रोकना आसान होगा। अभी तक सरकार केवल सर्दियों के लिए अस्थाई तौर पर दिल्ली सचिवालय में ''ग्रीन वार रूम'' बनाती रही है।

दिल्ली में डायबिटीज के मरीजों और अस्पतालों को चेतावनी, नकली 'माउनजारो' इंजेक्शन के खतरे पर एडवाइजरी जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। गुरुग्राम में नकली 'माउनजारो' इंजेक्शन के बड़े सिंडिकेट का भंडाफोड़ होने के बाद राष्ट्रीय राजधानी में भी हड़कंप मच गया है। शुरुआती जांच में संकेत मिले हैं कि इन इंजेक्शनों की सप्लाई दिल्ली के थोक दवा बाजार से जुड़ी हो सकती है। इसे लेकर दिल्ली औषधि नियंत्रण विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गया है। विभाग ने मरीजों और अस्पतालों के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए ड्रग निरीक्षकों को थोक बाजारों और आसपास के क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। नकली इंजेक्शनों के दिल्ली कनेक्शन की पड़ताल के लिए विभाग ने संदिग्ध आपूर्तिकर्ताओं की पहचान व खोज अभियान शुरू कर दिया है। साथ ही थोक विक्रेताओं को अपने स्टॉक का मिलान अधिकृत कंपनी के बिल (जीएसटी बिल) से करने को कहा गया है, ताकि किसी भी तरह की गड़बड़ी तुरंत पकड़ में आ सके।

लोगों की जान से जुड़ा है मामला, सिर्फ धोखाधड़ी नहीं

विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह मामला केवल आर्थिक धोखाधड़ी नहीं, बल्कि लोगों की जान से जुड़ा गंभीर खतरा है। माउनजारो जैसे इंजेक्शन को दो से आठ डिग्री सेल्सियस के बीच सुरक्षित रखना अनिवार्य होता है, जबकि नकली नेटवर्क में इसे सामान्य तापमान पर रखा जा रहा था। इससे दवा की गुणवत्ता प्रभावित होकर यह जहरीली भी हो सकती है। बिना वैध लाइसेंस या संदिग्ध दस्तावेजों के ऐसे इंजेक्शन बेचने वालों के खिलाफ औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम के तहत कड़ी

कार्रवाई की जाएगी और लाइसेंस रद्द किया जा सकता है।

माउनजारो (टिरज़ेपेटाइड) का उपयोग मुख्य रूप से टाइप-टू डायबिटीज के मरीजों में रक्त शर्करा नियंत्रित करने के लिए किया जाता है। यह इंसुलिन के प्रभाव को बेहतर बनाता है और भूख कम कर वजन घटाने में भी सहायक होता है। हाल में इसका उपयोग मोटापा प्रबंधन में भी चिकित्सकीय निगरानी में किया जा रहा है।

इन बातों का मरीज रखें ख्याल: भारी छूट सबसे बड़ा संकेत: माउनजारो पर सामान्यत: 10 प्रतिशत तक ही छूट मिलती है। 25-30 प्रतिशत छूट का प्रस्ताव मिलने पर सतर्क हो जाएं।

कोल्ड चेन अनिवार्य: असली इंजेक्शन दो से आठ डिग्री सेल्सियस तापमान में कोल्ड बाक्स में आपूर्ति किया जाता है। इसके बिना मिलने पर संदेह करें।

पैकेजिंग की जांच करें: पैकेट पर छपाई, फांट और स्पेलिंग में गड़बड़ी नकली का संकेत हो सकती है। बैच नंबर और एक्सपायरी बॉक्स व पेन (इंजेक्शन) पर एक समान होने चाहिए।

इंजेक्शन पेन की गुणवत्ता: असली पेन स्मूथ होता है और उसका लाक सिस्टम सही ढंग से काम करता है। नकली में लीकेज या खराब प्लास्टिक की समस्या हो सकती है।

कहां से खरीदें: ऑनलाइन या अनजान विक्रेता से खरीदने से बचें। केवल अधिकृत भंडारक या अस्पताल की फार्मेसी से ही दवा लें। बिना पक्के जीएसटी बिल के दवा न खरीदें। बिल पर औषधि लाइसेंस नंबर जरूर जांचें। क्यूआर कोड या बारकोड स्कैन कर सत्यापन करें। इंजेक्शन इस्तेमाल से पहले डाक्टर को जरूर दिखाएं।

प्रीत विहार में पार्किंग के विवाद में हुई हत्या का पांचवां आरोपी गिरफ्तार, लोगों पर रौब झाड़ता था गौरव

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली के प्रीत विहार इलाके में पार्किंग विवाद में कारोबारी पंकज नय्यर की हत्या में पुलिस ने पांचवें आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान आरुष (18) के रूप में हुई है। हत्या के मुख्य आरोपी गौरव शर्मा का यह दूसरा सौतेला बेटा है। पंकज अपने परिवार के साथ नोएडा में रहते थे। कपड़े का कारोबार था। इनके भाई पारस प्रीत विहार में रहते हैं। पारस का अपने पड़ोसी गौरव शर्मा से कार पार्किंग को लेकर विवाद हुआ था। वारदात वाले दिन विवाद इतना बढ़ गया था कि पारस ने फोन करके अपने भाई पंकज को बुलाया था। गौरव ने अपने दो सौतेले बेटों व दो दोस्तों के साथ मिलकर पंकज को गोली मार दी थी, जिससे उनकी मौत हो गई। वहीं, पुलिस की जांच में सामने आया है कि बीते रविवार देर रात हुआ विवाद करीब 12 दिन पूर्व शुरू हुआ था, जब आरोपी गौरव ने पारस को देख लेने की धमकी दी थी। यही कारण है कि पारस की सूचना पर पंकज तुरंत नोएडा से प्रीत विहार पहुंच गए। स्थानीय निवासी दीपक के अनुसार, आरोपी गौरव अपने पैसे और कारों का रौब झाड़ता था। लगभग चार माह पहले ही वह किराए पर यहां रहने आया था। फ्लैट के साथ उसे एक पार्किंग एलॉट थी, जबकि उसके पास तीन कारें हैं। ऐसे में अक्सर पार्किंग को लेकर उसका विवाद होता रहता था।

झुलसाने वाली गर्मी का सामना कर रहे दिल्लीवाले, तापमान 42 डिग्री के पार; शुक्रवार से चलेगी लू

नई दिल्ली, एजेंसी। बढ़ती गर्मी के बीच बुधवार को दिन भर राजधानी वासी गर्म हवा के थपेड़ों से परेशान रहे। कड़ी धूप और शुष्क हवाओं के चलते लोगों को अब झुलसाने वाली गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। अब यह बात अलग है कि मौसम विभाग का पूर्वानुमान लगातार दूसरे दिन गलत साबित हुआ। लू नहीं चली और येलो अलर्ट भी वापस लेना पड़ गया। बृहस्पतिवार को भी लू चलने के आसार नहीं है। दिल्ली के रिज इलाके अधिकतम तापमान 42.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मालूम हो कि अधिकतम तापमान सामान्य से साढ़े चार डिग्री ज्यादा होने पर ही उसे लू की स्थिति माना जाता है। पहले मौसम विभाग ने मंगलवार के लिए लू का अलर्ट जारी किया था,

लेकिन यह अनुमान भी सटीक साबित नहीं हुआ। बुधवार को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के समीप तेज धूप में गर्मी से बेहाल होकर सिर पर हाथ रखकर और बैग से बचाव करते हुए जाते यात्री। अब मौसम विभाग का अनुमान है कि शुक्रवार और शनिवार को दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में लू की स्थिति बन सकती है। इस दौरान अधिकतम तापमान 44 डिग्री तक पहुंचने की आशंका है। बुधवार को दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में सुबह ही धूप निकल गई थी। दिन चढ़ने के साथ धूप और तेज होती गई। कड़ी धूप के चलते दिन में 11 बजे के बाद घर से बाहर निकले लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

दिल्ली में घरेलू सहायिका आधार कार्ड मांगने पर टालती रही, तीसरे दिन डेढ़ करोड़ के जेवर-नकदी लेकर फरार

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू सहायकों को बिना पुलिस वेरिफिकेशन के रखने से खतरा बढ़ता जा रहा है। दिल्ली में आईआरएस अधिकारी की बेटी की दुष्कर्म के बाद हत्या करने के मामले के बीच एक और मामला उजागर हो गया है। शालीमार बाग क्षेत्र में लगभग छह माह पहले कारोबारी के घर से एक करोड़ रुपये के आभूषण व नकदी चुराने वाली घरेलू सहायिका ने एक और चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। बड़ी बात यह है कि घरवाले उससे आधार कार्ड मांगते रह गए मगर उसने वारदात को अंजाम दे ही दिया। जानकारी के मुताबिक, दो दिन पहले रखी गई यही घरेलू सहायिका करीब डेढ़ करोड़ रुपये मूल्य के जेवरात व नकदी लेकर फरार हो गई थी। शातिर घरेलू सहायिका ने वेरिफिकेशन का मौका भी नहीं दिया था। मकान मालिक आधार कार्ड मांगते रहे, वह भूलने का बहाना बनाकर टालती रही और मौका मिलते ही कीमती सामान समेट कर फरार हो गई। यह महिला इतने शातिर तरीके से चोरी को अंजाम देती है कि आज तक पुलिस के हाथ नहीं आई है। छह महीने पहले हुई एक करोड़ रुपये की चोरी के समय सीसीटीवी कैमरे में आरोपित का चेहरा तक कैद हो गया, लेकिन पुलिस सुराग तक नहीं जुटा पाई। अब दूसरी बार बड़ी चोरी करके फरार हो गई। लोग पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठा रहे हैं।

शालीमार बाग स्थित बीक्यू-ब्लॉक में कारोबारी विजयपाल गुप्ता रहते हैं। बीती 19

तारीख को सुबह साढ़े 10 बजे उनकी घरेलू सहायिका अलमारी में रखे आभूषण और नकदी लेकर फरार हो गई। चोरी की घटना की सूचना के बाद पुलिस ने मौके का मुआयना किया और प्राथमिकी दर्जकर आरोपित महिला की तलाश शुरू कर दी है।

प्लास्टिक फैक्ट्री संचालक विजय पाल गुप्ता कि घरेलू सहायिका को दो दिन पहले 17 अप्रैल को रखा था। वेरिफिकेशन के लिए उससे आधार कार्ड मांगा तो कल देने का वादा किया। अगले दिन पूछा तो भूलने का बहाना बनाया। तीसरे दिन सुबह जब वे और उनकी पत्नी पूजा कर रहे थे, तभी अलमारी खोलकर सोने के आभूषण व 4-5 लाख रुपये नकद लेकर गायब हो गई। आभूषण की कीमत अनुमानित डेढ़ करोड़ रुपये है। उन्होंने बताया कि अलमारी का ताला खोलने के लिए वह स्क्रू ड्राइवर साथ लेकर आई थी। महिला ने अपना नाम अनीता बताया था और उसकी उम्र लगभग 35 वर्ष है।

इसी घरेलू सहायिका ने पिछले साल अक्टूबर माह में शालीमार बाग के बीएम-ब्लाक में कारोबारी जयभगवान गर्ग के घर से करीब 50 लाख रुपये नकद व 50 लाख रुपये मूल्य के सोने के आभूषण चुराए थे। जयभगवान गर्ग ने बताया कि जिस तरीके से विजय पाल गुप्ता के घर चोरी की है, ठीक उसी तरह से उनके यहां भी इसी महिला ने चोरी की थी। इस महिला को कहीं से पता लग गया कि उनके यहां घरेलू सहायिका की जरूरत है। उसने अपना नाम अनीता बताया और आधार कार्ड मांगने पर कल लाने की बात कही। दूसरे दिन भी नहीं लेकर आई और तीसरे दिन चोरी करके फरार हो गई। इस बारे में पुलिस में मामला दर्ज कराया, लेकिन आज तक पुलिस उसे पकड़ नहीं पाई। वहीं, मंदिर के पास सीसीटीवी कैमरे में उसका फोटो भी मिल गया, जिसमें महिला चेहरा साफ दिखाई दे रहा है। पुलिस ने दौड़-धूप तो काफी की, लेकिन सुराग नहीं लगा पाई। अब इसी महिला ने उनके जानकार (विजयपाल गुप्ता) के यहां चोरी की।

ईरान से तनाव के बीच अमेरिकी नौसेना सचिव जॉन फेलन ने अचानक छोड़ा पद, हंग काओ बने कार्यवाहक सचिव

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच पेंटागन ने बुधवार को अचानक घोषणा की कि नौसेना सचिव जॉन फेलन अपना पद छोड़ रहे हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में किसी सैन्य सेवा के प्रमुख का यह पहला इस्तीफा है। हालांकि, रक्षा विभाग में पिछले कुछ समय से कई बड़े अधिकारियों को हटाया जा रहा है। फेलन के अचानक हटने का कोई कारण नहीं बताया गया है। यह फैसला ऐसे समय आया है जब अमेरिकी नौसेना ने ईरानी बंदरगाहों की घेराबंदी कर रखी है और दुनिया भर में तेहरान से जुड़े जहाजों को निशाना बना रही है। अब ट्रंप के करीबी और अंडरसेक्रेटरी हंग काओ नौसेना के कार्यवाहक सचिव की जिम्मेदारी संभालेंगे। काओ नौसेना में 25 साल तक रहे हैं और उनके पास युद्ध का अनुभव भी हैं। फेलन का पद से हटना पेंटागन के शीर्ष नेतृत्व में फेरबदल की एक लंबी कड़ी का हिस्सा हो सकता है। कुछ हफ्ते पहले ही रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सेना के शीर्ष अधिकारी जनरल रैंडी जॉर्ज को पद से हटा दिया था। हेगसेथ ने पिछले साल पद संभालने के बाद से कई जनरलों और एडमिरलों को हटाया है। इनमें एडमिरल लीसा फ्रेंचेती और जनरल जिम स्लाइफ भी शामिल हैं। ट्रंप ने जनरल चार्ल्स सीक्यू ब्राउन जूनियर को भी उनके पद से हटा दिया है। फेलन का इस्तीफा बहुत चौंकाने वाला है। उन्होंने मंगलवार को ही वाशिंगटन में नौसेना के एक सम्मेलन में हिस्सा लिया था। वहां उन्होंने पत्रकारों से अपने एजेंडे पर बात की थी। उन्होंने सांसदों के साथ बजट और नए जहाज बनाने की कोशिशों पर भी चर्चा की थी। हालांकि, पेंटागन के प्रवक्ता शॉन पार्नेल ने बताया कि फेलन तुरंत अपना पद छोड़ रहे हैं। बता दें कि फेलन ने पहले कभी सेना में काम नहीं किया था। उन्हें नौसेना में बड़े बदलाव करने के लिए लाया गया था। वे एक निजी निवेश कंपनी के संस्थापक भी रहे हैं। फेलन ऐसे समय में जा रहे हैं जब नौसेना बहुत व्यस्त है।

अमेरिका के तीन राष्ट्रपतियों ने नेतन्याहू के वॉर प्लान को ठुकराया, लेकिन ट्रंप मान गए; पूर्व विदेश मंत्री का दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। पूर्व विदेश मंत्री जॉन केरी ने कहा कि इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपतियों को भी ईरान के साथ युद्ध का प्रस्ताव दिया था, लेकिन उन सभी ने इसे ठुकरा दिया था। द लेट शो विद स्टीफन कोलबर्ट में बोलते हुए केरी ने कहा, ओबामा ने मना कर दिया। बुश ने मना कर दिया। राष्ट्रपति बाइडेन ने मना कर दिया। मेरा मतलब है, मैं उन बातचीत का हिस्सा था।

ईरान के साथ युद्ध पर सहमत नहीं थे ओबामा, बुश और बाइडेन: अमेरिका के पूर्व अधिकारी ने कहा कि अमेरिका के पिछले राष्ट्रपति ईरान के साथ युद्ध करने पर सहमत नहीं हुए, क्योंकि उन्होंने शांतिपूर्ण प्रक्रिया के सभी उपायों को पूरी तरह से नहीं आजमाया था। उन्होंने तर्क दिया कि वियतनाम और इराक दोनों ही युद्धों से एक साझा सबक मिलता है। एक ऐसा सबक जिसे वे वियतनाम युद्ध के अनुभवी सैनिक के तौर पर प्रत्यक्ष रूप से जानते हैं और वह यह है कि अमेरिकी जनता को धोखा नहीं देना चाहिए। उन्होंने कहा, और वियतनाम युद्ध के एक अनुभवी सैनिक के तौर पर जहां इस तरह के फैसले बेहद अहम होते थे, हमसे इस बारे में झूठ बोला गया था कि वह युद्ध किस बारे में था और उस युद्ध तथा इराक युद्ध से मिला सबक यह है कि अमेरिकी लोगों से झूठ न बोलें और फिर उनसे अपने बेटों और बेटियों को लड़ने के लिए भेजने को न कहें। ईरान ने शेयर किया वीडियो केरी की यह क्लिप शेयर करते हुए, ईरान के प्रेस टीवी ने लिखा, अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री जॉन केरी का कहना है कि इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने राष्ट्रपति ओबामा, बुश और बाइडेन के सामने ईरान पर युद्ध छेड़ने का प्रस्ताव रखा था, लेकिन उन सभी ने इसे ठुकरा दिया। उनका अनुमान था कि इससे सत्ता परिवर्तन होगा और लोग विद्रोह कर देंगे, लेकिन हमने देखा कि ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। नेतन्याहू ने ट्रंप को कैसे किया राजी? बताया गया है कि कैसे नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप को इजरायल के साथ मिलकर ईरान पर हमला करने के लिए राजी किया।

फारस की खाड़ी-होर्मुज में तेल रिसाव का खतरा; उपग्रह तस्वीरों में लावान द्वीप से कुवैत तट तक असर दिखा

दुबई, एजेंसी। अमेरिका और ईरान से जुड़े सैन्य हमलों के बाद फारस की खाड़ी और होर्मुज जलडमरूमध्य में कई बड़े तेल रिसाव अंतरिक्ष से दिखाई दिए हैं। उपग्रह तस्वीरों में ईरान के केश्म द्वीप, लावान द्वीप और कुवैत तट के पास समुद्र में फैला तेल साफ नजर आ रहा है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यदि स्थिति पर जल्द नियंत्रण नहीं पाया गया तो यह क्षेत्र समुद्री जैव विविधता, तटीय आबादी और पेयजल आपूर्ति के लिए बड़े पर्यावरणीय संकट में बदल सकता है। सीएनएन के अनुसार उपग्रह चित्रों ने न केवल तेल सुविधाओं और जहाजों पर हमलों से हुई क्षति को उजागर किया है बल्कि फारस की खाड़ी के नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र पर मंडरा रहे खतरे को भी सामने रखा है। इस क्षेत्र में फैला तेल तटीय समुदायों की आजीविका, मछली पालन, समुद्री जीवों और समुद्री जल को मीठा बनाने वाले संयंत्रों तक को प्रभावित कर सकता है। एक सैटेलाइट तस्वीर में ईरान के केश्म द्वीप के पास होर्मुज जलडमरूमध्य में पांच मील से अधिक क्षेत्र में फैला तेल देखा गया। शिदवर द्वीप फारस की खाड़ी में स्थित एक कोरल द्वीप है। यह कछुओं, समुद्री पक्षियों और अन्य वन्यजीवों के लिए महत्वपूर्ण आवास माना जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि तेल रिसाव ऐसे क्षेत्रों में पहुंचने पर समुद्री जीवों के प्रजनन, भोजन श्रृंखला और पूरे पारिस्थितिकी तंत्र पर दीर्घकालिक असर डाल सकता है। छह अप्रैल को कुछ उपग्रह तस्वीरों में कुवैत के तट के पास भी तेल फैला दिखाई दिया। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कहा था कि उसने उसी दिन खाड़ी देशों की ईंधन और पेट्रोकेमिकल सुविधाओं को निशाना बनाया। डच शांति संगठन पैक्स के परियोजना प्रमुख विम ज्वाइनेनबर्ग ने चेतावनी दी कि इन तेल रिसावों का असर लाखों लोगों पर पड़ सकता है, खासकर ईरान के तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों पर। मछलियों के प्रदूषित होने से मछुआरों की आय और खाद्य सुरक्षा दोनों प्रभावित हो सकती हैं।

हिंदू या मुस्लिम किराएदार ही चाहिए, लंदन में मकान मालिकों की मनमानी से लोग परेशान

लंदन, एजेंसी। लंदन में मकान मालिकों की मनमानी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। दरअसल, डेली टेलीग्राफ ने अपनी जांच में पाया कि पूरे लंदन में निजी मकान मालिक गैर-कानूनी तौर पर सिर्फ मुसलमानों के लिए और सिर्फ हिंदुओं के लिए किरायेदार चाहिए, ऐसा विज्ञापन दे रहे हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक, गमट्री और टेलीग्राम पर पोस्ट की गई, कई लिस्टिंग्स से इसकी जानकारी मिली है। इसमें सिर्फ मुसलमानों के लिए, 2 मुस्लिम लड़कों या 2 मुस्लिम लड़कियों के लिए और मुसलमानों को प्राथमिकता जैसे वाक्यांश शामिल हैं। कुछ अन्य विज्ञापनों में पंजाबी लड़के के लिए उपयुक्त कहा गया है, या सीधे तौर पर गुजराती बोलने वालों, या केरल और हरियाणा के लोगों से अपील की गई है। कुछ विज्ञापनों में सिर्फ हिंदुओं के लिए कहा गया है।

ऐसे विज्ञापन, यूके के समानता अधिनियम का सीधा उल्लंघन: जबकि, इस तरह के विज्ञापन यूके के समानता अधिनियम 2010 का संभावित उल्लंघन हैं, जो धर्म, लिंग, नस्ल और अन्य संरक्षित विशेषताओं के आधार पर होने वाले भेदभाव को प्रतिबंधित करता है। इसके साथ ही समानता और

मानवाधिकार आयोग इसे गैर-कानूनी विज्ञापन का उदाहरण मानता है। इसके बाद भी, लंदन भर में इसी तरह के विज्ञापन दिए जा रहे हैं। वहीं, फेसबुक पर, ये विज्ञापन लंदन में मुसलमानों के लिए कमरा किराए पर – मुस्लिम किराया जैसे पेजों पर देखे जा सकते हैं। डेली टेलीग्राफ को टेलीग्राम पर दर्जनों ऐसी लिस्टिंग्स मिलीं, जिनमें विशिष्ट लिंग, धर्म और राष्ट्रीयता वाले किराएदारों की मांग की गई थी; ये सभी लिस्टिंग्स संभावित रूप से गैर-कानूनी हैं। कानून में कुछ हद तक मिली है छूट इसकी अच्छे से जांच करने के लिए, जब डेली टेलीग्राफ का एक रिपोर्टर कमरा लेने के लिए गया तो, सिर्फ मुसलमानों के लिए कमरा देने वाले एक मकान मालिक ने धर्म पूछकर वहां से चले जाने को कहा। अधिक जानकारी देते हुए नेशनल रेजिडेंशियल लैंडलॉर्ड्स एसोसिएशन के एक अधिकारी ने कहा कि, अगर कोई मकान मालिक उसी संपत्ति में रहता है और किराएदार के साथ कुछ बुनियादी सुविधाओं (जैसे रसोई या बाथरूम) को साझा करता है, तो उसे कुछ हद तक किसी विशेष धर्म या लिंग के किराएदार को प्राथमिकता देने का विज्ञापन देने की छूट मिल सकती है।

हां, लेकिन इसमें शर्त है कि नस्ल के आधार पर कोई भेदभाव नहीं होनी चाहिए। इसकी जगह लोग, किसी विशेष धर्म या दार्शनिक मान्यताओं को मानने वाले लोगों के लिए विज्ञापन दे रहे है। जो कि सीधे तौर से भेदभाव का एक स्पष्ट उदाहरण है, और इसलिए समानता अधिनियम 2010 के तहत इसे प्रतिबंधित किया गया है।

खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने डीपीएस स्कूल बोकारो की कैंटीन को किया सील

कैंटीन में मिली कई गड़बड़ी, बिना लाइसेंस चल रहा कैंटीन : अभिहित पदाधिकारी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। डॉ अभय भूषण प्रसाद अभिहित पदाधिकारी सह अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी सह सिविल सर्जन बोकारो के निदेर्शानुसार कार्यपालक दंडाधिकारी, चास जया कुमारी की उपस्थिति में गुलाब लकडा, खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, बोकारो ने पुलिस की उपस्थिति में सेक्टर 4 स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल के केंटीन का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में केंटीन में मिली कई कमियां एवं गड़बड़ी के कारण कैंटीन को सील किया गया। इस संदर्भ में सिविल सर्जन डॉ अभय भूषण प्रसाद ने बताया कि खाद्य सुरक्षा आयुक्त कार्यालय, नामकुम द्वारा ईमेल से प्राप्त शिकायत के आलोक में डीपीएस स्कूल के केंटीन का निरीक्षण किया गया। साथ हीं हल्दी पाउडर, मिर्चा पाउडर, बनस्पति तेल, एवं दही का नमुना संग्रह कर जांच हेतु पर नियमानुसार कार्रवाई के लिए भेजा गया। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी गुलाब लकड़ा के द्वारा बताया गया कि निरीक्षण के दौरान व्यवसाय स्थल से खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम/विनियम 2011 के प्रावधानों / शिड्यूल IV का उल्लघन के साथ -साथ निम्न कमियां पाई गई।

1. एफ एस एस ए आई लाइसेंसेंस व रजिस्ट्रेशन नहीं पाया गया।
2. विद्यालय प्रशासन के द्वारा निर्गत किसी प्रकार प्राधिकृत पत्र नहीं पाया गया।
3. खाद्य करोवारकत्ताओं का पेस्ट कंट्रोल, मेडिकल फिटनेस नहीं पाया गया, परिसर में गंदगी का अम्बार पाया गया साथ ही कैंटिन में कार्यरत कमीर्यों हेड मास्क एवं हैंड ग्लव्स नहीं पाया गया।

इसके अलावा भी स्कूल के कैंटीन के मुताबिक कई कमियां पाई गई हैं। छापामारी टीम के द्वारा बताया गया कि स्कूल शिक्षक एवं प्रबंधन सदस्यों द्वारा निरीक्षण के कार्य में काफी व्यवधान पैदा किया गया। तदोपरान्त कार्यपालक दण्डाधिकारी एवं स्थानीय पुलिस पदाधिकारी व बल के सहयोग से उपरोक्त के उल्लघंन में निर्देशनुसार कैंटीन को अगले आदेश तक खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी द्वारा गवाहों की उपस्थिति में सील किया गया। जांच टीम में कायार्पालक दण्डाधिकारी, चास जया कुमारी, गुलाब लकड़ा, खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, बोकारो, आनन्द कुमार के साथ पसाथ सेक्टर 4 थाना से पुलिस पदाधिकारी व बल उपस्थित थे।

डीसी-डीडीसी ने उप कोषागार बेरमो तेनुघाट का किया निरीक्षण, अभिलेखों की गहन जांच

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। गुरुवार को उपायुक्त अजय नाथ झा एवं उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने उप कोषागार बेरमो, तेनुघाट का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विभिन्न अभिलेखों एवं वित्तीय रिकॉर्ड की गहन जांच की गई। निरीक्षण टीम ने रोकड़ पंजी, आवंटन पंजी, आगत-निर्गत पंजी, सेवा पंजी, इंडेक्स पंजी सहित विभिन्न विभागों के पीएल खातों की समीक्षा की तथा अभिलेखों के संधारण एवं वित्तीय प्रक्रियाओं की स्थिति का जायजा लिया।

जीएसटी एवं आयकर कटौती राशि जमा की स्थिति की हुई समीक्षा

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त एवं डीडीसी ने विशेष रूप से जीएसटी एवं आयकर (आइटी) कटौती राशि की जमा स्थिति की समीक्षा की। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि सप्ताह भर के भीतर इसकी अद्यतन विवरणी उपलब्ध कराई जाए। साथ ही अन्य विभागों के डीडीओ (ड्राइंग एंड डिस्बर्सिंग ऑफिसर) को भी अपने-अपने स्तर पर इस प्रकार की जांच सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

वित्तीय अनुशासन एवं पारदर्शिता बनाए रखने पर जोर

उपायुक्त ने कहा कि कोषागार से जुड़े अभिलेखों का अद्यतन संधारण, वित्तीय अनुशासन और पारदर्शिता प्रशासनिक कार्यप्रणाली का महत्वपूर्ण हिस्सा है। सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य करने को कहा गया।

कोषागार - रिकार्ड रूम का भी लिया जायजा

डीसी - डीडीसी ने तेनुघाट उप कोषागार कार्यालय के विभिन्न कमरों - रिकार्ड रूम का जायजा लिया। साफ सफाई और दस्तावेजों को सुरक्षित लाल कपड़े में रखने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी बेरमो मुकेश मछुआ, कार्यपालक दंडाधिकारी कुमार कनिष्क, कार्यालय उप कोषागार पदाधिकारी श्री राहुल कुजूर, वाणिज्य कर पदाधिकारी विकास कुमार,वरीय लेखा पदाधिकारी पंकज दुबे, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

दसवीं बोर्ड में ज्योति सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के सभी परीक्षार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण

पेटरवार/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पेटरवार स्थित पू.त.ज.म. ज्योति एस.शि.वि. मंदिर ने झारखंड अधिविध परिषद द्वारा जारी माध्यमिक परीक्षाफल में लहराया परचम। बताते चलें कि वर्तमान सत्र 2025-26 में विद्यालय से कुल 50 भैया / बहन माध्यमिक परीक्षा (दसवीं बोर्ड) में सम्मिलित हुए थे। इसमें सभी भैया-बहन प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। विद्यालय के सभी भैया / बहन प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं। विद्यालय के प्रथम 10 टॉपरों में से आठ बहनें और दो भैया अपना स्थान बनाने में सफल रहे हैं। विद्यालय की प्रथम सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले बहन नंदिनी कुमारी की ने 92% अंक लाकर विद्यालय का नाम रोशन किया है। दितीय स्थान पर बहन कोमल कुमारी 90% एवं तृतीय स्थान बहन राधिका कुमारी 89.2 अंक लाकर विद्यालय पा मान सम्मान बढ़ा या है। इस अवसर पर विद्यालय के नवीन कुमार, संजय सिन्हा ने टॉपर की भैया-बहनों को मिठाई खिलाकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

महिला आरक्षण के साथ परिसीमन जोड़कर देश को गुमराह कर रही है भाजपाः अनुपमा सिंह

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। कांग्रेस नेत्री अनुपमा सिंह ने भाजपा पर देश को गुमराह करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार 'नारी शक्ति वंदन' के नाम पर परिसीमन को जोड़कर जनता को भ्रमित कर रही है। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक वर्ष 2023 में ही सर्वसम्मति से पारित होकर कानून बन चुका है, फिर भी इसे राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। श्रीमती सिंह ने कहा कि महिला आरक्षण और परिसीमन दो अलग मुद्दे हैं, जिन्हें जानबूझकर जोड़ा जा रहा है। उन्होंने राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे सहित विपक्ष की एकजुटता की सराहना करते हुए कहा कि इससे सरकार की मंशा उजागर हुई है। उन्होंने भाजपा से महिला सम्मान के मुद्दे पर दिखावटी राजनीति छोड़ने और व महात्मा गांधी बाबा साहिब बी आर आर अम्बेडकर के आदर्शों पर चलने की अपील की।

एयरपोर्ट निर्माण की मांग को लेकर भाजपा का आंदोलन एवं पदयात्रा की घोषणा

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद में एयरपोर्ट निर्माण की मांग को लेकर आंदोलन तेज हो गया है। इस संबंध में गुरुवार को सांसद ढुलू महतो ने प्रेस वार्ता कर 24 अप्रैल को बड़े स्तर पर आंदोलन और पदयात्रा की घोषणा की। उन्होंने बताया कि इस आंदोलन में हजारों लोग शामिल होंगे और राज्य सरकार से एयरपोर्ट निर्माण को लेकर जवाब मांगा जाएगा। पदयात्रा रणधीर वर्मा स्टेडियम से शुरू होकर रणधीर वर्मा चौक तक जाएगी। सांसद ने कहा कि वह लंबे समय से धनबाद में एयरपोर्ट की मांग उठा रहे हैं और केंद्र सरकार के स्तर पर भी पहल की गई है, लेकिन राज्य सरकार की ओर से जमीन उपलब्ध नहीं कराई जा रही है। इसी कारण अब तक एयरपोर्ट का निर्माण शुरू नहीं हो सका है। उन्होंने कहा कि धनबाद कोयले की राजधानी के रूप में जाना जाता है और यहां उद्योग, व्यापार व शोध से जुड़े लोग आते हैं। ऐसे में एयरपोर्ट बनने से जिले के विकास को गति मिलेगी।

गोविंदाडीह में शॉर्ट सर्किट से लगी भीषण आग, दर्जनों घर जले

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। गुरुवार को राजगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत गोविंदाडीह गांव में शॉर्ट सर्किट से लगी भीषण आग ने भारी तबाही मचाई। मजीद अंसारी के घर से शुरू हुई आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और आसपास के कई घरों को अपनी चपेट में ले लिया। घटना में लाखों रुपये की संपत्ति जलकर राख हो गई जबकि कई परिवार बेघर हो गए। वहीं प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग इतनी तेजी से फैली कि लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। घरों में मौजूद लोग किसी तरह जान बचाकर बाहर निकले। पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। ग्रामीणों ने अपने स्तर पर आग बुझाने की कोशिश की लेकिन भीषण लपटों

के आगे वे बेबस नजर आए। घटना की सूचना तुरंत स्थानीय थाना और अग्निशमन विभाग को दी गई लेकिन आरोप है कि दमकल की गाड़ियां करीब चार घंटे की देरी से मौके पर पहुंचीं। इससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया और लोगों ने पुलिस व दमकलकर्मियों के खिलाफ नाराजगी जताई। हालांकि बाद में पहुंची दमकल टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। अगलगी में घरों में रखा अनाज, कपड़े, फर्नीचर, जरूरी दस्तावेज समेत दैनिक उपयोग की सभी वस्तुएं जलकर खाक हो गई. पीड़ित परिवारों के सामने अब सिर छुपाने तक की समस्या खड़ी हो गई है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से तत्काल राहत और मुआवजे की मांग की है साथ ही बिजली विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग भी उठाई है।

निजी स्कूल देंगे वार्षिक शुल्क का विस्तृत विवरण

अभिभावक क्वार्टरली दे सकेंगे एनुअल फीसः उपायुक्त

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। वार्षिक शुल्क, डेवलपमेंट फीस, री-एडमिशन फीस, स्कूल में या निर्धारित दुकान से ही किताब, ड्रेस इत्यादि खरीदने सहित अन्य मुद्दों को लेकर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन की अध्यक्षता में आज जिले के सभी निजी विद्यालयों के साथ बैठक आयोजित की गई। इसमें उनको झारखण्ड शिक्षा न्यायाधिकरण (संशोधित) अधिनियम, 2017 के नियमों का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया गया। बैठक में वार्षिक शुल्क को लेकर उपायुक्त ने कहा कि सभी विद्यालय इसका विस्तृत विवरण प्रशासन को उपलब्ध कराएंगे तथा स्कूल की वेबसाइट पर अपलोड कर, स्कूल के नोटिस बोर्ड पर लगाएंगे। अभिभावकों को डेवलपमेंट फीस लेने का उद्देश्य बताएंगे। कोई भी निजी विद्यालय री-एडमिशन के नाम पर छात्रों से फीस नहीं ले सकेंगे। वहीं यदि वार्षिक शुल्क लेते हैं तो विद्यालय में गठित शुल्क समिति से विचार कर उसका दर निर्धारण करेंगे। निजी विद्यालय अभिभावक को एक बार में वार्षिक शुल्क जमा करने का दबाव नहीं बनाएंगे। अभिभावक क्वार्टरली वार्षिक फीस जमा कर सकेंगे। उपायुक्त ने सभी निजी विद्यालयों को अगले सत्र से लिए नवंबर तक किताबों (मुद्रक व किताब का नाम सहित) एवं स्कूल ड्रेस तथा जनवरी में डेवलपमेंट फीस का विस्तृत विवरण स्कूल की वेबसाइट पर अपलोड करने एवं स्कूल के नोटिस बोर्ड पर लगाने का निर्देश दिया। साथ में 5 साल से पहले स्कूल ड्रेस नहीं बदलने तथा वेबसाइट पर पब्लिश किताब का नाम नहीं बदलने का निर्देश दिया। उन्होंने स्कूल के प्रांगण में स्कूल ड्रेस एवं किताबें नहीं बेचने की सख्त हिदायत दी। उपायुक्त ने कहा कि अगले सत्र का बुक लिस्ट और स्कूल ड्रेस का विवरण वेबसाइट में होगा तो अन्य दुकानदार भी संबंधित किताबें और स्कूल ड्रेस अपनी दुकान में रख सकेंगे। इससे अभिभावकों के पास कम दर पर किताबें व स्कूल ड्रेस खरीदने का विकल्प रहेगा। बैठक के दौरान उपायुक्त ने निजी विद्यालयों को इस बैठक से पहले आयोजित जिला स्तरीय शुल्क समिति की बैठक में लिए गए निर्णय से अवगत कराया। जिसमें शुल्क का निर्धारण दिए गए प्रावधान के अनुसार करने, विद्यालय में शुल्क समिति का गठन कर विद्यालय के वेबसाइट पर अपलोड करने, विगत एक वर्ष का ऑडिट रिपोर्ट, विद्यालय का बैंक अकाउंट स्टेटमेंट जमा करने, विद्यालय प्रबंधन समिति का गठन करने, स्कूल के सभी शिक्षक, शिक्षिकाओं का नाम, पे-स्केल सहित डाटा विद्यालय के वेबसाइट पर पब्लिश करने सहित अन्य निर्णय से अवगत कराया। उपायुक्त ने कहा कि निजी विद्यालयों को "नोट फॉर प्रॉफिट" (लाभ-रहित) के सिद्धांतों पर चलना चाहिए। इसलिए सभी निजी विद्यालय एक सप्ताह के अंदर उपरोक्त निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित कर लें। इसके बाद जिला प्रशासन द्वारा गठित पांच सदस्य टीम स्कूलों की औचक जांच करेगी। अनियमितता या निर्देश का उल्लंघन होने पर 50 हजार रुपए का जुमार्ना लगाया जाएगा। बैठक में बीपीएल कोटा में कम नामांकन पर उपायुक्त ने चिंता प्रकट करते हुए बीपीएल कोटा में 25% सीट रिजर्व रखने का निर्देश दिया। साथ-साथ छात्रों की सुरक्षा के लिए स्कूल बस, स्कूल वैन के चालक का नाम, मोबाइल नंबर तथा उसका पुलिस वेरिफिकेशन अनिवार्य रूप से कराने, जो बच्चे निजी वाहन से स्कूल आते हैं उसके चालक का भी पूरा विवरण एवं पुलिस वेरिफिकेशन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। सभी स्कूल बस एवं स्कूल वैन में सीसीटीवी कैमरे एवं जीपीएस लगाने, स्कूल शुरू होने और स्कूल में छुट्टी होने के समय स्कूल के पास चार अतिरिक्त कर्मियों को यातायात व्यवस्था संभालने के लिए प्रतिनियुक्त करने का भी निर्देश दिया। इसके अलावा बच्चों की मानसिक स्थिति पर निगरानी रखने, आवश्यकता पड़ने पर उनकी काउंसलिंग कराने, यदि बच्चे कोचिंग संस्थान में जाते हैं तो उनसे फीडबैक लेने, छात्राओं के लिए विशेष व्यवस्था रखने, इको क्लब का गठन करने सहित अन्य बिंदुओं पर विस्तृत दिशा निर्देश दिए। इससे पूर्व आयोजित जिला स्तरीय शुल्क समिति की बैठक में विधायक धनबाद राज सिन्हा ने वार्षिक शुल्क को क्वार्टरली करने का अनुरोध किया। जबकि विधायक निरसा अरूप चटर्जी ने सभी जनप्रतिनिधियों को बीपीएल कोटा में हुए नामांकन की जानकारी उपलब्ध कराने तथा विधायक सिंदरी चंद्रदेव महतो ने वार्षिक शुल्क का विस्तृत विवरण देने का अनुरोध किया। बैठक में उपायुक्त आदित्य रंजन, उप विकास आयुक्त सन्नी राज, डीएफओ विकास पालीवाल, डीटीओ दिवाकर सी द्विवेदी, डीईओ अभिषेक झा, डीएसई आयुष कुमार, अनुमंडल शिक्षा पदाधिकारी कुमारी स्वाती, सांसद, गिरीडीह के प्रतिनिधि सुभाष रवानी, विधायक, टुंडी के प्रतिनिधि जगदीश कुमार चौधरी, विधायक, झरिया के प्रतिनिधि अखिलेश सिंह, चार्टड एकाउंटेट अजय कुमार सिंह, दिल्ली पब्लिक स्कूल की प्राचार्या डॉ सरिता सिन्हा, राजकमल सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के प्राचार्य सुमंत कुमार मिश्र, संतोष कुमार सिंह, मनोज कुमार शर्मा, मुकेश पांडेय, रतिलाल महतो, पप्पू सिंह, मनोज मिश्रा, विवेक सिन्हा, प्रेम मंडल, संतोष सिंह के अलावा जिले के सभी निजी विद्यालयों के प्राचार्य उपस्थित थे।

केंदुआडीह में सड़क धंसने के 9 दिन बाद भी मरम्मत नहीं, विधायक राज सिन्हा अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद के केंदुआडीह क्षेत्र में धनबाद-बोकारो मुख्य सड़क धंसने की घटना को आज (गुरुवार) को 9 दिन पूरे हो गए, लेकिन अब तक मरम्मत कार्य शुरू नहीं होने से स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है। जनजीवन पूरी तरह प्रभावित है और आवागमन ठप होने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसी मुद्दे को लेकर भाजपा विधायक राज सिन्हा स्थानीय ग्रामीणों के साथ आज से अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए हैं। धरने में बड़ी संख्या में प्रभावित लोग शामिल होकर अपनी मांगों को लेकर आवाज बुलंद कर रहे हैं। धरनार्थियों की प्रमुख मांगों में धनबाद-बोकारो मुख्य सड़क की अविलंब मरम्मत कार्य शुरू करना, सड़क पर आवागमन बहाल करना तथा प्रभावित ग्रामीणों के पुनर्वास को लेकर जिला प्रशासन और भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) द्वारा सीधे संवाद स्थापित करना शामिल है। वहीं, धरने में शामिल विधायक राज सिन्हा ने मीडिया से बात करते हुए जिला प्रशासन और बीसीसीएल पर लापरवाही का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सड़क धंसने जैसी गंभीर घटना के बावजूद संबंधित एजेंसियां संवेदनशीलता नहीं दिखा रही हैं। आम

लोगों का जीवन प्रभावित हो चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। यही नहीं विधायक ने पुनर्वास के मुद्दे पर भी स्पष्ट रुख अपनाते हुए कहा कि जो लोग बेलगड़िया जाना नहीं चाहते उनके लिए सरायढेला, कार्मिक नगर या अन्य सुरक्षित स्थानों पर बसाने की पहल की जानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि विस्थापितों की सहमति और सुविधा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। यही नहीं राज सिन्हा ने चेतावनी देते हुए कहा कि जब तक सड़क मरम्मत का कार्य शुरू नहीं होता तब तक उनका यह धरना जारी रहेगा।

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के नवनियुक्त अध्यक्ष से मिले भाजपा नेता ललन कुमार निषाद

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। दिल्ली प्रवास के दौरान भारतीय जनता पार्टी मत्स्य प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक ललन कुमार निषाद ने भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं वर्तमान में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के नव नियुक्त अध्यक्ष साध्वी निरंजन ज्योति से मुलाकात की। दिल्ली स्थित राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के कार्यालय में उनसे मिलकर उन्हें नए दायित्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। अन्य समसामयिक विषयों पर विस्तृत रूप से चर्चा की।

बाबू कुंअर सिंह की वीरता और साहस विश्व इतिहास में है अतुलनीय : कुमार अमित

विजय दिवस पर सेक्टर 4 स्थित वीर कुंअर सिंह की प्रतिमा पर किया गया माल्यार्पण

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। 23 अप्रैल को विजय दिवस के अवसर पर बोकारो में सेक्टर 4 स्थित बाबू वीर कुंअर सिंह के प्रतिमा पर शहरवासियों ने माल्यार्पण कर विजयोत्सव मनाया। बाबू कुंअर सिंह के अलावा लोगों ने स्वतंत्रता सेनानी तेलगा खड़िया और जीतराम वेदिया को भी उनके बलिदान दिवस पर नमन किया। इस अवसर पर भाजपा नेता कुमार अमित ने कहा कि बाबू वीर कुंअर सिंह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के स्वर्णिम इतिहास के चमकते सूर्य हैं। ये देश के स्वतंत्रता सेनानियों के शौर्य और बलिदान के भी प्रतीक हैं। 80 वर्ष के उम्र में भी अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष करके बाबू कुंवर सिंह ने जिस वीरता और साहस का परिचय दिया वह विश्व के इतिहास में अतुलनीय है। बीएसएल ऑफिसर एसोसिएशन के अतुल सिंह ने कहा कि झारखण्ड के ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव, गणपत राय और शेख बिहारी आदि स्वतंत्रता सेनानियों ने भी बाबू कुंअर सिंह के विचारों एवं कार्यों से प्रभावित होकर देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति दी।देशवासियों के लिए बाबू कुँअर सिंह की राष्ट्र भक्ति और जीवन चरित्र सदैव प्रेरणादायी रहेगा। इस अवसर पर बीएसएल अधिकारी निरंजन कुमार, करणी सेना के गोपाल सिंह, बच्चा सिंह, लालू सिंह कुशवाहा, दिलीप सिंह, रामाकान्त पंडित, सुरेश सिंह, अवधेश सिंह, चंद्रप्रकाश, शशि भूषण सिंह, मनोज सिंह, युगल सिंह, तरूण सिंह, वीर विक्रम, ओम प्रकाश सिंह, मुकेश सिंह, कपूर, योगेन्द्र प्रसाद, विकास सिंह, घनश्याम सिंह आदि उपस्थित थे।

झारखंड पात्रता परीक्षा : आयोग के एसओपी का अक्षरशः करें अनुपालन, बोकारो का नाम नहीं हो खराबः उपायुक्त

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। आगामी 26 अप्रैल 2026 को झारखंड लोक सेवा आयोग अंतर्गत झारखंड लोक सेवा आयोग रांची द्वारा झारखंड पात्रता परीक्षा 2024 के सफल, शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गुरुवार को शिबू सोरेन स्मृति भवन (टाउन हॉल) सभागार में महत्वपूर्ण प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त अजय नाथ झा ने की, जिसमें जिले के सभी परीक्षा केंद्राधीक्षक, दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी तथा संबंधित प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। उपायुक्त ने सभी केंद्राधीक्षकों, दंडाधिकारियों एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का गहन अध्ययन कर प्रत्येक बिंदु का अनुपालन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि कोई भी कार्य एसओपी के बाहर नहीं होना चाहिए, एसओपी का अक्षरशः अनुपालन करें तथा सभी अधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी ईमानदारी और सतर्कता से करें। बोकारो का नाम नहीं खराब हो।

कक्ष में अनुशासन बनाए रखने पर जोर

उपायुक्त ने केंद्राधीक्षकों को स्पष्ट निर्देश दिया कि परीक्षा कक्ष में किसी भी प्रकार की अनावश्यक बातचीत नहीं हो। उन्हें वीक्षकों को निर्देशित करने को कहा गया कि वे परीक्षा के दौरान पूर्ण अनुशासन बनाए रखें। उन्होंने कहा कि पिछली गलतियों से सीख लेकर स्मार्ट तरीके से कार्य करें।

होटल एवं लॉज में विशेष छापेमारी अभियान

परीक्षा में कदाचार की संभावनाओं को समाप्त करने के लिए मुख्यालय डीएसपी/सिटी डीएसपी को निर्देश दिया गया कि परीक्षा से पूर्व जिले के सभी होटल, लॉज एवं ठहराव स्थलों पर विशेष छापेमारी अभियान चलाया जाए। इसका उद्देश्य संदिग्ध गतिविधियों पर रोक लगाना एवं किसी भी साजिश को विफल करना है। मौके पर मुख्यालय डीएसपी अनिमेश गुप्ता ने कहा कि परीक्षा के दौरान कदाचार रोकने के लिए दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। बिना अनुमति किसी भी प्रकार के मोबाइल फोन के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। जिले में कुल 51 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां 22404 अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे। परीक्षा एक पाली में होगी। पूर्वा 10 बजे से मध्याह्न 01.00 बजे तक होगी। सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जाएगी तथा प्रत्येक अभ्यर्थी की बायोमैट्रिक उपस्थिति अनिवार्य होगी। अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए परीक्षा केंद्रों के गेट समय पर खोले जाएंगे। प्रवेश से पूर्व पहचान पत्र की सघन जांच होगी तथा फ्रिस्किंग की व्यवस्था रहेगी। महिला अभ्यर्थियों के लिए महिला पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाएगी। परीक्षा केंद्रों के आसपास आवश्यक कानूनी प्रावधान लागू किए जाएंगे। बैठक के अंत में उपायुक्त श्री अजय नाथ झा ने सभी अधिकारियों से टीम वर्क के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि परीक्षा पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी एवं कदाचारमुक्त होनी चाहिए ताकि जिले की छवि बेहतर बने। मौके पर अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी जगरनाथ लोहरा, डीपीआरओ रवि कुमार, डीपीओ राज शर्मा, सिटी डीएसपी आलोक रंजन, ट्रैफिक डीएसपी विद्या सागर, एपीआरओ अविनाश कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145865 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com